प्रयागराज, रविवार 13 अप्रैल 2025 से शनिवार 19 अप्रैल 2025 तक
वर्ष-14 अंक-15
पृष्ठ- 8, मूल्यः 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

2025 महाकुम्भ

14

वर्ष संघर्ष कि यात्रा

07.04.2025

08.04.2025

09.04.2025

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

10.04.2025

11.04.2025

12.04.2025

फतेहपुर में गुम हुआ फोन, युवक के अकाउंट से साइबर ठगों ने उड़ाए 1.32 लाख रुपये

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में मोबाइल फोन गुम होने के बाद साइबर ठगों ने युवक के खाते से 1.32 लाख रुपये निकाल लिए। इसकी जानकारी पीड़ित को तब हुई, जब वह अपने खोए हुए मोबाइल में पड़ी सिम का वही नंबर निकाला। पीड़ित ने बिंदकी कोतवाली में केस दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार, चांदपुर थाना क्षेत्र के मदरी निवासी जितेंद्र पुत्र बाबूराम ने पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि वह बीते महीने 6 फरवरी को ससुराल में शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था। युवक ससुराल पहुंचा तो उसके पॉकेट से मोबाइल गायब था। टाह देखा उसके होश उड़ गए। बैलेंस चेक किया तो चला पता इसके बाद जितेंद्र उल्टे पांव बाइक से करीब 8 बजे वापस उसी गुमटी में पहुंचा जहां से पान मसाला लिया था लेकिन दुकान बंद हो चुकी थी। दूसरे दिन सुबह भी जितेंद्र के पहुंचने पर गुमटी बंद थी। संपर्क करने पर मोबाइल स्विच ऑफ बताता रहा। चार-पांच दिन तक मोबाइल की खोजबीन किया लेकिन कुछ पता ना चला। इस नंबर की दूसरी सिम निकाला और जैसे ही बैंकिंग एप डाउनलोड कर अपने बैंक खाते का बैलेंस चेक किया, पता चला कि 7 फरवरी की रात1.32 लाख रुपए ऑनलाइन साइबर ठगों ने ट्रांसफर कर लिया। बीओबी और पीएनबी में पैसे किए ट्रांसफर अवैध तरीके से निकाले गए यह पैसे बैंक ऑफ़ बड़ौदा और पंजाब नेशनल बैंक के खाते में ट्रांसफर किए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया कि शिकायती पत्र के आधार पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

बिहार में एन.आई.ए ने नक्सलियों की छिपाई आई.ई.डी बरामद की

बिहार। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बिहार पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ मिलकर मंगलवार को बिहार के गया जिले के एक जंगल में सीपीआई (माओवादी) के आतंकवादियों द्वारा छिपाए गए दो आईईडी बरामद किए। यह कार्रवाई माओवादियों की साजिश को नाकाम करने में महत्वपूर्ण साबित हुई है। इसके बाद सुरक्षाबलों ने राहत की सांस ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बिहार पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ मिलकर मंगलवार को बिहार के गया जिले के एक जंगल में सीपीआई (माओवादी) के आतंकवादियों द्वारा छिपाए गए दो आईईडी बरामद किए। यह कार्रवाई माओवादियों की साजिश को नाकाम करने में महत्वपूर्ण साबित हुई है। इसके बाद सुरक्षाबलों ने राहत की सांस ली। एनआईए को सोमवार को गया जिले के लुटुआ इलाके के भुसिया जंगल में प्रतिबंधित माओवादी आतंकवादी संगठन द्वारा दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) छुपाने की खुफिया जानकारी मिली थी। जानकारी मिलने के बाद, एनआईए ने तुरंत एक अधिकारी के नेतृत्व में अपनी टीम को मौके पर भेजा। इसके बाद एनआईए ने राज्य के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और सीआरपीएफ को भी अपने इस ऑपरेशन में शामिल किया। एनआईए ने एक समन्वित अभियान के तहत यह कार्रवाई की ।

सेंट जोसफ कॉलेज से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने 31 सवालों के जवाब मांगे

प्रयागराज। के सेंट जोसफ कॉलेज को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने नोटिस भेजी है।बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार ने स्कूल से 31 सवालों के जवाब। विद्यालय किस समिति या ट्रस्ट द्वारा संचालित है, संबंधित साक्ष्य के साथ स्वप्रमाणित छायाप्रति उपलब्ध कराएं। किस कक्षा से किस कक्षा तक विद्यालय की मान्यता है, इसका साक्ष्य दें। विद्यालय को किस विभाग द्वारा मान्यता के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत किया गया है। विद्यालय का अल्पसंख्यक संस्था घोषित किए जाने संबंधित शासन या विभाग के आदेश की कापी। यदि विद्यालय ज्ञान दीप विद्या सोसाइटी द्वारा संचालित है, तो उसके पंजीकरण एवं उसके सदस्यों की प्रमाणित सूची दीजिए।अपने संस्थान के नाम एवं स्वामित्व में कब-कब परिवर्तन किया गया, उसकी अनुमति किस प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त है। जिस मान्यता बोर्ड से मान्यता है उसके संबंध की तिथि क्या है। विद्यालय में कितने हिंदू, मुस्लिम, इसाई व अन्य धर्मों के छात्र हैं। प्री प्राइमरी कक्षाएं संचालित करने के लिए आपको किस संस्थान या विभाग से मान्यता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विद्यालय में शिक्षा का माध्यम क्या है।आपके संस्थान द्वारा राज्य व केंद्र सरकार द्वारा संस्तुचित किसी संस्था से कभी कोई सेफ्टी आडिट कराया गया, इसे संबंधित स्पष्टीकरण दें। आरटीई के सेक्शन 12 के तहत अपने विद्यालय की मैपिंग नहीं कराई गई, इसका कारण स्पष्ट करें। सी.डब्लू.एस.एन के आरंभिक पहचान के लिए आपके विद्यालय में क्या व्यवस्थाएं हैं। प्रबंध समिति, माता पिता, वरिष्ठ छात्र या वरिष्ठ छात्राओं के द्वारा की गई संस्थान द्वारा सेफ्टी एंड सिक्योरिटी आडिट नहीं कराया गया और न ही इसके लिए किसी शिक्षक को नियुक्त किया गया है, क्यों? एनईपी 2020 के तहत विद्या प्रवेश कार्यक्रम का संचालन नहीं किया गया, स्पष्टीकरण दें। शिक्षक छात्र उपस्थिति अभी भी मैन्युअल ही है, स्पष्ट करें। स्टेट स्कूल स्टैंडर्ड अथारिटी से अभी तक आत्म प्रमाणन नहीं किया गया है, स्पष्टीकरण दें। विद्यालय रख रखाव मद में किया गया खर्च अत्यंत न्यून है जो कि बच्चों के लिए जोखिम भरा वातावरण उत्पन्न करता है। स्पष्ट करें। विद्यालय को प्रदत्त मान्यता में प्रत्येक कक्षा में कितने वर्ग संचालन की अनुमति प्रदान की गई, साक्ष्य दें। प्रत्येक कक्षा में अत्यधिक संख्या में छात्रों का नामांकन किया गया है, जो आईडी के मानकों का उल्लंघन है। स्पष्टीकरण दें। विद्यालय के निर्गत एनबीसी प्रमाण पत्र एवं अग्नि शमन प्रमाण पत्र की प्रति उपलब्ध कराएं। शिकायतकर्ता के अनुसार, विद्यालय को अल्पसंख्यक बताया जाता है लेकिन यह अल्पसंख्यक विभाग में पंजीकृत नहीं है, इसका साक्ष्य दें।विद्यालय में प्री प्राइमरी की कोई बिल्डिंग नहीं है फिर भी प्राइमरी कक्षा संचालित है, स्पष्टीकरण दें। सी.डब्लू.एस.एन के लिए कोई शौचालय व यूरिनल की व्यवस्था नहीं है, यदि है तो साक्ष्य दें। विद्यालय में बच्चों का कभी स्वास्थ्य परीक्षण नहीं होता है तथा वार्षिक स्वास्थ्य अभिलेख नहीं किया जाता है, स्पष्टीकरण दें। विद्यालय में इंटीग्रेटेड विज्ञान प्रयोगशाला नहीं है। स्पष्टीकरण दें। विद्यालय में 5346 छात्रों में सिर्फ 3159 छात्रों की अपार आईडी बनाई गई। 2174 छात्रों की अपार आईडी क्यों नहीं बनी स्पष्ट करें। शिकायतकर्ता के अनुसार, पढ़ाने वाले कोई भी शिक्षक केंद्र सरकार निर्धारित योग्यता को धारित नहीं करते। इसका पूरा डिटेल उपलब्ध कराएं।

प्रयागराज में भाजपा नेता विजय बिंद के घर पर बम से हमला, देर रात की घटना

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से दहलाने वाला मामला सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेता के घर पर बम से हमले की खबर है। इस घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस की टीम भाजपा नेता के घर पर पहुंची है। घटना की जांच शुरू कर दी गई है। दरअसल, सराय इनायत थाना क्षेत्र के सरपतीपुर गांव में रविवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई जब बाइक सवार दो बदमाशों ने भाजपा नेता विजय बिंद के घर पर बम फेंक दिया। विजय बिंद भाजपा ओबीसी मोर्चा गंगापार के जिला मीडिया प्रभारी हैं। बताया जा रहा है कि बदमाशों की ओर से फेंका गया बम दीवार से टकराकर फट गया, जिससे तेज धमाका हुआ। बम हमले और तेज धमाके से इलाके में हड़कंप मच गया। इस घटना में घर के बाहर खड़ी एक कार का शीशा टूट गया। हालांकि, घर के बाहर बैठे लोग इस हमले में बाल-बाल बच गए। किसी प्रकार के जानमाल का नुकसान इस बम हमले में न होने की बात सामने आई है।घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। फिलहाल इस मामले में अभी तक किसी के खिलाफ तहरीर नहीं दी गई है। प्रयागराज पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और बदमाशों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही बदमाशों को पकड़ा जाएगा। उसके खिलाफ एक्शन होगा। वहीं, इस हमले को लेकर दावा किया जा रहा है कि यह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का परिणाम या आपसी रंजिश का परिणाम हो सकता है।

ट्रिपल मर्डर मामला मुठभेड़ में दो आरोपियों को लगी गोली
फतेहपुर में हत्यारोपी के घर चला बुलडोज़र
तीन शवों का अंतिम संस्कार, चीखों से गूंजा गांव

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के हथगाम थाना क्षेत्र के अखरी गांव में हुए ट्रिपल मर्डर केस ने पूरे जिले ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में सनसनी फैला दी है। पिछले मंगलवार की सुबह किसान नेता उर्फ पप्पू सिंह, उनके बेटे अभय सिंह और भाई अनूप सिंह उर्फ पिंकू को दिनदहाड़े गोलियों से भून दिया गया। बुधवार को एक साथ 3 चिताओं को 7 वर्षीय मासूम शौर्य प्रताप ने मुखाग्नि दी। यह नजारा देख लोगों का कलेजा फट सा गया। के गंगा कटरी में तीनों चिताएं एक साथ जल रही थीं। मासूम शौर्य अपने पिता पिंकू, ताऊ पप्पू और चचेरे भाई अभय का दाह संस्कार किया। यह देख अंतिम संस्कार में शामिल लोगों की आंखों से आंसुओं की धार निकल पड़ी। 3 अर्थियां एक साथ उठने से जहां गांव में सन्नाटा छाया रहा तो वहीं मासूम बच्चे को देखकर लोगों की चीखों से गांव गूंज उठा। अखरी गांव में मंगलवार की सुबह करीब साढ़े 7 बजे किसान यूनियन के जिला उपाध्यक्ष विनोद उर्फ पप्पू सिंह व उनके छोटे भाई अनूप उर्फ पिंकू और बेटे अभय सिंह समेत 3 लोगों की हमलावरों ने दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी थी। बताया जा रहा है कि हमलावर पूर्व प्रधान मुन्नू सिंह अपने बेटे पीयूष और साथियों ने रंजिश के चलते इस खूनी संघर्ष को अंजाम दिया।फतेहपुर पुलिस और प्रशासन ने घटना की सूचना पर गांव को छावनी में तब्दील कर दिया। सनसनीखेज घटना के चलते तनाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने 22 थानों की फोर्स और दो प्लाटून ईंफ के साथ डीएम व एसपी गांव में मौजूद रहे।मृतक पप्पू सिंह की पत्नी की मौत करीब 15 साल पहले हो चुकी है। मां की मौत के वक्त हादसे का शिकार मृतक बेटा अभय महज़ 7 साल का ही था।पोस्टमार्टम के बाद बुधवार को तीनों लाशों को गांव लाया गया।सुबह से लेकर दोपहर तक भाकियू नेताओं और परिजनों की प्रशासन बातचीत के दौरान पीड़ित परिवार की ओर से मांगों पर सहमति के बाद दोपहर करीब साढ़े 3 बजे प्रशासन की मौजूदगी में गंगा किनारे शवों का अंतिम संस्कार कराया गया

देर रात क्लर्क पत्नी ने पार्षद को मिलने बुला लिया बुलाया तो पति ने किया पुलिस को फ़ोन

झांसी। मऊरानीपुर का रहने वाला एक शख्स महोबा जिले में स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर नौकरी करता है। उसकी पत्नी सरकारी स्कूल में क्लर्क है। शख्स की क्लर्क पत्नी का एक पार्षद से काफी समय से मिलना-जुलना है। इसको लेकर पति और पत्नी में विवाद होता रहता था।संविदा पर नौकरी करने वाला एक शख्स ड्यूटी करने घर से बाहर गया। उसकी पत्नी ने आधी रात में अपने पार्षद मित्र और उसके एक दोस्त को मिलने के लिए घर बुला लिया। काफी समय से पत्नी की जासूसी में लगे पति को जैसे ही इस बात की पक्की खबर मिली तो उसने फोन से 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस से मदद मांगी। पति के फोन पर सक्रिय हुई पुलिस जब उसके घर पहुंची तो वहां दोनों पुरुष मौजूद मिले। मौके पर मोहल्ले के लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ लोगों ने इस पूरे तमाशे का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मऊरानीपुर का रहने वाला एक शख्स महोबा जिले में स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर नौकरी करता है। उसकी पत्नी सरकारी स्कूल में क्लर्क है। शख्स की क्लर्क पत्नी का एक पार्षद से काफी समय से मिलना-जुलना है। पति ने कई बार अपनी पत्नी को मिलने-जुलने से मना किया। पति और पत्नी के बीच कई बार इस बात को लेकर विवाद भी हुआ। शख्स 8 अप्रैल की रात ड्यूटी पर महोबा गया हुआ था। तभी उसे एक परिचित ने उसके घर में दो लोगों के पहुंचने की जानकारी दी। जानकारी पुख्ता होने पर शख्स ने पुलिस को फोन लगा दिया।शख्स के फोन काल पर देर रात मौके पर पहुंची पुलिस को देख महिला के घर के बाहर मजमा जमा हो गया। किसी तरह पुलिस ने पार्षद और उसके दोस्त को घर से बाहर निकाला। महिला ने इस पूरे मसले पर पुलिस को सफाई देते हुए कहा कि उसके पेट में दर्द हो रहा था। परिचित होने के कारण इन दोनों को मदद के लिए बुलाया था।दूसरी ओर, महिला के पति ने सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर डाला है। इसमें उसने आरोप लगाया है कि पत्नी और उसका पार्षद मित्र उसकी हत्या कर ड्रम में भरकर फेंकने की धमकी दे रहे हैं।सीओ मऊरानीपुर रामवीर सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक इस मामले में कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है।

7 दिन में ही बैकफुट पर ट्रम्प, 90 दिनों के लिए टैरिफ को टाला,चीन पर बढ़ाकर किया 125 प्रतिशत

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को 75 से ज्यादा देशों पर जैसे को तैसा यानी कि रेसिप्रोकल टैरिफ 90 दिनों के लिए रोक दिया है। यह उनके फैसले के साथ ही लागू हो गया है। हालांकि, उन्होंने चीन को इस छूट में शामिल नहीं किया है, बल्कि उस पर लगे टैरिफ को 104प्रतिशत से बढ़ाकर 125प्रतिशत कर दिया है। ट्रम्प ने यह कार्रवाई चीन की तरफ से लगाए गए जवाबी 84प्रतिशत टैरिफ के बाद की। चीन पर 125प्रतिशत टैरिफ लगाने का आसान भाषा में मतलब है कि चीन में बना 100 डॉलर का सामान अब अमेरिका में जाकर 225 डॉलर का हो जाएगा। अमेरिका में चीनी सामानों के मंहगे होने से उसकी बिक्री कम हो जाएगी। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि चीन ने ग्लोबल मार्केट के लिए सम्मान नहीं दिखाया है। इसी वजह से मैं उस टैरिफ बढ़ाकर 125प्रतिशत कर रहा हूं। उम्मीद है कि चीन जल्द यह समझेगा कि अमेरिका और दूसरे देशों को लूटने के दिन चले गए हैं। ट्रम्प ने कहा कि 75 से ज्यादा देशों ने अमेरिका के प्रतिनिधियों को बुलाया है और इन देशों ने मेरे मजबूत सुझाव पर अमेरिका के खिलाफ किसी भी तरह से जवाबी कार्रवाई नहीं की है। इसलिए मैंने 90 दिन के विराम को स्वीकार किया है। टैरिफ पर इस रोक से नए व्यापार समझौतों पर बातचीत करने का समय मिलेगा। वहीं, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत करने के इच्छुक देशों के लिए यह दर घटकर 10इ हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कनाडा और मेक्सिको के कुछ सामानों पर 25प्रतिशत टैरिफ लगता था। अब उन्हें भी बेसलाइन टैरिफ में शामिल कर लिया गया है। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि यूरोपीय यूनियन इस बेसलाइन टैरिफ में शामिल है या नहीं। चीन के पास अमेरिका के करीब 600 अरब पाउंड (करीब 760 अरब डॉलर) के सरकारी बॉन्ड हैं। मतलब ये कि चीन के पास अमेरिकी इकोनॉमी को प्रभावित करने की बड़ी ताकत है। वहीं, चीन ने अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है। चीन ने 1.9 लाख करोड़ डॉलर का अतिरिक्त लोन इंडस्ट्रियल सेक्टर को दिया है। इससे यहां फैक्ट्रियों का निर्माण और अपग्रेडेशन तेज हुआ। हुआवेई ने शंघाई में 35,000 इंजीनियरों के लिए एक रिसर्च सेंटर खोला है, जो गूगल के कैलिफोर्निया हेडक्वार्टर से 10 गुना बड़ा है। इससे टेक्नोलॉजी और इनोवेशन कैपेसिटी तेज होगी। अमेरिका के बीच चल रहे टैरिफ वॉर के बीच चीन ने कहा कि वह अमेरिका के आगे 'जबरदस्ती' झुकने के बजाए आखिर तक लड़ना चुनेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि चीन उकसावे से नहीं डरता, वह पीछे नहीं हटेगा।

छात्रा से इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला-रेप के लिए तुम ही जिम्मेदार,मुसीबत को खुद ही बुलाया था

'यदि पीड़ित के आरोपों को सही मान भी लिया जाए, तो इस नतीजे पर पहुंचा जा सकता है कि उसने खुद ही मुसीबत को न्योता दिया था। वह रेप के लिए खुद ही जिम्मेदार भी है। मेडिकल जांच में हाइमन टूटा हुआ पाया गया था, लेकिन डॉक्टर ने यौन हिंसा की बात नहीं की।'

प्रयागराज। ये टिप्पणी इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार सिंह ने की। गुरुवार को कोर्ट ने रेप के आरोपी को जमानत देते हुए कहा, 'सेक्स दोनों की सहमति से हुआ था।' रेप का यह मामला सितंबर 2024 का है। छात्रा ने 1 सितंबर 2024 को कराई थी एफ.आई.आर गौतमबुद्धनगर की एक यूनिवर्सिटी में एम.ए की छात्रा ने 1 सितंबर 2024 को थाना सेक्टर 126 में रेप का केस दर्ज कराया था। छात्रा ने अपनी शिकायत में लिखा था कि वह नोएडा के सेक्टर 126 स्थित एक पीजी हॉस्टल (पेइंग गेस्ट) में रहकर पढ़ाई करती है। 21 सितंबर 2024 को वह अपनी दोस्तों के साथ दिल्ली घूमने गई थी। हौज खास में सभी ने पार्टी की, जहां उसकी तीन दोस्तों के साथ तीन लड़के भी आए थे। छात्रा ने बताया कि बार में निश्चल चांडक भी आया था। सबने शराब पी। पीड़ित छात्रा को काफी नशा हो गया था। रात के 3 बजे थे। निश्चल ने उसे अपने साथ चलने को कहा। उसके बार-बार कहने पर छात्रा साथ चलने के लिए तैयार हो गई। पीड़ित छात्रा ने आरोप लगाया कि आरोपी निश्चल रास्ते भर उसे गलत तरीके से छूता रहा। छात्रा ने नोएडा के एक घर में चलने को कहा था, लेकिन लड़का हरियाणा के गुरुग्राम स्थित अपने किसी रिश्तेदार के फ्लैट पर ले गया, जहां उसके साथ दो बार रेप किया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपी निश्चल चांडक को 11 दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया था। आरोपी निश्चल चांडक ने केस के इन्वेस्टिगेशन के दौरान जमानत पर रिहा किए जाने की मांग करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान आवेदक के वकील ने मजबूती से अपना पक्ष रखा। कोर्ट से कहा, पीड़ित ने खुद स्वीकार किया है कि वह बालिग है और पीजी हॉस्टल में रहती है। वह अपनी मर्जी से पुरुष दोस्तों के साथ बार गई थी, जहां उसने साथ में शराब पी। वह अत्यधिक नशे में थी। वह अपने साथियों के साथ तीन बजे तक बार में रही। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने जमानत याचिका का विरोध किया। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद पाया कि यह विवाद का विषय नहीं है, क्योंकि पीड़ित और आवेदक दोनों ही बालिग हैं। कोर्ट ने कहा, पीड़ित एमए की छात्रा है। इसलिए वह अपने कृत्य की नैतिकता और महत्व को समझने में सक्षम थी। जैसा कि उसने एफआईआर में खुलासा किया है। इसलिए कोर्ट का मानना है कि यदि पीड़ित के आरोप को सच मान भी लिया जाए तो यह भी निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि उसने खुद ही मुसीबत को आमंत्रित किया और इसके लिए वह खुद जिम्मेदार भी है।आरोपी ने कोर्ट को बताया, महिला को मदद की जरूरत थी और वह खुद ही उसके साथ घर पर आराम करने जाने के लिए तैयार हो गई थी। आरोपी ने इन आरोपों से भी इनकार किया है कि वह महिला को अपने रिश्तेदार के फ्लैट पर ले गया। दो बार रेप किया। उसका दावा है कि रेप नहीं हुआ था, बल्कि सहमति से सेक्स हुआ था। कोर्ट ने कहा कि मामले के तथ्य और हालात के साथ-साथ अपराध की प्रकृति, सबूत और दोनों वकीलों की तरफ से दी गई जानकारी पर विचार करने के बाद मेरा मानना है कि आवेदक को बेल दी जा सकती है। ऐसे में जमानत के आवेदन को स्वीकार किया जाता है। आवेदक के वकील ने कोर्ट को बताया है कि जांच से भागने या साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ करने की कोई संभावना नहीं है। आवेदक 11 दिसंबर 2024 से जेल में बंद है। उसका कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है और यदि उसे जमानत पर रिहा किया जाता है तो वह जमानत की स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं करेगा।

बट गए थे लड़की के शादी के कार्ड, देख रही थी खुशहाल जीवन के सपने
पर माँ के दिल में कुछ और ही था दामाद संग हुई फरार

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में अपने होने वाले दामाद के साथ सास के भागने की घटना की चर्चा चारों तरफ हो रही है. किसी को भी इस बात पर विश्वास नहीं हो रहा है कि जिस युवक के साथ बेटी की शादी की तैयारी हो रही थी, ठीक शादी की तय तारीख से 9 दिन पहले मां भाग गई. मां के इस कदम से बेटी बहुत नाराज है. साथ ही जिस युवक के साथ शादी तय हुई थी, उसपर भी लड़की ने जमकर गुस्सा निकाला है. लड़की ने कहा, मेरी मां ने जो कुछ भी मेरे साथ किया है, कोई मां ऐसा नहीं करती है. मेरे लिए वो मर चुकी है. वो दोनों जिएं या मरें हमें फर्क नहीं पड़ता.दरअसल, अलीगढ़ जिले के मडराक थाना क्षेत्र के एक गांव का निवासी जितेंद्र कुमार बेंगलुरु में काम करता है. कुछ महीने पहले उसने अपनी बेटी शिवानी की शादी राहुल नाम के लड़के से तय की थी. बेटी की शादी के लिए जितेंद्र ने 5 लाख रुपये के जेवर तक तैयार करवा लिए थे और 3 लाख 50 हजार रुपये का इंतजाम भी करवा लिया था. लेकिन इस बीच होने वाले दूल्हे का दिन अपनी सास पर आय गया यानी कि होने वाली दुल्हन की मां पर. ऐसे में दोनों सास-दामाद ने भागने का प्लान बनाया और फरार हो गए. भागने से पहले महिला अपनी बेटी के गहने और शादी के लिए रखे गए लाखों रुपये भी लेकर फरार हो गई. परिजनों ने दोनों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज करवाई है.

बस्ते से ज्यादा भार किताबो का, के.जी क्लास की किताबों का बिल 9,515 रुपये
शिक्षा में बढ़ता भ्रष्टाचार सवालों के घेरे में

प्रयागराज। जी हा सही समझा आपने इन दिनों शिक्षा की गुणवता व उसको वहन करने का भार अभिभावकों के कंधो पे पड़ रहा वो जग जाहिर हैं, इसकी क्रम में शिक्षा को व्यापार बनाने की एक और तस्वीर सामने आई है। पत्रकार मिथलेश धर ने एक बिल शेयर किया है जिसमें केजी और छठी कक्षा की किताबों की कीमत 9,515 रुपये बताई गई है। सोचने वाली बात है कि इतने छोटे बच्चों की किताबों पर ही 10 हजार रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। एक वक्त था जब बच्चे अपने सीनियर छात्रों से पुरानी किताबें ले लेते थे। कई बार ये किताबें मुफ्त या आधे दामों में मिल जाती थीं। लेकिन अब प्राइवेट स्कूलों ने यह प्रथा ही बंद करवा दी है। आज की स्थिति यह है कि छात्रों को हर साल नई किताबें खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है, भले ही पुरानी किताबें सही हालत में क्यों न हों। इस पूरे मामले ने शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते भ्रष्टाचार और मुनाफाखोरी को उजागर किया है। किताबों और यूनिफॉर्म से लेकर स्टेशनरी तक, हर चीज पर स्कूलों की मनमानी चल रही है और अभिभावकों की जेब पर भारी बोझ डाला जा रहा है। अब सवाल उठता है - क्या शिक्षा अब सेवा नहीं, सिर्फ एक व्यापार बन गई है?

नोएडा प्राधिकरण जल्द बसायेगा 'नया नोएडा', 80 गांवों का जल्द होगा ड्रोन सर्वे

नोएडा। दादरी नोएडा गाजियाबाद विशेष निवेश क्षेत्र (डीएनजीआइआर) के रूप में नोएडा प्राधिकरण 209.11 वर्ग किमी (20911.29 हेक्टेयर) जमीन पर 'नया नोएडा' विकसित करने जा रहा है। इस शहर को बसाने के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जानी है। इसके लिए प्राधिकरण ने बुलंदशहर व गौतमबुद्धनगर के 80 गांव का ड्रोन सर्वे कराने का निर्णय लिया है। 10 दिन में चयनित कंपनी को पीपीटी तैयार करने का निर्देश दिया गया है, जिसका प्रस्तुतीकरण प्राधिकरण सीईओ डा लोकेश एम के समक्ष होगा। पीपीटी के जरिये बताया जाएगा कि ड्रोन सर्वे में किन बिंदुओं को शामिल किया गया है। सर्वे से मिले डेटा का मिलान अक्टूबर 2024 की सेटलाइट मैप से कराया जाएगा, जिससे वास्तविक अवैध निर्माण की जानकारी मिल सकेगी। इसके बाद अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर ध्वस्तीकरण का काम किया जाएगा। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश पाल ने बताया कि अक्टूबर 2024 में डीएनजीआइआर के लिए शासन से अधिसूचना जारी हुई थी, अधिसूचना के बाद 80 गांवों में यदि कोई किसी भी प्रकार का निर्माण करता है तो उसके लिए नोएडा प्राधिकरण से अनुमति लेनी अनिवार्य है। बिना अनुमति के किया गया निर्माण अवैध माना जाएगा। इस दिन की सेटेलाइट इमेज नोएडा प्राधिकरण के पास मौजूद है। इसी इमेज का मिलान ड्रोन सर्वे से एकत्र होने वाले डाटा से कराया जाएगा, जिसके बाद तय हो जाएगा किस खसरे पर अवैध निर्माण किया गया है। अधिसूचना के बाद कहां-कहां अवैध निर्माण हुआ है। इस कार्य को करने से पहले ड्रोन सर्वे कंपनी दस दिनों में पीपीटी तैयार कर सीईओ के समक्ष अपना प्रस्तुतीकरण देगी कि उसने सर्वे में किन किन बिंदुओं को अबतक शामिल किया है। 20 अप्रैल के बाद नोएडा प्राधिकरण में बैठक होगी। इस बैठक में कंपनी को बिंदुओं और उस पर मिलने वाले सुझाव के आधार पर निर्देश दिया जाएगा। मई में सर्वे का काम शुरू किया जाएगा। सर्वे 10 से 15 दिन में पूरा किया जाएगा। इसकी रिपोर्ट तैयार कर सीईओ को दी जाएगी, जिसके बाद अवैध निर्माण पर नोटिस जारी कर ध्वस्तीकरण अभियान चलेगा। नया नोएडा के पहले फेज के गांवों में जमीन किसानों से आपसी सहमति के आधार पर ही ली जाएगी। यहां मुआवजा दर क्या होगा इस पर विस्तार से चर्चा की गई। हालांकि अभी कोई निर्णायक फैसला पर नहीं पहुंचा जा सका है। जल्द ही एक और बैठक की जाएगी जिसमें फाइनल दर का निर्धारण किया जाएगा। सबसे पहले 15 गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। जबकि नया नोएडा को 80 गांवों की जमीन पर बसाया जाएगा। प्रत्येक गांव में करीब 200 किसान परिवार है। यानी कुल 16 हजार किसान परिवार है। जिनके साथ बैठक की जाएगी। पहले फेज में 3165 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है।

कौशाम्बी में स्कूल चलो अभियान का हुआ शुभारंभ
50बच्चों को वितरित की गई निःशुल्क किताबों की

कौशाम्बी। कौशाम्बी में मंगलवार को स्कूल चलो अभियान की शुरुआत हुई। उदयन सभागार मंझनपुर में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर मुख्य अतिथि और राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण से हुई। इसके बाद सरस्वती वंदना की गई और छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।बरेली में मुख्यमंत्री द्वारा किए गए कार्यक्रम का लाइव प्रसारण उदयन सभागार में दिखाया गया। इस दौरान शिक्षक, बच्चे और अभिभावक मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने बच्चों को शैक्षिक किट वितरित किए। साथ ही 50 बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें दी गईं। उन्होंने स्कूल चलो अभियान को सफल बनाने के लिए उपस्थित लोगों से सहयोग की अपील की। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी, मुख्य विकास अधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा जिला समन्वयक प्रशिक्षण, धर्मनाथ (जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता), धीरेन्द्र (जिला समन्वयक बालिका शिक्षा), योगेश तिवारी और दोनों एसआर भी उपस्थित रहे।

ट्रिपल मर्डर केस में पिता-पुत्र गिरफ्तार,चार आरोपी पहले जा चुके जेल,असलहे बरामद

फतेहपुर। फतेहपुर ट्रिपल मर्डर केस में पुलिस-प्रशासन ने तगड़ा एक्शन लिया है. आरोपियों के अवैध निर्माण पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई है. हत्याकांड के आरोपी ज्ञान सिंह द्वारा सरकारी जमीन पर बनाई गई अवैध कोठरी को बुलडोजर से ढहा दिया गया है. इस दौरान भारी पुलिस बल के साथ डीएम, एसपी की मौजूदगी भी रही बताया जा रहा है कि मुन्नू सिंह द्वारा प्रधानी के दौरान अवैध तरीके से अर्जित की गई संपति भी खंगाली जा रही है. जांच-पड़ताल के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी. बुलडोजर एक्शन के वक्त मौके पर कई थानों की फोर्स मौजूद रही. खुद डीएम-एसपी भी पहुंचे हुए थे. मौके पर कोई अप्रिय घटना नहीं हुई, ना ही किसी ने ने विरोध-प्रदर्शन किया. फिलहाल, इस बुलडोजर एक्शन के बाद अधिकारी मृतक के परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए मानने में जुटे हैं. क्योंकि, परिजन शव को रखकर प्रोटेस्ट कर रहे हैं. मामला जिले हथगाम थाना क्षेत्र के अखरी गांव का है, जहां बीते दिन किसान नेता पप्पू सिंह उनके बेटे अभय सिंह व भाई रिंकू सिंह सहित तीन की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी.फतेहपुर के हथगांव थाना क्षेत्र के अखरी गांव में हुए तीन लोगों की हत्या के मामले में कांग्रेस ने दखल दिया है। जिला अध्यक्ष महेश द्विवेदी और शहर अध्यक्ष आरिफ गुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल घटनास्थल पहुंचा।

प्रधानमंत्री ने कमिश्नर से पूछा' गैंगरेप मामले में क्या हुआ

वाराणसी। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को काशी दौरे पर हैं। सुबह सवा दस बजे एयरपोर्ट पर उतरते ही प्रधानमंत्री मोदी एक्शन के मूड में दिखे। उन्होंने पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल से छात्रा से गैंगरेप को लेकर सवाल-जवाब किए। उन्होंने कमिश्नर से वारदात की पूरी जानकारी ली। कहा- सभी दोषियों पर सख्त एक्शन हो। साथ ही, ऐसी घटना दोबारा न होने पाए।कमिश्नर ने पीएम मोदी को केस की पूरी स्टेट्स रिपोर्ट बताई। उन्होंने कहा कि इस मामले में मुख्य आरोपी समेत 9 लोगों को जेल भेजा जा चुका है। तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। बहुत जल्द अन्य 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मुख्य आरोपी का कैफे सील कर दिया गया है।वाराणसी में ग्रेजुएशन की छात्रा से 23 लड़कों ने 7 दिन तक गैंगरेप किया था, फिर उसे सड़क पर फेंक कर भाग गए थे। इसके बाद छात्रा बदहवास हालत में घर पहुंची थी। दो दिन तक बेहोश रही थी। छात्रा के पिता ने पुलिस को बताया- मेरी बेटी 29 मार्च को अचानक लापता हो गई। दोस्तों, रिश्तेदारी सब जगह ढूंढा। उसके दोस्त दानिश और आयुष को भी फोन किए। 4 अप्रैल की सुबह पुलिस ने मेरी बेटी को घर पहुंचाया। वह बेसुध थी, हालत बिल्कुल ठीक नहीं थी। उसको नॉर्मल

एबीवीपी ने प्राइवेट विद्यालयों के शुल्कवृद्धि प्रवेश शुल्क के खिलाफ बुलंद की आवाज

जिला संयोजक मृगांक दुबे के नेतृत्व में दिया गया ज्ञापन

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में अपनी मांगों को लेकर बुलंद करते हुए संबंधित अधिकारी को ज्ञापन देखकर कराया अवगत वहीं जिला संयोजक मृगांक दुबे ने बताया कि 'अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद' विश्व का सबसे बड़ा सक्रिय एवं राष्ट्रवादी छात्र संगठन है । जो वर्ष भर विद्यार्थीयों एवं शिक्षा हितों के साथ-साथ देश व समाज में चल रहे प्रत्येक समसामयिक विषयों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करती है इसी क्रम में जनपद सोनभद्र में प्राइवेट स्कूल द्वारा हर वर्ष तय मानक के विपरीत शुल्क वृद्धि व हर वर्ष एडमिशन के नाम पर प्रवेश शुल्क लिया जा रहा है व विद्यालय प्रबंधन द्वारा तय पुस्तक विक्रेता से किताबे खरीदने का दबाव बना रहे है. अभिभावकों और छात्रों को भी मजबूरी में वहीं से किताबें खरीदनी पड़ रही है. एबीवीपी की मांग है कि अभिभावकों और छात्रों को स्वतंत्र रूप से किसी भी पुस्तक विक्रेता से पुस्तकें खरीदने की छूट दी जाए। इसके अलावा यूनिफॉर्म के लिए भी छात्रों और उनके अभिभावकों को

इसी तरह मजबूर किया जा रहा है. एबीवीपी का आरोप है कि निजी कमीश्न खोरी के चक्कर में अभिभावकों का शोषण कर रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा पहले निजी स्कूलों में आरटीई यानी शिक्षा के अधिकार के तहत गरीब बच्चों के पढ़ने की योजना थी, लेकिन अधिकतर स्कूलों ने इस प्रक्रिया को खत्म कर दिया है. ऐसे में गरीब बच्चों को शिक्षा से वंचित होना पड़ रहा है.जिसमें अभिभावकों का ऐसा कहना है कि डी.पी.एस.एस स्कूल,सन्त जोसफ कान्वेंट स्कूल,स्वामी हरसेवानंद पब्लिक स्कूल,डी ए वी पब्लिक स्कूल, संत भगवानंद पब्लिक स्कूल, सनबीम स्कूल, श्री एकैडमी, संत कीनाराम इंटर कॉलेज प्रमुख रूप से कुछ एँएँ के कुछ विद्यालय हैं जो ऐसी गतिविधियों में संलिप्त हैं ।प्रदेश सहमंत्री शशांक मिश्रा ने बताया कि इस प्रकार की कार्यप्रणाली से प्राइवेट स्कूल छात्रों,अभिभावकों का शोषण कर रहे हैं और वह शिक्षा के व्यापरीकरण का कार्य कर रहे हैं जो कि देश हित व राष्ट्रहित में उचित नहीं है और इस प्रकार के रवैया का विद्यार्थी परिषद पुरजोर विरोध करता है।इस दौरान प्रदेश सहमंत्री शशांक मिश्रा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनमोल सोनी, जिला संयोजक मृगांक दुबे, तहसील संयोजक राहुल जालान, सत्यम शुक्ला, वैभव पांडे, प्रिंस सिंह, धर्मेश पांडे,हर्ष चौबे आदि उपस्थित रहें।

श्री हनुमत् जन्मोत्सव पर निकाली गई ध्वज यात्रा झूमे श्रद्धालु

सोनभद्र। जनपद मुख्यालय मेन

चौक माता शीतला मंदिर के निकट स्थित संकट हरण श्री सिद्ध हनुमान मंदिर पर श्री हनुमत् जन्मोत्सव समारोह शनिवार को उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया जायेगा। इस दौरान मेन चौक स्थित संकट हरण श्री सिद्ध हनुमान मंदिर से विशाल ध्वज यात्रा निकाली गई यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, ध्वज यात्रा मेन चौक से नगर भ्रमण करते हुए पुनः मन्दिर पर ही समाप्त हुई यात्रा में भगवान राम दरबार की झांकी लोगों के लिए आकर्षक का केन्द्र रहा, बड़ी संख्या में साथ चल रहे श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था यात्रा के दौरान पुरे नगर में भक्ति मय माहौल व्याप्त रहा। सायं 7 बजे जन्मोत्सव आरती व रात्रि 8 बजे से भण्डारा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान यात्रा के संरक्षक राम जी मोदनवाल, कृष्ण मुरारी गुप्ता, अजय शुक्ला, सचिन कुमार गुप्ता, मोनू हर्ष केशरी, रिशु केशरी, उमेश केशरी (मखंचु), कौशल शर्मा, राजू गुप्ता संगम गुप्ता नरेन्द्र गर्ग,ठाकुर अग्रहरी, राजेश केशरी,लल्लन अग्रहरी,गोविन्द केशरी,संगीता गुप्ता,सरोज केशरी,रूबी गुप्ता समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एडीएम की अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु की बैठक संपन्न

रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु की बैठक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई।सभी उपस्थित सदस्यों का

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, रायबरेली कैप्टन (नौ सेना) अतुल्य दयाल (अ0प्रा0) द्वारा स्वागत किया गया तथा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) द्वारा पूर्व सैनिकों की समस्याओं का निस्तारण किया गया। सैनिक बन्धु समिति उपाध्यक्ष आनरेरी कैप्टन राजपाल सिंह द्वारा शहीद स्मारक मुंशीगंज के पास वॉर मेमोरियल बनवाए जाने हेतु नगर पालिका से एन0ओ0सी0 दिलाये जाने हेतु एवं सैनिक बंधु सूबेदार एस0के0 बाजपेयी द्वारा शहीद चौक, डिग्री कॉलेज चौराहा के पास साफ सफाई तथा गमलों में पेड़ लगवाने एवं उनकी देखभाल किए जाने हेतु नगर पालिका से अनुरोध किया गया। सैनिक बन्धु कार्पोरल सी0बी0 शुक्ला द्वारा पूर्व सैनिकों की अन्य समस्याओं के शीघ्र निवारण हेतु अनुरोध किया गया। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) द्वारा पूर्व सैनिकों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण हेतु नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया गया।

रोजगार मेला (कैम्पस प्लेसमेंट) का आयोजन

सोनभद्र। जिला सेवायोजन अधिकारी, ने अवगत कराया है की जिला सेवायोजन कार्यालय, सोनभद्र द्वारा जनपद के आई0टी0आई0 पास ऑउट अभ्यर्थियों (उम्र 18 से 32 वर्ष) को रोजगार देने के लिए 17 अप्रैल 2025 को प्रातः 10:00 बजे से शम्भूनाथ निजी आई0टी0आई0 कॉलेज, परासपानी, कोटा, डाला, सोनभद्र के परिसर में रोजगार मेला (कैम्पस प्लेसमेंट) का आयोजन किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र की मदरसन ऑटोमोटिव इलेस्टोमर्स टेक्नोलॉजी, नोएडा, उत्तर प्रदेश की कम्पनी प्रतिभाग करेगी। अभ्यर्थियों का साक्षात्कार कॉलेज के परिसर में लिया जायेगा। यह कैम्पस मेला पूर्णतः निःशुल्क है।

जन जन ने यह ठाना है कुपोषण मुक्त बनाना है :विनीत सिंह

समस्त बाल विकाश परियोजना द्वारा 8 मार्च से 22 अप्रैल तक होने वाले पोषण पखवाड़ा का किया शुभारंभ

सोनभद्र ।महिला एवं बाल विकास विभाग से जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह के निर्देशन के क्रम मे समस्त जनपद समेत मंगलवार को

आकांक्षी ब्लॉक चतरा ब्लॉक सभागार मे खण्ड विकास अधिकारी दिनेश मिश्रा एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी रविन्द्र प्रकाश गिरी के अध्यक्षता मे सभी आंगनवाड़ी बहनो को पोषण युक्त खान - पान एवम सरकार द्वारा चलाये जा रहे सुबिधाओं के बारे मे विस्तृत चर्चा करते - हुए सभी आंगनवाडी को हरी झड़ी दिखाकर पोषण कार्यो - को जन जन तक पहुचाने हेतु रवाना - किया साथ मे बताया कि पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत 8 अप्रैल से 22 अप्रैल - तक पोषण थीम के अनुसार कार्य करते - हुए आंगनवाड़ी बहने घर घर जा कर - सभी लाभार्थियों को स्वास्थ्य एवम - पोषण हेतु जागरूक करेंगी पिरामल फाउंडेशन से जनपद प्रानिधि वीरेंद्र पाण्डेय द्वारा बताया गया कि पोषण पखवाड़ा में बच्चों के ऊपरी आहार एवम गर्भवती, धात्री को पोषण युक्त भोजन के लिए प्रोत्साहन के लिए अभियान चलाया जाएगा जिसके अंतर्गत सभी आंगनवाड़ी ग्राम सभा में प्रत्येक लाभार्थियों के साथ अधिक से अधिक बैठक कर जन जागरूकता अभियान चलाएंगी साथ में ही पोषण पखवाड़ा में स्वास्थ्य विभाग पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग समेत अन्य विभाग का सहयोग भी अपेक्षित है उक्त कार्यक्रम में नीति फेलो मनीषा सिंह ,पिरामल फाउंडेशन से स्वाति सुमन आंगनबाड़ी सुपरवाइजर माधुरी सिंह ,सीता राय समेत सभी आंगनवाड़ी उपस्थित रहीं ।

'मेरा प्लास्टिक, मेरी जिम्मेदारी' को मिली नई दिशा

सोनभद्र।रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक के ऊंचडीह ग्राम पंचायत में '2 किलो प्लास्टिक लाओ, इनाम में सेनेटरी पैड पाओ' की अनोखी पहल जनपद को प्लास्टिक मुक्त बनाए जाने और प्लास्टिक प्रबंधन के लिए ग्राम पंचायत अब नए नए मॉडल ईजाद करने लगी है। ग्राम पंचायतें अब प्लास्टिक के प्रबंधन के लिए 'मेरा प्लास्टिक, मेरी जिम्मेदारी' अभियान को सोनभद्र जिले में नई ऊर्जा देते हुए विकास खंड रॉबर्ट्सगंज की ग्राम पंचायत ऊंचडीह में एक अभिनव पहल की शुरुआत की गई है। ग्राम प्रधान अर्चना त्रिपाठी ने महिलाओं और किशोरियों को स्वच्छता और मासिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए यह अभियान शुरू किया है। इस योजना के अंतर्गत गांव की महिलाओं को प्रेरित किया गया कि वे अपने घर पर एक बोरी टांगें घर पर प्रयोग होने वाले प्लास्टिक के बैग, नमकीन के रैपर, गुटका के रैपर, तेल के बोतल/ रैपर, बिस्कुट टॉफी के पन्नी पानी के बोतल इत्यादि प्लास्टिक को उस बोरी में रखिए और अपने घर के आस पास फैले प्लास्टिक को बिन कर इकट्ठा कर बोरी में डालें

जब 2 किलो प्लास्टिक हो जाए तो उसे पंचायत भवन या आरआरसी केंद्र पर जमा करें। इसके बदले उन्हें इनाम स्वरूप एक पैकेट सेनेटरी पैड प्रदान किया जाएगा। ग्राम प्रधान अर्चना त्रिपाठी ने बताया कि'प्लास्टिक हटेगा तो गांव स्वच्छ होगा, और अगर महिलाएं स्वच्छ रहेंगी तो समाज स्वस्थ रहेगा। यह केवल प्लास्टिक प्रबंधन नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण और सम्मान की दिशा में उठाया गया कदम है।' हमारे गांव में महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य एवं उनके आत्म सम्मान के दृष्टिगत प्लास्टिक के बदले सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जाने से उनके स्वास्थ्य में भी सुधार होगा साथ ही गांव में जिस तरह से प्लास्टिक फैल रहा है उसे भविष्य में भूगर्भ जल स्तर के साथ-साथ हमारे पशु पक्षियों को भी नुकसान हो रहा है। प्लास्टिक प्रयोग बंद करने और इसके प्रबंधन के दिशा में भी यह एक कदम है। हम अपने गांव को प्लास्टिक मुक्त करते हुए लोगों को जागरूक करें तथा प्रयोग किए हुए किसी भी तरह के प्लास्टिक को घर से बाहर धरती पर ना आने दें जिससे कि हम अपने जनपद को प्लास्टिक के खतरे से बचा पाएंगे। इस आयोजन में ग्राम पंचायत की आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सहायिका, शिक्षिकाएं तथा अनेक ग्रामीण महिलाएं शामिल हुईं। उपस्थित महिलाओं में अनीता देवी, नीतू सिंह पटेल, सुशीला देवी, सीता देवी, सरिता देवी, रुक्मणी, शांति, आराधना, मुमताज बानो, अर्चना दुबे, पूजा आदि प्रमुख रहीं।अभियान की विशेषताएंः- 2 किलो प्लास्टिक दो, इनाम में सेनेटरी पैड पाओ।

प्लेटफॉर्म वर्कर्स सामाजिक सुरक्षा लाभ के लिए ई-श्रम पोर्टल पर कराए रजिस्ट्रेशन

रायबरेला। सहायक श्रमायुक्त आर0एल0 स्वर्णकार ने बताया है कि अर्थव्यवस्था में प्लेटफार्म वर्कर्स जैसे जोमैटो, स्विग्गी, ओला, ऊबर, रैपिडो, मीशो इत्यादि ऑनलाइन / ऐप के माध्यमो से कार्य करने वाले श्रमिक, की महत्वपूर्ण भूमिका और सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुँच से जुड़ी चुनौतियो को देखते हुये, भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय बजट 2025-26 में प्लेटफार्म वर्कर्स को आच्छादित करने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना के विस्तार की घोषणा की गयी है। प्लेटफार्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा लाभों तक सुगम पहुँच बनाने हेतु उनका रजिस्ट्रेशन करने के लिए भारत सरकार द्वारा विकसित ई-श्रम पोर्टल पर, प्लेटफोर्म वर्कर-रजिस्टर ऑन ई-श्रम का पृथक से लिंक दिया गया है। ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किसी जन-सुविधा केन्द्र के माध्यम से या स्वंय भी किया जा सकता है। ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन पूर्णतः निःशुल्क है। ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाने हेतु आवश्यक अभिलेख निम्नवत है :- श्रमिक का आधार कार्ड नम्बर, श्रमिक का पैन कार्ड नम्बर, आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नम्बर (यदि श्रमिक का मोबाइल नम्बर आधार कार्ड से लिंक नही है तो श्रमिक जन-सुविधा केन्द्र पर बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण द्वारा भी अपना रजिस्ट्रेशन ई-श्रम पोर्टल पर करवाया जा सकता है) ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाने हेतु अर्हता निम्नवत है- 1- श्रमिक की आयु 16 वर्ष से 59 वर्ष के मध्य होनी चाहिये, 2-श्रमिक, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ई.पी.एफ.ओ का सदस्य नही होना चाहिए, 3- श्रमिक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम का सक्रिय सदस्य नही होना चाहिए, 4-प्लेटफार्म वर्कर्स किसी ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से कार्यशील ऐसे श्रमिक जिनकों अनुबंध की शर्तों कि अधीन पारिश्रमिक प्राप्त होता है किन्तु उन श्रमिकों और उनके नियोक्ताओ में कर्मचारी सेवायोजक का कोई पारंपरिक संबंध नही होता है। यह श्रमिक मात्र डिजिटल माध्यम (ऑनलाइन / ऐप) से जुडे होते है।

जन सेवा ही प्रभु सेवा हैः समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल

रायबरेली। जो लोग जरूरतमंदों की सेवा सहायता करते हैं, वे सच्चे समाजसेवी हैं। अपने लिए तो सभी जीते हैं, जो दूसरों की मदद के लिए आगे आते हैं वे सच्चे मानव होते। जनपद रायबरेली के समाजसेवी महेन्द्र अग्रवाल , यशोदा अग्रवाल, आयुषी अग्रवाल द्वारा पोषण पुनर्वास केंद्र जिला अस्पताल में छोटे छोटे नवजात शिशुओं और उनकी माताओं को समय समय पर पोषक चीजों का वितरण किया करते हैं जैसे बच्चों के लिए खिलौने,मूंगफली, भुने चने, दलिया,बिस्किट, फल में जैसे संतरा, केला , सेब आदि।नर सेवा नारायण सेवा को अपना ध्येय लक्ष्य मानकर पुण्य के रास्ते पर चलकर रायबरेली के लोगों को एक सकारात्मक संदेश दे रहे हैं।बाल रोग विशेषज्ञ डॉ ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी जी के निरन्तर दिशा मार्गदर्शन में समय समय पर पोषण पुनर्वास केंद्र में सामाजिक संस्थानों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की गतिविधियां एवं सेवा के कार्य होते रहते है। स्टॉफ नर्स दीप शिखा , अंजली सिंह आदि लोगों के सेवा, सहयोग और देखरेख, मार्गदर्शन से आने वाले कुपोषित बच्चे और उनकी माताएं शीघ्रता से स्वस्थ्य हो जाती हैं।मातृभूमि सेवा मिशन रायबरेली इकाई के संयोजक प्रदीप पांडेय के दिशा मार्गदर्शन में योगाचार्य बृजमोहन ने शिशुओं की माताओं को मानसिक रूप से शांति के लिए गर्मी को देखते हुए आहार विहार दैनिक दिनचर्या , पर्याप्त पानी पीने की सलाह, पार्क घास खुले वातावरण में सुबह टहलने का सुझाव एवं सूक्ष्म क्रियाएं एवं ओम का उच्चारण, भ्रामरी और ब्रम्हनाद और शांति पाठ कल्याण मंत्र के साथ संपन्न हुआ।

करणीय सेना नें राणा सांगा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले सांसद का पुतला किया दहन

ब्योहारी। राज्य सभा सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा 21 मार्च 2025 को राज्य सभा पटल मे महाराणा संग्राम सिंह को गद्दार कहते हुए उनके खिलाफ अभद्र टिप्पणी की गयी जिसे लेकर श्री राजपूत करणी सेना एवं समस्त क्षत्रीय समाज ब्योहारी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा आज दिन मंगलवार को ब्योहारी मे रैली निकाली गयी एवं मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन कर बनसुकली चौराहा मे सांसद का पुतला दहन किया गया है। विरेश सिंह (रिंकू) द्वारा बताया गया कि महाराणा संग्राम सिंह, जिन्हें राणा सांगा के नाम से जाना जाता है। भारतीय इतिहास के योद्धाओं में से एक रहे हैं। वह सिसोदिया वंश के गौरवशाली राजा थे और 1509 से 1527 तक मेवाड़ के शासक रहे। उन्होंने विदेशी

आक्रमणकारियों के विरुद्ध कई युद्ध लड़ा और अपने वीरता व पराक्रम के लिए जाने जाते हैं। उनके योगदान और बलिदान को लेकर देशवासियों की भावनाएँ गहरी रूप से जुड़ी हैं। सांसद रामजी लाल सुमन के इस बयान को राजपूत समाज ने अपनी अस्मिता और सम्मान पर आघात बताया है। जिसके लिये आज राज्यसभा सांसद का पुतला दहन करते हुए कानूनी कार्रवाई किये जाने हेतु महामहिम राजयपाल के नाम तहसीलदार ब्योहारी को मांग पत्र दिया गया है। विरोध प्रर्दशन के दौरान मुख्य रुप से विरेश सिंह रिंकू, ब्योहारी राजपूत करणी सेना अध्यक्ष अशोक सिंह, राजेश सिंह शिकरवार, महेंद्र सिंह, गोल्डी सिंह, रामबहोर तिवारी, शिव प्रताप सिंह, संदीप सिंह, प्रभात सिंह, पुनीत सिंह, सुदीप सिंह, विक्रम सिंह, मंगलेश्वर सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

जलाएं गए दस्तावेज मामले में युवा राष्ट्रीय लोकदल ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

सोनभद्र। बीते मंगलवार दिन ढलने के साथ ही रात्रि के शुरूआत में अचानक से तहसील रावर्ट्सगंज के तीसरी मंजिल पर धुंआ उठना शुरू हुआ, जिससे तहसील परिसर में अफरातफरी मच गई तथा धुआं तेजी से बढ़ने लगा, जहां से 2-3 कर्मचारी कूद कर भागते दिखे। तहसील परिसर के पास से गुजरते हुए युवा राष्ट्रीय लोकदल सोनभद्र जिलाध्यक्ष प्रशान्त विष्णु प्रताप सिंह ने धुंए को देखते ही मौके पर पहुंच कर चौकी इंचार्ज सहित दमकल विभाग को फोन कर सूचना दी, दमकल विभाग ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया। साथ ही जिलाधिकारी महोदय को फोन किया गया तो उन्होंने छुट्टी पर होने की बात कही तथा सीडीओ, एसडीएम, तहसीलदार को फोन किया गया तो कोई रेस्पॉन्स नहीं मिला। कुछ देर बाद सदर तहसीलदार अमित कुमार सिंह मौके पर पहुंचे तो शार्ट सर्किट से आग लगने की बात कह कर बात को टाल दिया गया। किन्तु जब आग लगी तो चैनल अन्दर से बंद था। प्रायः उस समय प्रतिदिन बंद नहीं होता था, तो यह मामला सुनियोजित ढंग से किया गया प्रतीत होता है। इस पर जब युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश सचिव अभय सिंह पटेल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि एक डेढ़ माह पूर्व इसी तरह की घटना विकास भवन में हुई थी, कुछ आवश्यक कागजात को जलाने का विडियो वायरल हुआ था, जिसपर जिला प्रशासन की तरह से न तो जांच की गई और न तो कोई कार्रवाई हुई, इसी तरह कल नया मामला तहसील परिसर में देखने को मिला। जिस पर श्री पटेल ने मुख्यमंत्री से ट्वीट के माध्यम से तथा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी सोनभद्र को देकर दोनों मामलों में सीबीआई जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। जिससे पुनः भविष्य में इस तरह की घटनाओं को होने से रोका जा सके। इस मौके पर रालोद जिलाध्यक्ष रामसेवक पटेल, युवा रालोद जिलाध्यक्ष प्रशान्त विष्णु प्रताप सिंह, युवा जिला उपाध्यक्ष नीरज सिंह, पूर्वांचल नव निर्माण छात्र मंच के प्रदेश अध्यक्ष निर्भय सिंह, रालोद घोरावल विधानसभा प्रभारी रोहित सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता सूर्यकांत द्विवेदी, संतोष यादव, सुरेंद्र जायसवाल समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिवद्वार धाम में ताड़का वध कि लीला का किया गया मंचन

घोरावल/सोनभद्र। स्थानीय तहसील में स्थित शिव पार्वती मंदिर शिवद्वार धाम में स्थित रामलीला मंच पर श्री शंकर रामलीला समिति के

देख रेख में चल रहे रामलीला के मंचन के दूसरे दिन तड़का बध कि लीला का मंचन हुआ जिसमे काफी संख्या में स्थानीय क्षेत्रवासियो ने लीला का आनन्द उठाये बताते चले कि तड़का बध का लीला में मारीच दरबार में किरदार कर रहे राजू शुक्ला ,सूर्यकांत दुबे,प्रवीण तिवारी,शिवम मिश्रा,गणेश विश्वकर्मा ,तड़का का पाठ नंद कुमार मिश्र एड वही नाटक प्रस्तुति में अहम किरदार नंद कुमार दुबे,जगदीश मिश्र एवं शिवशंकर सिंह ने निभाई दर्शक लीला देखकर अत्यंत प्रसन्नचित होकर मीठे मीठे शब्दो से जय श्री राम के नारे लगाकर तालिया बजाकर मंचन कर रहे पत्रों का स्वागत एवं अभिवादन किए श्री शंकर रामलीला समिति के अध्यक्ष श्रीकांत दुबे ,श्यामविहारि, आशा ,सुनील,दिनेश आदि लोगो द्वारा पारपोसीत सहयोग राशी नाटक, मारीच दरबार,सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुती पर प्रसन्न होकर भेट किए प्रमुख बात ये भी है कि परम्परागत रूप से चल रहे भगवान के रामलीला में स्वद श्यामधर मिश्र , यमुना प्रसाद मिश्र, लालबहादुर शर्मा,गुड्डू विश्वकर्मा,बुलबुल,अंगद विश्वकर्मा आदि लोगो ने बहुत लंबे समय से रामलीला के कार्यभार,प्रबंधन एवं संचालन के अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में सेवा अर्पित किए पंडित स्वद श्यामधर मिश्र के अविस्मरणीय योगदान एवं सेवा को श्री शंकर रामलीला समिति हमेशा स्मरण करती रहेगी तड़का बध लीला के मंचन के दौरान श्रीकांत दुबे,रविंद्र कुमार मिश्र,कृष्ण कांत दुबे ग्राम प्रधान बैजनाथ,सियाराम प्रधान सत्तद्वारी,श्याम बिहारी मेजर थल सेना, किशोर दयालु, बीएन शुक्ला ,सच्चितानंद समेत आदि लोग उपस्थित रहे।

पीड़ितों के एप्लीकेशन की जांच कर तत्काल करें करवाईःडीएम

सभी थानों पर आयोजित किया गया 'थाना समाधान दिवस'

सोनभद्र। जनपद के समस्त थानों पर 'थाना समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित समाधान दिवस के अवसर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके। इसी क्रम में समस्त राजपत्रित अधिकारी व थाना प्रभारी द्वारा सम्बन्धित थानों पर थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर कुछ का मौके पर निस्तारण किया गया तथा कुछ के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया ।इस दौरान थाना प्रभारी सत्येंद्र राय,चौकी प्रभारी संजय सिंह,संतोष सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

महायज्ञ एव श्रीमद्भागवत कथा संगीतमय कार्यक्रम

डाला सोनभद्रः कोटा ग्राम पंचायत के कोटा खास बाजार में सात दिवसीय श्री पंचाग्नि महायज्ञ एव श्रीमद्भागवत कथा संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन समिति अध्यक्ष अनिल जायसवाल ने नेतृत्व में किया गया जिसमें मंगलवार को सुबह नौ बजे कनहर नदी से जल उठाकर कलश यात्रा प्रारम्भ कर घनश्याम बाबा होते हुए कोटा खास बाजार में स्थित यज्ञ मंडप तक जय कारे के साथ पहुंच कर कलश यात्रा संपन्न हुआ इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया वहीं इस अवसर पर अमरेश उपाध्याय अनिल जायसवाल विकास जायसवाल संतोष जायसवाल कन्हैया कनौजिया आकाश उपाध्याय लोवकेश प्रजापति कमलेश प्रजापति हृदय नारायण तिवारी महेंद्र त्रिपाठी आशीष जायसवाल करमचंद जायसवाल ने सामुहिक रूप से बताया कि कोटा खास बाजार में सात दिवसीय श्री पंचाग्नि महायज्ञ एव श्रीमद्भागवत कथा संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 8 अप्रैल से 14 अप्रैल तक आचार्य आत्मा दास जी महाराज द्वारा होना सुनिश्चित हुआ है जिसका प्रारंभ कलश यात्रा के साथ किया गया

रॉबर्ट्सगंज में दो बाइक की भिड़ंत एक युवक की मौत, दो अन्य घायल

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। कम्हारी गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई।बहुवर गांव निवासी 21 वर्षीय आकाश पुत्र अनिल सोमवार की देर रात अपने दोस्त के साथ बाइक से घर लौट रहा था। कम्हारी गांव के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी टक्कर हो गई। इस हादसे में आकाश की मौके पर ही मौत हो गई। उसके साथ मौजूद दोस्त को गंभीर चोटें आईं। दूसरी बाइक पर सवार युवक को मामूली चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल भेज दिया। मंगलवार दोपहर को मृतक का पोस्टमॉर्टम किया गया। आकाश तीन बहनों का इकलौता भाई था।

छात्र संगठनः एनएसयूआई ने मनाया 55वां स्थापना दिवस

सोनभद्र। एनएसयूआई ने मनाया 55वां स्थापना दिवस मनाते एनएसयूआई के पदाधिकारी एवं अन्य छात्र। भारतीय राष्ट्र छात्र संगठन (एनएसयूआई) के सोनभद्र के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता के नेतृत्व छात्र संगठन का 55वां स्थापना दिवस मनाया गया। मौके पर छात्र संगठन एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष अंशु गुप्ता ने कहा कि आज के ही दिन 9 अप्रैल 1971 ई में छात्र संगठन एनएसयूआई का इंदिरा गांधी के द्वारा छात्रों को एकता में बांधने के लिए स्थापना किया था। तब से छात्र संगठन विद्यार्थियों की हर समस्या में साथ खड़ा होकर काम करते आ रहा है।

मिर्जापुर विंध्यधाम में पार्किंग बनाने पे खर्च होंगे 33 करोड़ रुपए

सुविधाओं में बढ़ोतरी की जाएगी. ताकि दूर से आने वाले भक्तों को परेशानी न हो

मिर्जापुर। यूपी के मिर्जापुर में विंध्य कॉरिडोर बनने के बाद पार्किंग की सबसे बड़ी समस्या हो गई है लगभग रोज ही पार्किंग की समस्या से दो चार होना पड़ता. पार्किंग बन जाने के बाद समस्या नहीं होगी. इसके अलावा धाम में अभी भी भक्तों को लिफ्ट और गोल्फ कार्ट जैसी सुविधाओं का लाभ मिल रहा है. आगे सुविधाओं में इजाफा किया जाएगा.मिर्जापुर जिले में स्थित मां विंध्यवासिनी धाम में 33 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है. यात्रियों के लिए धाम में सुविधाओं में बढ़ोतरी की जाएगी. ताकि दूर से आने वाले भक्तों को परेशानी न हो. विंध्य कॉरिडोर बनने के बाद पार्किंग की सबसे बड़ी समस्या हो गई है. आए दिन पार्किंग को लेकर दिक्कत होती है. पार्किंग बन जाने के बाद समस्या

नहीं होगी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धाम के कायाकल्प के साथ ही चहुमुखी विकास पर ध्यान दे रहे हैं. यही वजह है कि पूरे धाम की तस्वीर बदल गई है.मां विंध्यवासिनी धाम में भक्तों की सुविधा के मद्देनजर मंदिर जाने वाले दो मार्गों पर शेड लगाए जाएंगे. न्यू वीआईपी और कोतवाली मार्ग से सबसे ज्यादा भक्त दर्शन करते हैं. उनकी सुविधा के मद्देनजर 40 लाख रुपए से शेड लगाया जाएगा. इससे बारिश हो या धूप किसी भी मौसम में भक्तों को परेशान नहीं होना पड़ेगा. यात्री शेड के साथ ही मंदिर जाने वाले सभी मार्गों पर 33 करोड़ की लागत से पार्किंग बनाई जाएगी. यहां पर 2 पहिया से लेकर 4 पहिया वाहन पार्क कर सकेंगे.धाम की व्यवस्था की देख-रेख करने वाली विंध्य तीर्थ विकास परिषद के कार्यालय का निर्माण कराया जाएगा. इसके लिए 25 करोड़ रुपये खर्च होंगे. प्रस्ताव मंजूर होने के बाद जल्द काम शुरू किया जाएगा. कार्यालय बन जाने के बाद तीनों मंदिरों की व्यवस्था की मॉनिटरिंग एक ही जगह से हो सकेगी. धाम के कॉरिडोर परिसर में भक्तों की सुविधा के लिए लिफ्ट की सुविधा की गई है. टेस्टिंग के बाद भक्त लाभ उठा सकेंगे.डीएम प्रियंका निरंजन ने बताया कि मां के धाम में आने वाले समय में काफी सुविधाएं भक्तों को मिलेंगी. पार्किंग के साथ ही यात्री शेड व अन्य प्रस्ताव पर जल्द ही काम शुरू कराया जाएगा. धाम में अभी भी भक्तों को लिफ्ट और गोल्फ कार्ट जैसी सुविधाओं का लाभ मिल रहा है. आगे सुविधाओं में काफी इजाफा किया जाएगा.

हिंदू तिलक पर तमिलनाडु मंत्री का अश्लील कमेंट

डी.एम.के ने पोनमुडी को पार्टी पद से हटाया, कनिमोझी ने कहा

नई दिल्लीः तमिलनाडु के वन मंत्री के पोनमुडी का आपत्तिजनक बयान सामने आया है। पोनमुडी ने हिंदू तिलक पर कमेंट किया है। पोनमुडी का यह बयान वायरल हो रहा है। इसके चलते उनकी पार्टी डी.एम.के ने उन्हें उपमहासचिव पद से हटा दिया है। पोनमुडी के बयान पर पार्टी सांसद कनिमोझी ने भी ऐतराज जताया। कनिमोझी ने कहा कि पोनमुडी का हाल का भाषण किसी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह निंदनीय है। अश्लील कमेंट्स की समाज में कोई जगह नहीं है। पोनमुडी कहते सुनाई दे रहे हैं- महिलाएं, प्लीज इसे मत समझिएगा। इसके बाद पोनमुडी ने एक मजाकिया लहजे में बात कही। उन्होंने बताया कि एक आदमी सेक्स वर्कर के पास गया। महिला ने आदमी से पूछा कि वह शैव है या वैष्णव। पोनमुडी ने आगे कहा- वह आदमी नहीं समझा तो महिला ने उससे पूछा कि क्या वह पट्टई (आड़ा तिलक, जो शैव लगाते हैं) लगाता है या नामम (सीधा तिलक, जो वैष्णव लगाते हैं) लगाता है। महिला उसे समझाती है कि अगर आप शैव हैं तो

स्थिति लेटी हुई है। अगर वैष्णव हैं तो खड़ी स्थिति हुई।भाजपा के आई.टी सेल के मुखिया अमित मालवीय ने इसे हिंदू धर्म पर डी.एम.के का हमला करार दिया। सनातन धर्म पर उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी का हवाला देते हुए मालवीय ने कहा, 'चाहे वह डी.एम.के हो, कांग्रेस हो, टी.एम.सी हो या आर.जे.डी हो, इंडिया इंडिया गठबंधन के सदस्य विचारधारा से नहीं बल्कि हिंदू मान्यताओं का अपमान करने के लिए एकजुट दिखते हैं। वहीं, अभिनेत्री और भाजपा नेता खुशबू सुंदर ने एक्स पोस्ट में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को टैग करते हुए पूछा, 'क्या आपमें उन्हें (पोनमुडी) उनकी पद से हटाने की हिम्मत है? आपको और आपकी पार्टी को महिलाओं और हिंदुओं का अपमान करने में सुख मिलता है? क्या मंदिर जाने वाली आपके घर की महिलाएं इस अपमान को स्वीकार करती हैं।' सिंगर चिन्मयी श्रीपदा ने लिखा- यह हम पर एक मजाक है। कोई न कोई देवी, देवता या भगवान जरूर होगा, जो इसे सजा देगा।इससे पहले पोनमुडी को आय से अधिक संपत्ति से जुड़े एक मामले में सजा के बाद मंत्रिमंडल से हटाया जा चुका है। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट के उनकी सजा पर रोक लगाने के बाद उन्हें फिर से मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया गया था। हालांकि, हालिया मामले में उन्हें अभी तक मंत्री पद से हटाया नहीं किया गया है।

करणी सेना के अध्यक्ष बोले-सपा सांसद राष्ट्रद्रोही, घर पर बुलडोजर चले

आगराः सपा सांसद रामजीलाल सुमन के राणा सांगा को लेकर बयान के बाद विवाद बढ़ता जा रहा है। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत इन दिनों आगरा में डेरा डाले हैं। उन्होंने दावा किया कि 12 अप्रैल को देशभर से 3 लाख लोग आगरा में सांसद के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के लिए उतरेंगे। शेखावत की मांग है कि सांसद की सदस्यता रद्द की जाए। वह राष्ट्रद्रोह के अपराधी हैं, उन पर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज हो। उनके घर पर बुलडोजर चलाया जाए। सरकार और प्रशासन 12 अप्रैल को शाम 5 बजे तक हमारी मांगें नहीं मानता, तो हम अपनी ताकत दिखाने को मजबूर होंगे। हमें न्याय लेना आता है। 12 अप्रैल को महाराजा राणा सांगा की जयंती पर रक्त स्वाभिमान सम्मेलन करने का निर्णय लिया है। आगरा के कुबेरपुर स्थित गढ़ी रामी में यह आयोजन होगा।

टॉप-सीक्रेट मिशन के तहत भारत लाया गया आतंकी तहव्वुर राणा

नयी दिल्लीः 2008 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड 64 साल के तहव्वुर राणा को 10 अप्रैल को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया। राणा का प्रत्यर्पण टॉप-सीक्रेट मिशन 'ऑपरेशन राणा' के तहत हुआ। ऑपरेशन के दौरान जब राणा को अमेरिका से फ्लाइट में भारत लाया जा रहा था, जब एन.आई.ए का एक अधिकारी पूरे रास्ते उसका हाथ पकड़कर बैठा रहा। ऐसा इसलिए ताकि तहव्वुर राणा खुद को कोई नुकसान न पहुंचा सके। राणा अभी 18 दिन की एन.आई.ए कस्टडी में है, जहां उससे पूछताछ की जाएगी। भारत लाए जाने के बाद उसे दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया था। जहां एन.आई.ए ने उसकी कस्टडी मांगी थी। राणा ने मुंबई 26/11 अटैक के मुख्य आरोपी डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी। 26 नवंबर 2008 को मुंबई में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने हमले किए। ये हमले चार दिनों तक चले। इन हमलों में

कुल 175 लोग मारे गए, जिनमें 9 हमलावर भी शामिल थे और 300 से अधिक लोग घायल हुए। प्रत्यर्पण में राष्ट्रीय जांच एजेंसी एन.आई.ए के सामने एक और बड़ी चुनौती थी, वह थी ऑपरेशन राणा की भनक पाकिस्तान स्थित आतंकवादी गुटों को न लगने देना। इस मिशन के लिए भारतीय-अमेरिकी खुफिया एजेंसियों, एयर ट्रैफिक कंट्रोल यूनिट ने फ्लाइट पर रियल टाइम नजर बनाए रखी, ताकि किसी भी मूवमेंट को आसानी से ट्रैक कर सकें। जांच एजेंसी एन.आई.ए और खुफिया एजेंसी रॉव की एक जॉइंट टीम 9 अप्रैल को राणा को लेकर अमेरिका से रवाना हुई थी। 9 अप्रैल की शाम करीब 6:30 बजे राणा को लेकर अमेरिकी गल्फस्ट्रीम जी550 विमान दिल्ली के पालम टेक्निकल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ था। जहां उसका मेडिकल चेकअप हुआ, इसके बाद उसे सीधे एन.आई.ए हेडक्वार्टर ले जाया गया। दिल्ली में सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए गए थे। राणा को लाने से पहले सभी कर्मचारियों के मोबाइल फोन जमा कर लिए गए थे। जिससे कोई भी सूचना बाहर न जा सके। मीडिया से बचने के लिए, राणा को दूसरे गेट से हवाई अड्डे के बाहर लाया गया। उसे जेल वैन में ले जाया गया। बाद में राणा को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां कैमरों और मोबाइल फोन पर बैन था। तहव्वुर राणा की दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 18 दिन की एन.आई.ए की कस्टडी में भेज दिया।

एजेंसी ने आतंकी हमलों को अंजाम देने में राणा की भूमिका की जांच करने के लिए कोर्ट से 20 दिन की रिमांड मांगी थी। स्पेशल एन.आई.ए जज चंद्रजीत सिंह ने बंद कमरे में मामले की सुनवाई की और 10 अप्रैल की देर रात 2 बजे फैसला सुनाया।एन.आई.ए ने पटियाला हाउस कोर्ट में जब तहव्वुर राणा की कस्टडी मांगी तो कहा कि उससे पूछताछ जरूरी है। एन.आई.ए ने कहा कि मुंबई हमले की साजिश का पर्दाफाश करने के लिए हिरासत में लेकर पूछताछ करनी होगी।

संविदा हेलफर व ड्राइवरों की भर्ती में संगठित गिरोह युवाओं कर रहे अवैध वसूली

सोनभद्र। .एन सी एल की खड़िया कोयला परियोजना में ओवरबर्डेन हटाने का काम कर रही निजी कंपनी कलिंगा में लगभग एक हजार संविदा हेल्फर और ड्राइवरों की भर्ती चल रही है जिसमें संरक्षण प्राप्त संगठित गिरोह मनमाने तरीके से युवाओं से मोटी रकम लेकर बिना किसी गाइड लाइन के भर्ती कराने के खेल में मशगूल है जिसमें अपने अपने निजी कोटा के नाम पर भर्ती कराकर करोड़ों का खेल जारी है जिसमें संरक्षण देने वालों में बड़े बड़े लोग शामिल हैं और उसके साथ ही सोनांचल के आदिवासियों, मूलनिवासियों युवकों की घोर अनदेखी की जा रही है यह आरोप लगाते हुए सोनांचल संघर्ष वाहिनी दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट रोशन लाल यादव ने कहा कि एन सी एल की बीना, कृष्ण शीला, दुद्धी चूआ और खड़िया कोयला परियोजनाओं में वर्ष 2017 से लगातार सोनांचल संघर्ष वाहिनी यहां के विस्थापित, लोकल और प्रभावित युवकों को निजी कोयला कंपनियों में संविदा कर्मचारियों की भर्ती को लेकर गाइड लाइन बनाने और नियमानुसार 80इ इन्हीं की भर्ती सुनिश्चित करने के लिए दर्जन बार से ऊपर आंदोलन चला चुकी है लेकिन इन संगठित संरक्षण प्राप्त गिरोह के इस बड़े खेल के आगे सोनांचल के बेरोजगारों की दर्दनाक पीड़ा कोई नहीं सुन रहा है नियमित रूप से दर्जनों बार उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री को पत्रों और ज्ञापन के जरिए इस गम्भीर धांधली को रोकने के लिए हस्तक्षेप करने की गुहार किया लेकिन सोनांचल के बेरोजगारों की घोर उपेक्षा थम नहीं रही है और संगठित लोग बाहरी युवाओं से मोटी रकम लेकर गैरकानूनी तरीके से धड़ल्ले से भर्ती कराकर करोड़ों का खेल खेल रहे हैं जिसकी उच्च स्तरीय जांच कराया जाना सोनांचल के बेरोजगारों के हित में होगा, परन्तु कोई भी सुनने वाला नहीं है।।सोनांचल के बेरोजगारों के हितों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं होगा। रोशन लाल यादव ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर गाइड लाइन बनकर कलिंगा कंपनी भर्ती नहीं करती है तो सोनांचल संघर्ष वाहिनी समूचे उर्जांचल में उपेक्षित सोनांचल के बेरोजगारों की आवाज़ उठाने के लिए अनपरा थाना चौक से खड़िया जी एम गेट तक पद यात्रा कर इसके विरोध में खड़िया कोयला परियोजना जी एम को ज्ञापन सौंप कर गाइड लाइन बनाकर भर्ती करने और गैर कानूनी तरीके से हुई भर्ती को निरस्त करने की मांग करेगी।।

जल का महत्व बताने के लिए लगाई गई चौपाल

शहडोल 12 अप्रैल 2025- जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आज बुढार ब्लॉक के केशौरी ग्राम में चौपाल लगाई गई तथा श्रमदान क्रिया गया। चौपाल में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पांडेय द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के विषय में विस्तार से जानकारी दिया गया, जल को किस प्रकार से संरक्षित करके उपयोग में लाया जा सकता है इसके तरीकों को बताया गया और इसके लिए ग्राम वासियों से चर्चा किया गया, पीने योग्य जल कितनी मात्रा में है इसकी जानकारी दिया गया। साथ ही बताया गया कि ग्राम में स्थित कुआं, तालाब हैंडपंप के जल स्तर को कैसे बढ़ाया जा सकता है व बारिश के जल को किस प्रकार से संचय करके जल स्तर को अच्छा किया जा सकता है,पेयजल की सुविधा के लिए मटके रखे गए।

पति के टुकड़े करने वाली मुस्कान डेढ़ महीने की प्रेग्नेंट

हाई सिक्योरिटी में हुआ अल्ट्रासाउंड

मेरठ:मेरठ में सौरभ हत्याकांड की आरोपी मुस्कान 5-7 हफ्ते की प्रेग्नेंट है। शुक्रवार सुबह उसे कड़ी सुरक्षा के बीच लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज लाया गया। हाई सिक्योरिटी में मुस्कान का अल्ट्रासाउंड कराया गया। वह करीब 2 घंटे जेल से बाहर रही। वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने बताया- जिला जेल के महिला बैरक की दो कैदियों को चेकअप और कुछ टेस्ट के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया था। मुस्कान और संगीता दोनों का अल्ट्रासाउंड कराया गया। जिसमें मुस्कान डेढ़ महीने और संगीता 3 महीने की प्रेग्नेंट मिली हैं।19 मार्च से मुस्कान जिला जेल में बंद है। आज 20 दिन बाद मुस्कान जेल से बाहर निकली। उसने जेल से बाहर का माहौल देखा। 2 अप्रैल को मुस्कान बैरक से बाहर जेल के वीसी रूम तक गई थी। जहां उसकी पेशी हुई थी। इस दौरान वो करीब 20 मिनट बैरक से बाहर थी। इसके बाद आज जेल से बाहर आई।जेल प्रशासन और पुलिस मुस्कान की सिक्योरिटी को लेकर अलर्ट है। इसलिए उसे कड़ी सुरक्षा के बीच बहुत ही खामोशी से चेकअप के लिए लाया है। डर था कहीं वकीलों

की तरह आज डॉक्टर या जनता उस पर हमला न कर दे। मेडिकल कॉलेज में करीब 2 घंटे तक उसके तमाम चेकअप हुए। अल्ट्रासाउंड की रिपोर्ट तुरंत मिल गई। जबकि कुछ टेस्ट की रिपोर्ट अभी बाकी हैं। इस दौरान स्थानीय मेडिकल थाना पुलिस और लोकल पुलिस मौके पर तैनात रही। पूरी सिक्योरिटी के बीच मुस्कान का चेकअप कराया गया।भारतीय कानून के अनुसार, गर्भवती महिलाओं को विशेष परिस्थितियों में जमानत दी जा सकती है। उदाहरण के लिए दिल्ली और बॉम्बे हाई कोर्ट ने ऐसे मामलों में मानवीय आधार पर जमानत दी है। कोर्ट ने ये माना है कि जेल में बच्चे को जन्म देना मां और बच्चे दोनों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। साहिल और मुस्कान ने 2 अप्रैल को एक दूसरे को देखा था। ये मुलाकात जेल के वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम में हुई थी। जेल सूत्रों के मुताबिक, साहिल को देखते ही मुस्कान रो पड़ी थी। करीब 15 मिनट तक दोनों वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम में रहे। मुस्कान और साहिल एक दूसरे से बात करना चाहते थे। हालांकि, जेल वॉर्डन ने दोनों को बातचीत नहीं करने दी।ऑनलाइन पेशी के दौरान जज ने पहले मुस्कान फिर साहिल का नाम पूछा। फिर कुछ सवाल किए। इसके बाद कोर्ट ने 14 दिन यानी 15 अप्रैल तक दोनों की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी। फिर मुस्कान को महिला बंदियों और साहिल को पुरुष बंदियों की बैरक में भेज दिया गया था।मेरठ पुलिस ने सौरभ हत्याकांड की चार्जशीट लगभग तैयार कर ली है। अधिकारियों के मुताबिक, चार्जशीट अगले सप्ताह कोर्ट में पेश कर दी जाएगी। केस डायरी में पुलिस ने लिखा- हत्या के पीछे की वजह तंत्र क्रिया नहीं थी। इसे साहिल और मुस्कान के लव अफेयर की वजह से अंजाम दिया गया।पुलिस को साक्ष्य मिले हैं कि मुस्कान पहले भी साहिल के साथ भाग चुकी है। ऐसे में सौरभ ने तय कर लिया था कि वह मुस्कान को तलाक दे देगा। तब दोनों के परिवारों ने ही पंचायत कराई थी। पुलिस ने केस डायरी में मुस्कान और साहिल को बराबर का दोषी माना है।3 मार्च को मुस्कान ने पति सौरभ राजपूत की प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने ही घर में हत्या कर दी थी। हत्या के बाद 4 मार्च को सौरभ की लाश को चार टुकड़ों में काटा। फिर शव के टुकड़े नीले ड्रम में रख ऊपर से सीमेंट का घोल डालकर सील कर दिया था। इसके बाद मुस्कान-साहिल 4 मार्च की शाम उत्तराखंड, हिमाचल घूमने चले गए। जहां से 17 मार्च को वापस लौटे थे। इस बीच पूरे समय दोनों साथ में रहे। शादी कर ली और हनीमून मनाया। यह बच्चा सौरभ, साहिल या फिर किसी तीसरे का है। इसके लिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा।

मासूम को सड़क पर पटकने वाले पिता पर मुकदमा दर्ज़

गोरखपुर: गोरखपुर में अपने डेढ़ साल के बेटे को सड़क पर पटकने वाले आरोपी पिता आकाश पासवान पर अब मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। ये घटना बीते बुधवार की है, लेकिन पीड़िता की ओर से तहरीर देने के बाद पुलिस ने आकाश, उसकी मां देवंती देवी और पिता कृष्ण कुमार पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और हत्या के प्रयास की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना बुधवार सुबह की है जब आकाश की पत्नी बबिता पासवान अपने साथ हुई मारपीट की शिकायत लेकर एम्स थाने पहुंची थी। बबिता का आरोप है कि उसके पति और सास ने सुबह घर पर उसकी पिटाई की थी। इसके बाद जब वह थाने शिकायत देने आई तो दोनों आरोपी भी वहां पहुंच गए। थाने के बाहर आकाश ने बच्चे को दादी के पास ले जाने का बहाना बनाया और थाने से बाहर ले जाकर उसे सड़क पर पटक दिया। इस हमले में बच्चे के सिर की हड्डी टूट गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों की मदद से घायल बच्चे को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां आईसीयू

छोटी बच्ची से रेपः- हत्या के दोषी को फांसी

जज ने फैसले में कविता लिखी- मैं चीखती थी, चिल्लाती थी, किसी ने सुना नहा

सिवनी मालवाः म.प्र के सिवनी मालवा में घटना 2 जनवरी की है।

-तबस्सुम खान
विशेष न्यायाधीश

रात करीब 9 बजे आरोपी अजय ने बच्ची का अपहरण किया। परिवार ने पूरे गांव में तलाश किया, लेकिन बच्ची नहीं मिली। पुलिस ने जांच के दौरान अजय को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि झाड़ियों में ले जाकर बच्ची से दुष्कर्म किया। जब वह चिल्लाई तो मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी। शव को झाड़ियों में फेंक दिया था।13 जनवरी को कोर्ट में इस मामले में चालान पेश किया गया था। 88 दिन सुनवाई चली। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में 39 गवाह पेश किए। सभी ने घटना की पुष्टि की। साथ ही 96 दस्तावेज और 33 सबूत पेश किए गए। डीएनए रिपोर्ट भी सकारात्मक आई। विशेष लोक अभियोजक मनोज जाट ने शासन का पक्ष रखा। कोर्ट ने सभी सबूतों के आधार पर आरोपी को दोषी पाया। सिवनी मालवा में 6 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। आरोपी उसे सोते समय घर से उठाकर जंगल ले गया और गलत काम किया। इसके बाद शव नहर किनारे फेंक दिया। शुक्रवार अल सुबह 3 बजे उसका शव पड़ा मिला। गुस्साए परिजन और आदिवासी समाज के लोगों ने सुबह चौराहे पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। दो घंटे तक प्रदर्शन चलता रहा। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। लोग आरोपी को फांसी देने की मांग करते रहे। मौके पर पुलिस बल तैनात रहा।प्रदर्शन की सूचना मिलते ही एसडीएम सरोज सिंह परिहार, एसडीओपी राजू रजक और थाना प्रभारी अनूप सिंह उइके घटनास्थल पर पहुंचे। एसडीएम परिहार ने गुस्साए लोगों को समझाइश दी। इसके बाद स्टाम्प पर थाना प्रभारी अनूप सिंह उइके ने लिखित में दिया कि 10 दिन में न्यायालय में चालान पेश कर मामले को

फास्ट ट्रैक कोर्ट मे चलाया जाएगा। तब जाकर परिजन माने। पुलिस ने आरोपी अजय धुर्वे (30) को गिरफ्तार कर लिया है।बच्ची के परिजन ने बताया कि आरोपी का नाम अजय धुर्वे है। वह ग्राम खारदा का रहने वाला है। वह खेत पर काम करता था। रात में बच्ची मां के पास सो रही थी। आरोपी उसे उठाकर ले गया था। रेप के बाद हत्या कर दी और शव फेंक दिया। पुलिस ने शव बरामद किया और पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बच्ची के साथ रेप और हत्या की पुष्टि हुई है।

रूस पहुंचे डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत विटकॉफ

मॉस्कोः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की है। यह मीटिंग शुक्रवार को सेंट पीटर्सबर्ग की प्रेसीडेंट लाइब्रेरी में हुई। क्रेमलिन की ओर से मीटिंग के बाद जारी बयान में कहा गया है कि बातचीत का मुख्य विषय यूक्रेन में शांति स्थापित करने पर चर्चा करना था। रूस की मीडिया ने दावा किया है कि यह बातचीत चार घंटे से ज्यादा समय चली। विटकॉफ के रूस के इस दौरे के बाद माना जा रहा है कि अब डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात भी हो सकती है।पुतिन-विटकॉफ की मुलाकात के बाद क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि ट्रंप और पुतिन के बीच भविष्य में आमने-सामने की मीटिंग पर चर्चा हुई है। हालांकि पेस्कोव ने विटकॉफ-पुतिन की बातचीत से बहुत उम्मीद नहीं जताई है। उन्होंने रूसी मीडिया को बताया कि यु.एस दूत की यात्रा ऐतिहासिक नहीं होगी और इससे कोई बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सेना जे.सी.ओ शहीद

किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों ने जैश के 3 आतंकी मार गिराए

जम्मूः जिले के अखनूर में शनिवार को आतंकवादियों से मुठभेड़ में सेना का जे.सी.ओ शहीद हो गया है। अखनूर के केरी बट्टल इलाके में शुक्रवार देर रात एनकाउंटर शुरू हुआ था। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरा हुआ है। वहीं, शुक्रवार को किश्तवाड़ जिले के घने जंगलों में एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने शुक्रवार देर रात तक 3 आतंकियों को मार गिराया। ऑपरेशन रात से चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के हैं। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल है। इससे पहले 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात जम्मू में एल.ओ.सी पर आरएस पुरा सेक्टर पर बी.एस.एफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था। वहीं, 1 अप्रैल को एल.ओ.सी पर सेना के एनकाउंटर में 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मारा गया था। घटना पुंछ में एल.ओ.सी पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई थी। 1 अप्रैल को एल.ओ.सी से सटे इलाके में 3 माइन ब्लास्ट हुए और पाकिस्तान की ओर से फायरिंग भी हुई थी। दावा है कि इसी समय आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सेना ने जवाबी फायरिंग की थी। जिसमें 4 से 5 घुसपैठियों मारे गए। फायरिंग और ब्लास्ट को लेकर सेना से दैनिक भास्कर ने बात की। सेना ने कहा- एक अप्रैल को एल.ओ.सी के उस पार से पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की। इसके कारण

कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन ब्लास्ट हुआ। पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के फायरिंग की और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया।'सेना ने कहा- हमारे सैनिकों ने फायरिंग का जबाव दिया। स्थिति नियंत्रण में है और इस पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। भारतीय सेना एल.ओ.सी पर शांति बनाए रखने के लिए साल 2021 के डीजीएसएमओ समझौते को बनाए रखने की अपील करती है। इधर कठुआ में सुरक्षाबलों ने आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। राजौरी जिले में सुंदरबनी के सिया बदराई इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान तलाया गया। यह इलाका बॉर्डर से सटा हुआ है। जून 2024 में आतंकियों ने यहां पर शिव खोरी से लौट रही बस पर हमला किया था।बीते 20 दिनों में कठुआ में सुरक्षाबलों की आतंकियों तीन मुठभेड़ हुई हैं। पहली मुठभेड़ 23 मार्च को हीरानगर सेक्टर में हुई थी। सुरक्षाबलों को जैश-ए-मोहम्मद के प्रॉक्सी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट से जुड़े 5 आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी, लेकिन वे भागने में कामयाब रहे थे। 28 मार्च दूसरी बार मुठभेड़ हुई। जिसमें 2 आतंकी मारे गए थे। इस दौरान स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के 4 जवान तारिक अहमद, जसवंत सिंह, जगबीर सिंह और बलविंदर सिंह शहीद हुए थे। इनके अलावा डी.एस.पी धीरज सिंह समेत तीन जवान घायल हुए थे। उनका इलाज जारी है।31 मार्च की रात कठुआ में पंजतीर्थी मंदिर के पास तीसरी मुठभेड़ हुई। तीन आतंकियों के इलाके में छिपे होने की सूचना मिली। एक आतंकी के मारे जाने की भी बात सामने आई, लेकिन आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई।सेना के राइजिंग स्टार कॉर्प्स के मुताबिक 31 मार्च की रात इलाके में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली थी, जिसके बाद सेना ने राजबाग के रुई, जुथाना, घाटी और सान्याल के जंगली इलाकों के साथ-साथ बिलावर के कुछ हिस्सों में सर्च ऑपरेशन अभियान चलाया था।पंजतीर्थी में आतंकियों की तरफ से फायरिंग के बाद एनकाउंटर शुरू हुआ था। सुरक्षाबलों ने रातभर इलाके की घेराबंदी की, ताकि जंगल में छिपे 3 आतंकी भाग न सकें। कश्मीर पुलिस, एन.एस.जी, सी.आर.पी.एफ और बी.एस.एफ स्निफर डॉग्स और ड्रोन की मदद से आतंकियों की तलाश कर रही है।एक दिन पहले 30 मार्च को डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने कहा था- ऑपरेशन तब तक जारी रहेगा जब तक आखिरी आतंकी मारा नहीं जाता।

'मोदी-योगी चाहें तो नेपाल हिंदू राष्ट्र बन सकता है', लोग बोले- राजा भी जरूरी

नेपालः नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर के सामने बाबा गंगादास अक्सर बैठे मिल जाते हैं। सिर पर लंबी जटाएं, चेहरे पर दाढ़ी, बदन पर सिर्फ एक कपड़ा। मंदिर के बाहर एक शिला पर बैठे बाबा गंगादास मामूली शख्स नहीं हैं। ये नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के गुरु की तरह हैं। बाबा गंगादास कहते हैं, 'राजा भी यही सोचते हैं कि नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र होना चाहिए। फिर सब ठीक हो जाएगा। अभी देश में धर्म की हानि हो रही है। ऐसे समय में धर्म को बढ़ाया जाना चाहिए। हिंदू राष्ट्र के लिए राजा का आना जरूरी है, उनके बिना हिंदू राष्ट्र टिक नहीं सकता।' नेपाल में राजशाही की वापसी के लिए आंदोलन चल रहा है। नेपाल में राजशाही से भी बड़ी मांग हिंदू राष्ट्र की है। वजह है यहां की 80प्रतिशत से ज्यादा हिंदू आबादी। 2008 तक ये देश दुनिया का इकलौता हिंदू राष्ट्र था। इसी साल राजा का शासन खत्म होने के बाद सेक्युलर हो गया। अब जो लोग राजशाही का समर्थन नहीं करते, वे भी नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। हिंदूवादी संगठन इसके लिए रैलियां निकाल रहे हैं, प्रदर्शन कर रहे हैं। वे अपने नेताओं से भी नाराज हैं। उन्हें लगता है कि हिंदू राष्ट्र तभी बनेगा, जब राजशाही लौटेगी। पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन करने आईं एक महिला काठमांडू की रहने वाली हैं। वे कहती

हैं, 'नेपाल को हिंदू राष्ट्र होना चाहिए। मैं नेपाल में ही पैदा हुई हूं। हम धर्म-ईश्वर को मानने वाले लोग हैं।'42 साल के मिलन काठमांडू में इंटरनेशनल टूरिस्ट के साथ काम करते हैं। वे भी नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। हमने इसकी वजह पूछी तो बोले, 'पहले नेपाल हिंदू राष्ट्र ही था। तब हम राजा से खुश नहीं थे। मैंने भी लोकतंत्र लाने के लिए लड़ाई लड़ी।' बाबा गंगादास ने बताया नेपाल में सबसे ज्यादा हिंदू रहते हैं। हिंदू धर्म हमारे देश की पहचान है। अगर कोई ये सोच रहा है कि हिंदू राष्ट्र होने से दूसरे धर्मों के लोगों का शोषण होगा, तो ऐसा नहीं होगा। हम हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं।'नेपाल में हिंदूवादी संगठन नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग कर रहे हैं। इनमें विश्व हिंदू महासंघ भी शामिल है। ये संगठन करीब 10 साल से रैलियों और सभाओं के जरिए लोगों को एकजुट कर रहा है। विश्व हिंदू महासंघ नेपाल में धर्मांतरण के खिलाफ भी अभियान चलाता है। 'घर वापसी' जैसे कार्यक्रम करता है। विश्व हिंदू महासंघ की वाइस प्रेसिडेंट ज्योत्सना साउद कहती हैं, 'आए दिन धर्मांतरण की खबरें आती हैं। क्रिश्चियन मिशनरी बड़े पैमाने पर इसके लिए अभियान चला रही हैं। हम उन्हें जवाब देने के लिए घर वापसी अभियान चलाते हैं। धर्मांतरण के बाद कई लोग हिंदू धर्म में वापस आना चाहते हैं। 3 महीने पहले ही हमने 1800 लोगों की एक साथ घर वापसी करवाई है।'काठमांडू के रहने वाले पुष्पराज पुरुष सोशल मीडिया पर नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने का अभियान चलाते हैं। 10 अप्रैल को उन्होंने इसके लिए रैली निकाली थी। इसमें करीब एक हजार लोग जुटे। ये लोग भगवा झंडे और हिंदू राष्ट्र के समर्थन में पोस्टर लेकर आए थे। रैली के आसपास पुलिस तैनात रही, ताकि हिंसा न भड़के।पुष्पराज पुरुष के फेसबुक पर एक लाख से ज्यादा फॉलोअर हैं। वे कहते हैं, 'हम सोशल मीडिया के जरिए हिंदू राष्ट्र की मांग लोगों तक पहुंचा रहे हैं। युवाओं को इस बारे में बता रहे हैं। उन्हें एकजुट कर रहे हैं। मानव सभ्यता की शुरुआत ही हिंदू दर्शन से हुई है। नेपाल शुरुआत से हिंदू राष्ट्र था, ये अब भी हिंदू राष्ट्र है। इसलिए इसे फिर से हिंदू राष्ट्र घोषित करना चाहिए।'पुष्पराज के फेसबुक पर एक लाख से ज्यादा फॉलोअर हैं। वे कहते हैं, 'हम सोशल मीडिया के जरिए हिंदू राष्ट्र की मांग लोगों तक पहुंचा रहे हैं। युवाओं को इस बारे में बता रहे हैं। उन्हें एकजुट कर रहे हैं। मानव सभ्यता की शुरुआत ही हिंदू दर्शन से हुई है। नेपाल शुरुआत से हिंदू राष्ट्र था,

यूरोप में तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका से पसरा खौफ

लंदनः फ्रांस के बाद अब ब्रिटेन ने लोगों को 72 घंटे तक जिंदा रहने के लिए सर्वाइवल किट तैयार रखने को कहा है। ब्रिटेन सरकार की तरफ से बकायदा लोगों को इसको लेकर चेतावनी दी गई है। ब्रिटेन को डर है कि उसकी महत्वपूर्ण गैस पाइपलाइन पर हमला किया जा सकता है, जैसा 2022 में जर्मनी के नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन पर किया गया था। जिससे देश की स्थिति अचानक से खराब हो सकती है। दरअसल, ब्रिटेन को अपनी गैस का लगभग 40प्रतिशत हिस्सा नॉर्वे से मिलता है और इसे लैंगेलेड नामक एक विशाल 700 मील लंबी पाइपलाइन के जरिए आयात किया जाता है। यह विशालकाय पाइपलाइन नॉर्वे के गोसा द्वीप पर स्थित न्याम्ना गैस प्रसंस्करण संयंत्र से काउंटी डरहम में ईसिंगटन गैस टर्मिनल तक जाती है। अगर इसपर हमला होता है तो ब्रिटेन पहुंचने वाली 40 प्रतिशत गैस

की आपूर्ति तत्काल बंद हो जाएगी। ब्रिटेन ने लोगों से सर्वाइवल किट तैयार रखने को कहा, रूस के हमले की आशंका के बीच लोगों से की गई अपील, 72 घंटे तक जिंदा रहने के लिए किट तैयार रखने का आह्वान। ब्रिटेन इसलिए डरा हुआ है क्योंकि यंतर नाम के एक रूसी जासूसी जहाज को हाल के महीनों में उत्तरी सागर में ब्रिटेन के पानी के नीचे के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर नजर गड़ाए हुए देखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक रूसी जहाज यंतर, पनडुब्बी को पानी के नीचे 20,000 फीट तक भेजने में सक्षम है, जिसमें पाइपलाइनों को उड़ाने के लिए विस्फोटक भरे हुए हैं।

मेलबर्न के भारतीय दूतावास में तोड़फोड़

पहले भी दीवारों पर भड़काऊ नारे लिखे जा चुके

नई दिल्लीः मेलबर्न के भारतीय वाणिज्य दूतावास में एक बार फिर तोड़फोड़ की गई है। 'ऑस्ट्रेलिया टुडे' की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार रात करीब 1:00 बजे दूतावास के मेन गेट पर लाल रंग से बनाए गए निशान दिखे। घटना के बाद कैनबरा स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस मुद्दे को ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के सामने रखा। इस दूतावास में पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। अंतरराष्ट्रीय तनाव के दौरान पहले भी यहां की दीवारों पर भड़काऊ नारे लिखे गए थे। विक्टोरिया पुलिस के प्रवक्ता ने बताया, 'हमें लगता है कि बुधवार और गुरुवार की रात के बीच किसी समय इमारत के मेन गेट पर किसी ने निशान बनाए हैं। इस नुकसान की जांच अभी जारी है।'पुलिस ने अब तक ये नही बताया है कि किसी संदिग्ध की पहचान हुई है या नहीं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अगर किसी के पास इस घटना को लेकर कोई जानकारी हो तो आगे आएं। भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को एक्स पोस्ट में लिखा, 'मेलबर्न में भारतीय वाणिज्य दूतावास की दीवारों पर शरारती तत्वों की तरफ से की गई अपमानजनक हरकत को ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के साथ उठाया गया है। देश में भारतीय राजनयिक और कॉन्सुलेट बिल्डिंग के साथ कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।' इस घटना को लेकर भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय ने चिंता जताई है। समुदाय के लोगों ने बताया कि हिंदू मंदिरों और भारतीय सरकारी इमारतों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। एक भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ने कहा, 'यह सिर्फ दीवार बनाए गए निशान नहीं हैं- यह हमारे समुदाय को डराने की एक कोशिश है।' 2023 में ऑस्ट्रेलिया के कई मंदिरों में तोड़फोड़ की घटना सामने आई थी। ब्रिसबेन में स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवार को तोड़ दिया गया। साथ ही मंदिर की दीवार पर खालिस्तान के समर्थन और भारत के खिलाफ नारे लिखे गए। इससे पहले मेलबर्न के विक्टोरिया में हिंदू मंदिर पर हमला कर खालिस्तानी नारे लिखे गए थे।

सम्पादकीय

डिजिटल युग में नौजवानों की चुनौतियाँ

आज का युग डिजिटल क्रांति का युग है। इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया ने न केवल हमारी जीवनशैली को बदल दिया है, बल्कि नई पीढ़ी के सामने अनगिनत अवसर और चुनौतियाँ भी प्रस्तुत की हैं। जहाँ एक ओर तकनीक ने शिक्षा, रोजगार और संचार के नए द्वार खोले हैं, वहीं दूसरी ओर इसके दुरुपयोग ने नौजवानों के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संबंधों और भविष्य की संभावनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सबसे बड़ी चुनौती है सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग। नौजवान घंटों स्क्रॉलिंग में व्यस्त रहते हैं, जिससे उनकी उत्पादकता और एकाग्रता प्रभावित होती है। साइबर बुलिंग और ऑनलाइन ट्रोलिंग ने कई युवाओं में तनाव और अवसाद को जन्म दिया है। इसके अलावा, डिजिटल दुनिया में 'परफेक्ट लाइफ' की झूठी तस्वीर देखकर नौजवान अपनी वास्तविक जिंदगी से असंतुष्ट हो रहे हैं। यह आत्मसम्मान की कमी और अनावश्यक तुलना की भावना को बढ़ावा देता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी डिजिटल युग दोधारी तलवार साबित हो रहा है। ऑनलाइन कोर्सेज और संसाधनों ने ज्ञान को सुलभ बनाया है, लेकिन सूचना का अतिरेक और गलत जानकारी (फेक न्यूज़) ने सही-गलत की पहचान को कठिन कर दिया है। नौजवानों को चाहिए कि वे तकनीक का उपयोग सावधानी और संतुलन के साथ करें। सरकार और समाज को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना, साइबर सुरक्षा पर जागरूकता फैलाना और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सहायता उपलब्ध कराना आज की जरूरत है। अभिभावकों और शिक्षकों को भी नई पीढ़ी के साथ संवाद बढ़ाना चाहिए, ताकि वे तकनीक के इस जंगल में खो न जाएँ।

अंत में, यह नौजवानों पर निर्भर है कि वे डिजिटल युग को अपनी शक्ति बनाएँ या कमजोरी। संतुलित दृष्टिकोण और आत्म-नियंत्रण ही उन्हें इस युग की चुनौतियों से पार पाने में मदद करेगा। तकनीक एक औजार है, इसे अपना मालिक न बनने दें।

पत्रकारिता ऐसी हो के जिसे लोग जानने उत्सुक हों

नई दिल्लीः इस नए युग में पत्रकारिता न सिर्फ कठिन हो गयी हैं बल्कि नए आयामों तक पहुंच गयी हैं. दिग्विजय कॉलेज की प्राचार्य डॉ. किरण लता दामले के निर्देशन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के मार्गदर्शन में समाचार लेखन में नीति नियम व सिद्धांत और संपादकीय लेखन के मूल तत्व विषय पर एमिटी व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अंजनेय विश्वविद्यालय रायपुर पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. राहुल तिवारी एवं अमेटी विवि रायपुर पत्रकारिता विभाग सहा. प्राध्यापक डॉ. बिचित्रानंदा पंडा रहे। प्राचार्य ने कहा कि पत्रकारिता को देखने का सबका अपना नजरिया होता है, जो स्वाभाविक है। विभागाध्यक्ष ने कहा कि लेखन का कार्य निरंतर करना चाहिए। इससे शब्दों में पकड़ मजबूत होती है और मात्राओं की त्रुटि को सही किया जा सकता है। मुख्य वक्ता डॉ. राहुल तिवारी ने कहा कि देश दुनियां में लाखों घटनाएं घट रही है, लोग न्यूज देख, पढ़ रहे हैं। इसमें कितनी तात्कालिक विषय जुड़े हैं यहां इस तथ्य को समझना अति आवश्यक है। लेकिन जिस समाचार में जन रुचि जुड़ी हो और जिसे लोग जानने उत्सुक हो ऐसी सूचना को समाज में परोसना ही मूल पत्रकारिता का सिद्धांत होना चाहिए। यह न केवल समाज की विश्वसनीयता को बढ़ाता है बल्कि यह समाज में भी एक सकारात्मक प्रभाव डालता है। डॉ. बिचित्रानंदा पंडा ने कहा संपादकीय लेखन कला का सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक दस्तावेज है, प्रत्येक समाचार पत्र या पत्रिका के कुछ ऐसे मूलभूत सिद्धांत होते हैं, जिनका पालन नीति निर्देशक तत्वों के रूप में प्रत्येक संपादक के संपादकीय लेखन में विचार व्यक्त करने स्वतंत्र होते है। संपादकीय पृष्ठ पाठकों के विचार में जागरूकता उत्पन्न करता है, उन्हें विषय पर सोचने और विचारों का आदान प्रदान करने में सहायता करता है। पृष्ठ की हेड लाइन, डेट लाइन, सब हेडलाइन व जंप लाइन के बारे में बताया। विद्यार्थियों को समाचार पत्र और संपादकीय पृष्ठ से जुड़े प्रश्नों का उत्तर प्राप्त हुआ। संचालन अमितेश सोनकर और आभार रेशमी साहू ने जताया। कार्यक्रम में अतिथि व्याख्याता विभा सिंह का सहयोग रहा।

बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन कराने में सहयोग करें...

अमावां ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय हरियावां में स्कूल चलो अभियान के तहत मंगलवार को रैली निकाली गई। रैली को हरी झंडी दिखाकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र प्रताप सिंह ने रवाना किया। इसके साथ बच्चों को उन्होंने परीक्षाफल और पुस्तकें भी वितरित की। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का अधिक से अधिक से नामांकन कराने के उद्देश्य से हरी झंडी दिखाते हुए बीएसए ने अभिभावकों से कहा कि अधिक से अधिक संख्या में नामांकन कराया जाए। उन्होंने कहा कि जन-जन की सहभागिता से ही शिक्षा की अलख हमेशा जगी रहेगी। उन्होंने ग्राम प्रधान सहित सभी ग्रामवासियों से बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन कराने की अपील की। उन्होंने माताओं से कहा कि आप लोग बच्चों पर अवश्य ध्यान दें। उन्हें नियमित रूप से विद्यालय में पढ़ने के लिए भेजें।अमावां बीईओ ऋचा सिंह ने कहा कि बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने में सबसे बड़ी भूमिका माताएं ही निभाती हैं। वे लोग विद्यालय में आकर अपने बच्चे की प्रगति जान सकती है। एमडीएम कैसा बन रहा है, इसको भी देख सकती है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक शशि प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यालय में आयोजित वार्षिकोत्सव एवं शारदा संगोष्ठी के दौरान अधिक नामांकन बढ़ाने पर चर्चा की गई। अभिभावकों से अधिक से अधिक नामांकन कराने की अपील की। शिक्षक नेता मुकेश द्विवेदी ने कहा कि प्राइवेट विद्यालय सिर्फ आपका शोषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे लोग चार से पांच साल तक अपने विद्यालय चलाते हैं और फिर बाद में बंद हो जाते हैं। कार्यक्रम का संचालन नीरज रावत ने किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान राजेंद्र यादव, एसएमसी अध्यक्ष रामकेश, शिक्षक अशोक प्रियदर्शी, सूर्य प्रकाश, बृज कुमारी, अब्दुल मन्नान, प्रतिभा सिंह, दीपेश वर्मा, अजय, जगदीश यादव, कमल अहिरवार, अमर सिंह, मुकेश यादव, शैलेश श्रीवास्तव, रामचन्द्र यादव,

चन्द्रकांत त्रिपाठी, शारिक अनवर, अश्वनी कनौजिया, प्रज्ञा विश्वकर्मा, शिखा त्रिपाठी, शिव प्रसाद आदि लोग मौजूद रहे।

श्रृंगवेरपुर5 साल के बाहुबली महराज को याद है रामचरित मानस

श्रृंगवेरपुर धाम प्रयागराज की वही जगह है, जहां श्रीराम अयोध्या से वनवास के लिए निकलने के बाद पहुंचे थे। यहां निषादराज की मदद से गंगा नदी पार की थी। यहीं पर बाहुबली श्रीश महाराज का जन्म हुआ। 5 साल के श्रीश पंडित अरुण द्विवेदी के इकलौते बेटे हैं। अरुण टीचिंग जॉब से जुड़े हैं। बेटे को रामचरित मानस पढ़वाने में मदद भी करते हैं। श्रीश की मां आराधना हाउसवाइफ हैं। जब श्रीश महराज को हमने पहली बार देखा, तो लगा कि रामलला अपने बाल स्वरूप में हमारे सामने आ गए। उनके माथे पर बड़ा सा तिलक, गले में माला, शरीर पर पीले वस्त्र और हाथों में धनुष था। पूछा- आप ऐसे कपड़ों में कैसे रह लेते हैं ? हमें जवाब मिला- मैं बिल्कुल राम की तरह जीना चाहता हूं। इसी लिए धनुष-बाण लेकर चलता हूं, मुझे उनके कपड़े भी अच्छे लगते हैं। फिर हमने श्रीश के पिता अरुण से बातचीत का सिलसिला शुरू किया। पिता अरुण द्विवेदी कहते हैं- 5 साल की उम्र में इसने रामचरित मानस, शिवतांडव समेत तमाम श्लोक कंठस्थ कर लिए हैं। कोई भी चीज एक या दो बार सुनता या पढ़ता है, तो इसे याद हो जाती है। इसकी मेमोरी बहुत तेज है। हमें भी अच्छा लगता है कि बेटा धर्म की चीजें सीख रहा है। आजकल के मोबाइल, कार्टून जैसे विषयों से दूर रहता है।

डिजिटल युग में मानवीय संबंधों का भविष्य

आज से कुछ दशक पहले, अगर कोई कहता कि एक दिन हम अपने प्रियजनों से मिलने के बजाय स्क्रीन पर उनकी तस्वीर देखकर बात करेंगे, तो शायद हम हंस पड़ते। लेकिन आज यही हमारी हकीकत है। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, और इंटरनेट ने हमारे जीने, काम करने, और एक-दूसरे से जुड़ने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहां दूरी कोई बाधा नहीं, क्योंकि कुछ ही सेकंड में हम दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से बात कर सकते हैं। फिर भी, एक सवाल बार-बार उठता हैः क्या डिजिटल युग ने हमें वाकई करीब लाया है, या यह हमें एक-दूसरे से और दूर ले जा रहा है?

डिजिटल संबंधों की ताकतः- डिजिटल तकनीक ने मानवीय संबंधों को कई मायनों में समृद्ध किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, और व्हाट्सएप ने हमें उन लोगों से जोड़े रखा है जो शारीरिक रूप से हमसे मीलों दूर हैं। परिवार, दोस्त, और यहां तक कि अनजान लोग, जिनके साथ हमारी रुचियां मिलती हैं, अब एक क्लिक की दूरी पर हैं। कोविड-19 महामारी ने इसकी अहमियत को और उजागर किया, जब लॉकडाउन के दौरान ज़ूम कॉल्स और वर्चुअल मीटिंग्स ने हमें अकेलेपन से बचाया। इसके अलावा, डिजिटल युग ने हमें नए तरह के समुदाय बनाने की ताकत दी है। ऑनलाइन फोरम, गेमिंग कम्युनिटीज़, और विशेष रुचि वाले ग्रुप्स ने उन लोगों को एक मंच दिया है जो पहले खुद को अलग-थलग महसूस करते थे। चाहे वह किताबों के शौकीन हों, पर्यावरण कार्यकर्ता हों, या फिर कोई दुर्लभ शौक रखने वाले लोग–इंटरनेट ने हर किसी के लिए एक जगह बनाई है। यह एक तरह का सामाजिक लोकतंत्र है, जहां हर आवाज़ को सुना जा सकता है।

खोया हुआ मानवीय स्पर्शः- लेकिन हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। डिजिटल युग ने हमें जोड़ने के साथ-साथ कुछ अनमोल चीजें भी छीन ली हैं। एक समय था जब दोस्तों के साथ कॉफी पीते हुए घंटों बातें करना, बिना किसी स्क्रीन के, सबसे सुखद अनुभव होता था। आज हम अक्सर एक ही कमरे में बैठकर अपने फोन में खोए रहते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से अकेलापन, चिंता, और अवसाद बढ़ रहा है। हम भले ही सैकड़ों 'फ्रेंड्स' और 'फॉलोअर्स' की सूची रखते हों, लेकिन कितने लोग वाकई हमारे सुख-दुख में साथ खड़े होते हैं?

डिजिटल संवाद में एक और कमी है–भावनाओं की गहराई। एक टेक्स्ट मैसेज में भले ही इमोजी डाल लें, लेकिन वह आंखों में आंखें डालकर बात करने की गर्माहट को कैसे पकड़ सकता है? गले लगाने की सांत्वना, हंसी की संक्रामकता, या चुप्पी की साझा समझ–ये वे अनुभव हैं जो कोई वीडियो कॉल या व्हाट्सएप चैट दोहरा नहीं सकता। हमारी स्क्रीनें हमें जोड़ती तो हैं, लेकिन वे एक दीवार भी खड़ी करती हैं, जो हमें पूरी तरह एक-दूसरे तक पहुंचने से रोकती है।

भविष्य की चुनौतियां और संभावनाएं

तो, मानवीय संबंधों का भविष्य क्या है? क्या हम एक ऐसी दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं जहां वर्चुअल रिश्ते पूरी तरह असल रिश्तों की जगह ले लेंगे? या फिर हम इन दोनों के बीच संतुलन ढूंढ पाएंगे? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे संबंध न केवल हमारी व्यक्तिगत खुशी को प्रभावित करते हैं, बल्कि समाज की संरचना को भी आकार देते हैं।

95फीसदी महिलाओं को मिल रहा जननी सुरक्षा योजना का लाभ

सुरक्षित मातृत्व के प्रति जागरूकता के लिए शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जा रहा है। सुरक्षित मातृत्व को लेकर डफरिन अस्पताल में जननी सुरक्षा योजना का लाभ 95 फीसदी से अधिक महिलाओं को मिल रहा है। अस्पताल के प्रबंधक भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि 2024-25 में 3140 महिलाओं ने जननी सुरक्षा का लाभ मिला। इसमें ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को 1400 रुपये और शहरी महिलाओं को 1000 रुपये भुगतान किया। उन्होंने बताया कि जननी सुरक्षा योजना के माध्यम से सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देने, गर्भवती महिलाओं के बीच संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित करना और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है।

जजों को 'गुंडा' कहने पर वकील को छह महीने की सज़ा

आरोपों का भी नहीं दिया कोई जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जजों के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के लिए वकील अशोक पांडे को 6 महीने जेल की सजा सुनाई है. इसके साथ ही 2000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है. इतना ही नहीं, सुनवाई के दौरान जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस वृज राज सिंह की बेंच ने यह भी कहा कि क्यों नहीं वकील पांडे को तीन साल के लिए हाई कोर्ट में वकालत करने से रोक दिया जाए? इस मामले की अगली सुनवाई 1 मई को होगी. कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि वकील अशोक पांडे ने आज तक अपने ऊपर लगे आरोपों का कोई जवाब दाखिल नहीं किया है इसलिए उन्हें दोषी मानते हुए सजा सुनाई गई है. वकील अशोक पांडे ने एक मामले की सुनवाई के दौरान जजों को 'गुंडा' कह दिया था. सुनवाई के दौरान जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस बृज राज सिंह की बेंच ने एडवोकेट पांडे को कोर्ट की आपराधिक अवमानना का दोषी पाया. दो जजों की इस बेंच ने कहा कि पांडे ने कोर्ट का अनादर किया है. 2003 से 2017 के बीच उनके द्वारा किए गए कदाचार के कई किस्से है. दरअसल, यह मामला चार साल पुराना है. 18 अगस्त 2021 को जस्टिस रितु राज अवस्थी और जस्टिस दिनेश कुमार सिंह की पीठ किसी मामले की सुनवाई कर रही थी. पीठ के समक्ष पांडे उस ड्रेस में नहीं थे, जिस ड्रेस में उन्हें वहां होना चाहिए था.

6 महीने में 2 बार मौत, दोनों बार डेथ सर्टिफिकेट

मौत के बाद बीमा कराने वाले गैंग ने करोड़ों कमाए

नई दिल्लीः एक कैंसर मरीज का दिल्ली के दो बड़े अस्पतालों ने अलग-अलग तारीखों पर डेथ सर्टिफिकेट जारी कर दिया। इन तारीखों में भी 6 महीने का अंतर है। ऐसे ही दूसरे मामले में मौत होने के 20 दिन बाद भी 2 बीमा पॉलिसी करा दी गईं। तीसरे केस में एक महिला की मौत 5 महीने बाद दिखाकर पॉलिसी के 5 लाख रुपए हड़प लिए गए। यूपी की संभल पुलिस ने जो फर्जी बीमा पॉलिसी वाला गैंग पकड़ा है, उनसे ऐसे ही खुलासे हुए हैं। इनमें श्मशान घाट, डेथ सर्टिफिकेट जारी करने वाले और हॉस्पिटल वर्कर भी मिले हुए हैं। पुलिस इस केस में अब तक 25 आरोपियों को जेल भेज चुकी है। ये गैंग उत्तर प्रदेश के अलावा उत्तराखंड, हरियाणा, गुजरात, झारखंड, दिल्ली, बिहार, असम, वेस्ट बंगाल, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में फैला हुआ है।दिल्ली में शक्ति नगर में रहने वाले त्रिलोक कुमार कैंसर पीड़ित थे। 15 जून, 2024 को वह दिल्ली के राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट में भर्ती हुए। 19 जून, 2024 को उनकी मौत हो गई। 20 जून को दिल्ली के निगम बोध घाट पर उनका अंतिम संस्कार हो गया।परिवार के पास एम.सी.डी दिल्ली की श्मशान घाट की रसीद मौजूद है। इस पर मौत का कारण कैंसर लिखा है। इसके अलावा राजीव गांधी हॉस्पिटल के डॉक्यूमेंट्स भी हैं। इसमें उन्हें 15 जून को सरकारी हॉस्पिटल रेफर होना लिखा हुआ है। त्रिलोक की पत्नी सुनीता ने बताया- पति की मौत के बाद कुछ लोग आकर मिले। कहा कि वो सरकार की तरफ से कुछ आर्थिक मदद दिला देंगे, सिर्फ कुछ डॉक्यूमेंट्स की फार्मेलिटी पूरी करनी होगी। इसके बाद त्रिलोक के नाम पर कुल 2 बीमा पॉलिसी बंधन लाइफ पॉलिसी और एडलवाइज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से कराई गईं। इसमें दूसरी वाली पॉलिसी 20.48 लाख रुपए की थी। ये पॉलिसी त्रिलोक की मौत के बाद 25 सितंबर, 2024 को शुरू हुई। जब पॉलिसी बन गई, तो मरीज को जिंदा दिखाकर कैंसर के इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती भी कराना था। इसलिए आरोपियों ने दिल्ली के गोविंद बल्लभ पंत स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के फर्जी डॉक्यूमेंट्स तैयार कराए। यहां त्रिलोक कुमार को 27 दिसंबर 2024 में भर्ती होना, फिर उसका ई.सी.सी कराना, उसी रात को हार्टअटैक से मौत हो जाना दिखाया गया। बाकायदा हॉस्पिटल की एक स्लिप भी है। इसमें लिखा है कि त्रिलोक की डेडबॉडी उसके भाई अनिल कुमार के हवाले की गई है। इसी आधार पर एम.सी.डी दिल्ली ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया। इसमें मौत की तारीख 27 दिसंबर, 2024 लिखी हुई है। इन्हीं डॉक्यूमेंट्स के आधार पर जालसाजों ने त्रिलोक कुमार की पॉलिसी क्लेम कर दी थी।

क्या है पार्किंसन्स, जिससे 1 करोड़ 17 लाख लोग प्रभावित

11 अप्रैल को वर्ल्ड पार्किंसन्स डे था। साइंस जर्नल फ्रंटियर्स के मुताबिक, साल 2021 में पूरी दुनिया में 117 लाख 70 हजार लोगों को पार्किंसन्स था। अनुमान है कि 2050 तक पेशेंट्स की संख्या दोगुने से भी ज्यादा बढ़कर 252 लाख के करीब हो सकती है।पार्किंसन्स बीमारी एक उम्र संबंधी ब्रेन डिजीज है, जिसमें ब्रेन के कुछ हिस्से बहुत कमजोर या डैमेज हो जाते हैं। इसके कारण आमतौर पर लोग बहुत धीरे चलने-फिरने लगते हैं। उनके हाथ, पैर और सिर कांपने लगते हैं। इसके अलावा बैलेंसिंग की भी समस्या हो सकती है।ज्यादातर मामलों में इसका कोई स्पष्ट कारण पता नहीं है। हालांकि, कुछ मामलों में देखा गया है कि यह अनुवांशिक कारणों से भी हो सकता है। इसका कोई स्थाई इलाज नहीं उपलब्ध है। इसके बावजूद अगर समय पर इलाज मिले तो इसे काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है।पार्किंसन्स ऐसी कंडीशन है, जिसमें ब्रेन का कुछ हिस्सा धीरे-धीरे डैमेज हो जाता है। इसके लक्षण समय के साथ धीरे-धीरे गंभीर हो जाते हैं। इसके कारण मेंटल हेल्थ प्रभावित होती है। सोचने की क्षमता पर असर पड़ता है, याददाश्त भी कमजोर होने लगती है। समय पर इलाज मिलने से लक्षणों को गंभीर होने से रोका जा सकता है।पार्किंसन्स के लक्षण मुख्य रूप से मांसपेशियों के नियंत्रण से जुड़े होते हैं, लेकिन इसके अलावा कई अन्य शारीरिक और मानसिक प्रभाव भी हो सकते हैं। इस बीमारी के लक्षणों को मोटर (मूवमेंट से संबंधित) और नॉन-मोटर (जो मूवमेंट से नहीं जुड़े)- दो ग्रुप में बांटा जा सकता है।पार्किंसन्स डिजीज मुख्य रूप से ब्रेन में एक खास केमिकल डोपामिन की कमी के कारण होता है। यह केमिकल ब्रेन में स्ट्रायटम नामक हिस्से में होता है, जो मसल्स पर कंट्रोल और उसकी गति को नियंत्रित करता है। जब ब्रेन के इस हिस्से की सेल्स डैमेज होने लगती हैं या कमजोर होने लगती हैं तो पार्किंसन्स के लक्षण उभरते हैं।पार्किंसन्स डिजीज कुछ मामलों में जेनेटिक हो सकती है। इसका मतलब है कि अगर किसी के परिवार में किसी को पार्किंसन्स है तो उस व्यक्ति को इसका खतरा दूसरों की अपेक्षा ज्यादा होता है। हालांकि, यह केवल 10इ मामलों में ही अनुवांशिक होता है।ज्यादातर पार्किंसन्स मामलों का कारण पता नहीं चलता है। ऐसे सभी मामलों को आईडियोपैथिक पार्किंसन्स कहा जाता है, जिसका मतलब है कि इस बीमारी का कारण स्पष्ट नहीं है।कुछ मामलों में पेस्टिसाइड्स जैसे केमिकल्स के कारण भी पार्किंसन्स हो सकता है। इसके अलावा कार्बन मोनोऑक्साइड और कुछ पॉइजन्स के संपर्क में आने से भी इस बीमारी का खतरा बढ़ सकता है।कुछ दवाइयां- जैसे मेंटल हेल्थ की दवाएं भी पार्किंसन्स जैसी कंडीशन की वजह बन सकती हैं। इसे पार्किंसोनिज्म कहा जाता है। ये प्रभाव अस्थायी हो सकते हैं, जो दवाइयां बंद करने पर ठीक हो जाते हैं।मस्तिष्क में सूजन, जिसे एन्सेफलाइटिस कहा जाता है। इसके कारण भी कभी-कभी पार्किंसन्स के लक्षण उभर सकते हैं।किसी खेल के दौरान या किसी एक्सिडेंट के कारण सिर पर चोट लगने से भी पार्किंसन्स हो सकता है। इसे पोस्ट-ट्रॉमैटिक पार्किंसोनिज्म कहा जाता है।पार्किंसन्स डिजीज में फिजिकल एक्टिविटीज और एक्सरसाइज का बहुत महत्व होता है क्योंकि इससे मसल्स मजबूत होती हैं, स्पीड सुधरती है और बैलेंस बनाए रखने में मदद मिलती है।

मुफ्त राशन या पेंशन को 'रेवड़ी' की तरह देखना ठीक नहीं

कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक साधारण-सी तस्वीर को लेकर खूब चर्चा हुई थी। यह तस्वीर तेलंगाना के एक बुजुर्ग दलित दम्पती नरसैया और गंगम्मा की थी। नरसैया और गंगम्मा के बच्चे गुजर चुके हैं, और बुढ़ापे के कारण वे खेत मजदूरी नहीं कर पाते हैं। वे मुख्यतः मनरेगा के तहत हर साल 100 दिन के काम, 2000 रुपए प्रति माह पेंशन और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से महीने में 12 किलो मुफ्त चावल से अपना गुजारा करते हैं। इस तस्वीर को देखकर कई पाठक खुश हुए। लेकिन कई अन्य लोगों ने इन सामाजिक लाभों पर आपत्ति जताई और इन्हें रेवड़ी या भीख कहा। उनके अनुसार गरीबों को कुछ भी मुफ्त में नहीं मिलना चाहिए। कुछ लोगों ने तर्क दिया कि अगर गरीबों को मुफ्त में पैसे मिलेंगे तो वे काम करना बंद कर देंगे। दूसरों ने आगे बढ़कर कहा कि गरीब लोगों की मदद करना हमारी जिम्मेदारी नहीं है। मनरेगा के तहत रोजगार तो निश्चित रूप से रेवड़ी नहीं है। नरसैया और गंगम्मा के गांव में मनरेगा मजदूरों ने भूमि विकास जैसे कई उपयोगी काम किए हैं। वे 300 रुपए प्रतिदिन की मामूली मजदूरी के पूरी तरह हकदार हैं। पेंशन और चावल तो उन्हें मुफ्त में ही मिलता है। लेकिन इन्हें भी भीख समझना अजीब है। याद रखें कि नरसैया और गंगम्मा जैसे व्यक्तियों की स्थिति सदियों के शोषण का परिणाम है। जमीन, सम्पत्ति, शिक्षा, नौकरी, सत्ता, सिफारिश, सम्पर्क- ये सभी संसाधन उनकी पहुंच से बाहर रहे हैं। इस ऐतिहासिक अन्याय के लिए उन्हें कुछ मुआवजा तो मिलना चाहिए। मान लीजिए कि कोई व्यक्ति रात में आपकी सारी सम्पत्ति लूट ले और फिर सुबह वापस आकर आपको कुछ पैसे दे दे। क्या आप इस पैसे को रेवड़ी कहेंगे? हां, आपको नकद मुफ्त मिल रहा है। लेकिन यह पहले से ही आपसे चुराया गया था।आप इस उदाहरण से हैरान हो सकते हैं, मैं इसे समझाने की कोशिश करता हूं। अमीर लोग अक्सर सोचते हैं कि उनकी कमाई उनकी कड़ी मेहनत का नतीजा है। इसलिए उन्हें लगता है कि वे इसके हकदार हैं और इसे दूसरों के साथ साझा नहीं करना चाहते। लेकिन सच्चाई यह है कि उनकी मेहनत अपने आप में उनकी सफलता में बहुत छोटा हिस्सा निभाती है। उनका काम उन संसाधनों के विशाल भंडार से उत्पादक बनता है, जो हमें पिछली पीढ़ियों से विरासत में मिले हैं, जैसे पूंजी, ज्ञान, तकनीक, संस्थान, सुविधाएं आदि।

चीनी कंपनियां भारत को 5प्रतिशत डिस्काउंट दे रहीं

चीन-अमेरिका का ट्रेड वॉर से जुड़ी रही। टैरिफ के कारण अमेरिका-चीन के बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच कई चीनी इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरर्स भारतीय कंपनियों को 5प्रतिशत तक की छूट ऑफर कर रहे हैं। ऐसे में इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स मांग को बढ़ाने के लिए इस डिस्काउंट का कुछ हिस्सा कंज्यूमर को पास कर सकते हैं। वहीं, अमेरिकी बाजार में कल 12प्रतिशत की तेजी के बाद आज 10 अप्रैल को 3प्रतिशत की गिरावट देखने को मिल रही है। डाउ जोन्स इंडेक्स 900 अंक या 2प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,600 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, अमेरिकी बाजार का एस.एंड.पी 500 इंडेक्स 150 अंक या 2.5प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,303 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है।टैरिफ के कारण अमेरिका-चीन के बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच कई चीनी इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरर्स भारतीय कंपनियों को 5प्रतिशत तक की छूट ऑफर कर रहे हैं। ऐसे में इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स मांग को बढ़ाने के लिए इस डिस्काउंट का कुछ हिस्सा कंज्यूमर को पास कर सकते हैं। इस कदम से भारत में टीवी, फ्रिज, स्मार्टफोन जैसे कई इलेक्ट्रॉनिक्स सामान सस्ते हो सकते हैं। इकोनॉमिक टाइम्स ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है।

होटल और एयरपोर्ट पर फिजिकल आधार कार्ड जरूरी नहीं

होटल और एयरपोर्ट जैसी जगहों पर पहचान बताने के लिए जल्दी ही आपको फिजिकल आधार कार्ड या फोटोकॉपी देने की जरूरत नहीं होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नया आधार एप लॉन्च किया है, जिसके जरिए यूजर्स डिजिटली अपनी पहचान वेरिफाई करा सकेंगे। इस एप में फेस आईडी और क्यू.आर कोड जैसे फीचर्स शामिल किए गए हैं, जिनसे यूजर्स यु.पी.आई पेमेंट की तरह होटल या एयरपोर्ट पर क्यू.आर कोड को स्केन करके आधार कार्ड की जानकारी शेयर कर सकेंगे। इसके साथ ही यूजर्स एप से कितनी आधार डिटेल्स (जैसे सिर्फ आधार नंबर, पता और फोटो) शेयर करनी है, इसे भी कंट्रोल कर सकेंगे।यूजर एप खोलकर वेरिफायर (जैसे एयरपोर्ट या होटल) का क्यू.आर कोड स्कैन करेंगे। फिर एप आपसे पूछेगा कि कौन-सी जानकारी शेयर (जैसे नाम, जन्मतिथि, पता) करनी है।परमिशन देने के बाद एप पर आपका फेस वेरिफिकेशन होगा।लास्ट स्टेज में आपका डेटा वेरिफाई होगा। इसके साथ ही यूजर्स की जानकारी ही शेयर हो जाएगी। नए एप को यु.आई.डी.ए.आई ने पूरी तरह डिजिटली सिक्योर बनाया है। इसका इंटरफेस चलाने में आसान है। एप में डेटा प्रोटेक्शन पर काम किया गया है। फर्जी दस्तावेजों की रोकथाम और डेटा लीक से सुरक्षा के लिए इसमें कई फीचर्स दिए जाएंगे। एप गूगल प्ले स्टोर पर आधारफेसआरडी के नाम से लॉन्च हुआ है। हालांकि, इसे अभी आधार संवाद के कुछ लोग ही यूज कर सकते हैं। यु.आई.डी.ए.आई का कहना है कि यूजर्स के फीडबैक के आधार पर एप को और बेहतर बनाया जाएगा। इसके बाद एप आम यूजर्स के लिए उपलब्ध होगा।

जलवायु संकट के साथ ही बढ़ रही हैं फंडिंग की जरूरतें

पिछले साल बाकू में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में विकसित देशों ने, विकासशील देशों में जलवायु के लिए सालाना 300 अरब डॉलर जुटाने पर सहमति जताई थी। भले ही यह आंकड़ा पिछले लक्ष्य से तीन गुना अधिक है, लेकिन यह जलवायु के लिए जरूरी वित्त की कमी पूरी करने के लिए बहुत कम है। आज की चुनौती 2015 में पेरिस जलवायु समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के समय से कहीं जटिल है। उस समय 100 अरब डॉलर का आंकड़ा वास्तविक निवेश आवश्यकताओं का विश्लेषण किए बिना तय किया गया था। इसके विपरीत सीओपी29 को वास्तविक लागतों का अनुमान लगाना था। मैं जलवायु वित्त पर स्वतंत्र उच्च-स्तरीय विशेषज्ञ समूह का सदस्य हूं। इसकी एक रिपोर्ट में पाया गया है कि विकासशील देशों (चीन को छोड़कर) को 2035 तक 2.4-3.3 ट्रिलियन डॉलर के जलवायु वित्त की जरूरत होगी। इसका लगभग 60प्रतिशत हिस्सा बचत बढ़ाकर और सार्वजनिक घाटे को कम करके घरेलू स्तर पर हासिल किया जा सकता है। फिर भी 2030 तक 1 और 2035 तक 1.3 ट्रिलियन डॉलर की कमी बनी रहेगी। इस अंतर को पाटने के लिए बाहरी वित्तपोषण जरूरी है। सीओपी29 में वित्तपोषण की कमी को तो स्वीकार किया गया, लेकिन इस बात पर सहमति नहीं बन पाई थी कि इसकी पूर्ति कैसे करें। विकासशील देशों ने इस पर जोर दिया कि सार्वजनिक फंड की कमी को पूरा करने के लिए अमीर अर्थव्यवस्थाएं आगे आएं, जबकि विकसित देशों ने सालाना केवल 300 अरब डॉलर जुटाने की पेशकश की। साथ में एक शर्त भी जोड़ दी कि वे सीधे वित्त के प्रावधान की गारंटी नहीं दे रहे, बल्कि धन जुटाने में बस 'अग्रणी भूमिका' निभाएंगे। आईएचएलईजी की रिपोर्ट बताती है कि 2035 तक 650 अरब डॉलर की फंडिंग की कमी को इक्विटी और ऋण सहित निजी निवेश से पूरा किया जा सकता है। लेकिन इससे एक गहरी खाई भी सामने आई। जहां विकसित देशों ने बजट पर दबाव को कम करने के लिए निजी पूंजी का पक्ष लिया, वहीं विकासशील देशों ने सार्वजनिक वित्तपोषण पर जोर दिया। कई विकासशील देश निजी निवेश को आकर्षित करने में संघर्ष करते हैं, इसलिए वे अनुदान व ऋणों पर निर्भर रहते हैं। इन सार्वजनिक संसाधनों को कम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं को देने का मतलब है कि मध्यम आय वाले देश निजी पूंजी पर और निर्भर हो जाएंगे। आईएचएलईजी के अनुसार, जहां वर्ष 2022 में निजी जलवायु वित्त की आवश्यकता 40 अरब डॉलर थी, वहीं यह 2035 तक

गर्मियों में हीट स्ट्रोक से हार्ट अटैक और ब्रेन डैमेज का खतरा

यूनियन मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर के मुताबिक, भारत में 2024 में हीट स्ट्रोक से 360 लोगों की मौत हुई। वहीं, हीट वॉच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में हीट स्ट्रोक के 40 हजार से ज्यादा मामले सामने आए और 733 लोगों की मौत हुई। हीट वॉच के आंकड़े ऑफिशियल आंकड़ों से दोगुने हैं।

भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, देश में अगले 10 दिन भीषण गर्मी पड़ सकती है। कई शहरों में अभी से टेम्परेचर 40 डिग्री तक पहुंच गया है। 20 से ज्यादा शहरों में तो 42 डिग्री पार कर गया है। देश के कई इलाकों में अभी से हीटवेव का अनुमान है।टेम्परेचर बढ़ने पर हीट स्ट्रोक यानी लू का जोखिम भी बढ़ जाता है। हीट स्ट्रोक एक मेडिकल इमरजेंसी है। इससे लाइफ थ्रेटनिंग कंडीशन बन सकती है।

सिकंदर' छोड़िए, आमिर खान संग फिर धमाल मचाएंगे सलमान खान

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' फैंस की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई. सिकंदर की कमाई लगातार गिर रही है. हालांकि इसी बीच सलमान ने अब अपने फैंस के साथ एक गुड न्यूज शेयर की है. एक्टर ने अब अपनी एक 30 साल पुरानी फिल्म की री रिलीज को लेकर पोस्ट किया है.बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' ईद के मौके पर रिलीज हुई थी. शुरुआती दो दिनों तक फिल्म ने ताबड़तोड़ कमाई की थी. लेकिन इसके बाद से फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट दर्ज की गई. सिकंदर का मुकद्दर लगातार

बिगड़ता जा रहा है. फैंस को जैसी उम्मीद फिल्म से थी सलमान वो कारनामा नहीं कर सके. हालांकि सिकंदर के बीच अब सलमान ने बड़ा ऐलान कर दिया है, जिससे उनके फैंस में खुशी की लहर दौड़ गई है.सलमान खान ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक बड़ी गुड न्यूज शेयर की है. सलमान खान और आमिर खान की 30 साल पुरानी फिल्म 'अंदाज अपना अपना' की री रिलीज का ऐलान पहले ही हो गया था. अब सलमान ने भी फैंस के साथ ये न्यूज शेयर की है. फैंस को एक बार फिर से 30 साल बाद आमिर और सलमान की जोड़ी एंटरटेन करने वाली है.

कौन है इंडियन आइडल 15 की विनर मानसी घोष?जीती लाखों की प्राइज मनी

पॉपुलर रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 15' को अपनी विनर मिल गई है. इस सीजन की विजेता कोलकाता की 24 वर्षीय मानसी घोष हैं. हैं. उन्हें ट्रॉफी के साथ एक चमचमाती कार और 25 लाख प्राइज मनी मिली है.सोनी टीवी के पॉपुलर रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 15' को फाइनली अपना विनर मिल गया है. इस सीजन की विनर कोलकाता की 24 साल की मानसी घोष

हैं, जिसने चमचमाती ट्रॉफी के साथ-साथ 25 लाख रुपये की प्राइज मनी अपने नाम की है. वहीं, फर्स्ट रनर-अप सुभोजित चक्रवर्ती और सेकंड रनर-अप स्नेहा शंकर रहीं. अब मानसी इस जीत से बेहद खुश हैं. उन्होंने एक हालिया इंटरव्यू में अपनी जर्नी के बारे में बात की. साथ ही उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना पहला बॉलीवुड सॉन्ग रिकॉर्ड कर लिया है.

रश्मिका मंदाना का सिकंदर ने बिगाड़ा खेल!

रश्मिका मंदाना के लिए साल 2023 से सबकुछ बहुत जबरदस्त रहा. इस साल विकी कौशल की 'छावा' भी दुनियाभर से 800 करोड़ छापने में कामयाब हो गई, जिससे इतनी उम्मीद नहीं थी. लेकिन सलमान खान की 'सिकंदर' ने उनकी सक्सेस स्ट्रीक पर लाल गोला लगा दिया. इसके बाद उन्हें कई फिल्मों पर काम करना है, पर क्या सलमान खान की 'सिकंदर' उनके लिए खतरा बन रही है.साल 2023. दिसंबर में रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की 'हर्स्ट आई. इस फिल्म ने देखते ही देखते दुनियाभर से 917 करोड़ छाप लिए. फिर बारी थी अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' की. फिल्म कमाएगी, यह तो जानते थे. पर श्रीवल्ली की 'पुष्पा 2' ने वर्ल्डवाइड 1871 करोड़ का कारोबार कर लिया, जो देश की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बन गई. खैर, इस साल विकी कौशल के साथ 'छावा' में रश्मिका मंदाना नजर आईं. उन्होंने बेहतरीन काम किया. उम्मीद थी फिल्म थोड़ा कमा लेगी, लेकिन यह तो 800 करोड़ छापकर ले गई. पर जिस फिल्म से रश्मिका मंदाना को सबसे ज्यादा उम्मीद रही होगी, यानी सिकंदर, वो

तो 200 करोड़ तक भी नहीं पहुंची है. इसी बीच खबर है कि उनका प्रभास की फिल्म से पत्ता कटने वाला है.प्रभास इस वक्त कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रहे हैं. इनमें से एक है संदीप रेड्डी वांगा की एजेंट. इस हाई ऑक्टेन फिल्म में प्रभास मोस्ट वायलेंट और पावरफुल पुलिस ऑफिसर के रोल में दिखने वाले हैं. एग्हारदेप के मुताबिक, वांगा ने पहले प्रभास के अपोजिट रश्मिका मंदाना को लेने की प्लानिंग की थी. लगातार ब्लॉकबस्टर देने वाली रश्मिका मंदाना डायरेक्टर्स की पहली पसंद बनी थी. इसकी वजह है लोगों के बीच उन्हें लेकर बना बज. लेकिन सलमान खान की 'सिकंदर' ने उनकी स्ट्रीक तोड़ दी है. ऐसा कहा जा रहा है कि प्रभास की 400 करोड़ी फिल्म से रश्मिका मंदाना को बाहर का रास्ता दिखाने पर बात बन गई है.रिपोर्ट के मुताबिक, रश्मिका मंदाना को प्रभास के अपोजिट लगभग पक्का बताया जा रहा था. लेकिन 'सिकंदर' के बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस के बीच उन्हें नुकसान हो सकता है. ऐसा कहा गया है कि जब-जब किसी बड़ी एक्ट्रेस को कास्ट करनी की बात आती है, तो उनका बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन काफी इफेक्ट करता है. संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म में पावरफुल लव स्टोरी रखी है. फिल्म का बजट भी 400 करोड़ बताया गया है. ऐसे में रश्मिका मंदाना को 4 करोड़ फीस मिलने पर भी सहमति बन गई थी. लेकिन अब मेकर्स उनके रोल के लिए किसी दूसरी एक्ट्रेस की तलाश कर रहे हैं.

गैलेक्सी अपार्टमेंट में सलमान खान से मिलकर फैंस हुए गदगद, बांधे भाईजान की तारीफों के पुल

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान ने अपने घर गैलेक्सी

अपार्टमेंट पर फैन से मुलाकात की. एक फैन ने एक्स हैंडल पर इसके बारे में जानकारी दी और बताया कि सलमान खान रियल में बहुत अंडरस्टैंडिंग हैं. फैन ने अपने पोस्ट में सलमान की तारीफों के पुल बांध दिए.बॉलीवुड स्टार सलमान खान की दरियादिली के बारे में हर कोई जानता है. भाईजान अपने फैंस से बहुत प्यार करते हैं और जब एक फैन उनसे मिलने गया तो उन्होंने उस फैन को अच्छे से अटैंड किया. इसके बारे में फैन ने खुद सोशल मीडिया पर बताया और कहा कि सलमान के अंदर क्या-क्या क्वालिटीज हैं जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती हैं.सलमान खान के फैन ने एक्स हैंडल पर भाईजान से मिलने को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर किया. इसके बारे में लिखते हुए फैन ने बताया कि सलमान से मिलने के बाद वो दिल से उनके थैंकफुल हैं क्योंकि सलमान असल में बेहतरीन इंसान हैं.एक फैन ने लिखा, 'सलमान भाई से पर्सनली गैलेक्सी अपार्टमेंट में मिला,

'मेरी दुनिया बिखर गई थी'

सुपरस्टार के बेटे की जब पहली फिल्म हुई फ्लॉप,1 साल तक घर से बाहर नहीं रखा था कदम

नई दिल्ली. दिग्गज एक्टर मिथुन चक्रवर्ती के बेटे मिमोह चक्रवर्ती फिल्म इंडस्ट्री में पिछले कई सालों से एक्टिव हैं. हालांकि, उनका करियर कुछ खास नहीं रहा. मिमोह अपने पिता की तरह कामयाब स्टार नहीं बन पाए और आज भी अच्छे काम के लिए स्ट्रगल कर रहे हैं. हाल ही में मिमोह ने बताया कि जब उनकी उनकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिटी थी तो उनका क्या हाल हो गया था. साथ ही खुलासा किया कि कैसे सलमान खान ने उनके करियर की शुरुआत में और फिर उसके बाद भी उन्हें हमेशा सपोर्ट किया.यूट्यूब चैनल डिजिटल कमेंट्री को दिए इंटरव्यू में मिमोह चक्रवर्ती ने बताया कि सलमान ने साल 2008 में रिलीज हुई उनकी डेब्यू फिल्म जिमी को लेकर सपोर्ट किया था. उन्होंने बताया, 'सलमान भाई ने मेरी बहुत मदद की है. वह हमेशा बड़े भाई की तरह मेरे साथ रहे हैं. उन्होंने मेरे पापा को सुझाव दिया कि जिमी का टीजर उनकी फिल्म पार्टनर के साथ थिएटर्स में चलाया जाए. यह उनका ही आइडिया था और जिमी का टाइटल सोहेल खान ने दिया था.' मिमोह चक्रवर्ती की पहली फिल्म 'जिम्मी' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी.मिमोह चक्रवर्ती ने बताया कि पहली फिल्म 'जिमी' के फ्लॉप के होने के बाद उन्हें किसी इमोशनल दौर से गुजरना पड़ा. उन्होंने कहा, 'मैं अपने पूरे परिवार के साथ पार्टनर देखने थिएटर गया था. जब जिम्मी का टीजर आया, तो लोग कुछ पल के लिए चुप हो गए, फिर तालियां और सीटियां बजाने लगे. मुझे लगा कि मैं स्टार बन गया हूं. मैं उस समय सिर्फ 24-25 साल का था. वह पल ऐसा था, जैसे मैं सच में स्टार बन गया था.उन्होंने आगे कहा, 'फिल्म रिलीज होने के बाद शुक्रवार दोपहर तक सबके फोन बदल गए, चेक बाउंस हो गए, सब गायब हो

गए. मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी दुनिया बिखर गई हो. मैं शनिवार सुबह घर पर हूं, मेरा दिमाग नहीं चल रहा. मैं ब्लैंक हो गया था. मैं एक साल तक अपने घर से बाहर नहीं निकला था.मिमोह ने बताया कि बुरे वक्त में 'सुल्तान' की शूटिंग के दौरान सलमान खान ने उनका हौसला बढ़ाया. मिमोह ने कहा, 'उन्होंने मेरी मां को फोन किया और कहा कि उसे सेट पर भेजो. मैं गया और पूरा दिन उनके साथ बिताया. उन्होंने मुझे देखा और अपने असिस्टेंट डायरेक्टर से कहा कि तुम्हें लग रहा होगा कि यह मुश्किल काम है? कम से कम तुम्हारे पास मौका है. इसे देखो, इसे तो संघर्ष करने का भी मौका नहीं मिल रहा है. उनकी ये बात मुझे आज भी याद है. उन्होंने मुझे हिम्मत बनाए रखने को कहा और बोले कि सही समय पर मौके मिलेंगे और मैं तुम्हारा साथ कभी नहीं छोड़ूंगा.बताते चलें कि जिमी के बाद मिमोह चक्रवर्ती ने 'हॉन्टेड 3डी', 'लूट' और 'रॉकी' जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन इनमें से कोई भी बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई. हाल ही में वह नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'खाकीः द बंगाल चैप्टर' में नजर आए

इस सुपरस्टार की फोटो से जा सकती थी कई लोगों की जान

धड़ाम से गिरा 285 फीट का कटआउट

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से लोगों का ध्यान खींच रहा है. इस वीडियो में साउथ एक्टर अजित कुमार का एक 285 फीट का कटआउट लगा हुआ दिख रहा है. हालांकि वो अगले ही पल धड़ाम से जमीन पर गिर जाता है. इससे वहां मौजूद फैंस के बीच अफरा तफरी मच जाती है.फिल्मी सितारों को लेकर फैंस में एक अलग ही जोश देखने को मिलता है. जब भी फैंस के पसंदीदा सेलेब्स की फिल्म रिलीज होती है तो फैंस अपने चहेते स्टार्स के लिए कुछ अनोखा और खास करते हैं. हालांकि कभी कभी ज्यादा खुशी के बीच निराशा भी छा जाती है. साउथ के सुपरस्टार अजीत कुमार की अपकमिंग फिल्म 'गुड बैड अग्ली' की रिलीज से पहले भी कुछ ऐसा

ही हुआ. एक मल्टीप्लेक्स पर हाल ही में एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया.तमिल सिनेमा के चर्चित स्टार अजित कुमार अपनी अपकमिंग फिल्म 'गुड बैड अग्ली' को लेकर सुर्खियों में हैं. हालांकि इसी बीच उनके फैंस के साथ एक बड़ा हादसा हो सकता था. सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है जिसमें देखा जा सकता है कि एक्टर का 285 फीट का कटआउट अचानक से गिर गया. इससे आस-पास मौजूद फैंस में अफरा तफरी मच गई और वो इधर-उधर भागने लगे.ये हादसा 6 अप्रैल का बताया जा रहा है. तमिलनाडु के तिरुनेलवेली के पीएसएस मल्टीप्लेक्स पर अजित का एक बड़ा सा कटआउट लगाया गया था. फैंस उनकी अपकमिंग फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं और उन्होंने इसके लिए खुशी जाहिर करते हुए एक्टर का बड़ा सा बैनर लगाया था. हालांकि फैंस को अगले ही पल बड़ा झटका लगा अजित के कटआउट के पास कई फैंस मौजूद हैं. कोई उनके कटआउट को कैमरे में भी कैद कर रहा है. तब ही कटआउट धीरे-धीरे नीचे आता है. सभी लोग वहां से तुरंत ही भागने लगते हैं और अगले ही पल अजित का 285 का कट आउट धराशायी हो जाता है. बताया जा रहा है कि इस हादसे में किसी को भी कोई चोट नहीं आई है. वहीं इस मामले में अब तक अजित की तरफ से भी कुछ कहा नहीं गया है.अजित कुमार की फिल्म 'गुड बैड अग्ली' का ट्रेलर आ चुका है जिसे अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इसका मुकाबला सनी देओल की फिल्म 'जाट' से होने वाला है. जाट भी इसी दिन रिलीज होने के लिए तैयार है.

बॉलीवुड की सबसे बड़ी डिजास्टर, 45 करोड़ में बनी

कमाई बस 60 हजार, यूट्यूब पर करनी पड़ी रिलीज

साल 2023 में रिलीज हुई 'द लेडी किलर' को करीब 45 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया था. फिल्म में अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर जैसे सितारे थे.फिर भी इस फिल्म का हाल इतना बुरा रहा कि पहले दिन सिर्फ 293 टिकट ही बिके और कमाई हुई मात्र 38,000 रुपये हुई. कुल मिलाकर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर केवल 60,000 रुपये ही कमाए थे.फिल्म एक क्राइम थ्रिलर थी, लेकिन इसकी कहानी दर्शकों को बिल्कुल पसंद नहीं आई. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का क्लाइमैक्स तक शूट नहीं हो पाया था और इसे अधूरी हालत में ही सिनेमाघरों में उतार दिया गया.फिल्म की स्क्रिप्ट अजय बहल, पवन सोनी

और मयंक तिवारी ने मिलकर लिखी थी, लेकिन ये दर्शकों को बांध नहीं पाई.फिल्म की रिलीज से पहले इसे नेटफ्लिक्स पर लाने की बातचीत चल रही थी, लेकिन फिल्म का हाल देखकर ओटीटी डील भी रद्द कर दी गई. इसके बाद फिल्म को यूट्यूब पर रिलीज करना पड़ा.'द लेडी किलर' को अब हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में गिना जाता है. अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर के लिए भी यह फिल्म करियर का एक बड़ा झटका साबित हुई. फिल्म को सिर्फ 12 शो मिले थे और लोगों ने इसे पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया था.बहरहाल, फिल्म के नाम में भले ही 'किलर' था, लेकिन असल में ये फिल्म खुद ही बॉक्स ऑफिस पर 'किल' हो गई थी. आगर आप इस फिल्म को देखना चाहते हैं, तो आप इसे फ्री में यूट्यूब पर देख सकते हैं.

'लापता लेडीज ने जिंदगी बदल दी', नितांशी ने जताई किरण राव-आमिर खान के साथ फिर काम करने की इच्छा

पिछली साल रिलीज हुई फिल्म 'लापता लेडीज' को समीक्षकों और दर्शकों दोनों का ही प्यार मिला। 'आईफा अवॉर्ड्स 2025' में भी फिल्म का जलवा रहा और इसने वहां बेस्ट फिल्म समेत 10 अवॉर्ड अपने नाम किए। इस फिल्म से नितांशी गोयल को काफी पहचान मिली, जिसके बाद फैंस ने उनके अभिनय को भी सराहा। नितांशी ने इस साल पहली बार आईफा अवॉर्ड्स में हिस्सा लिया। उन्होंने इस बारे में बात करते हुए खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'मैंने आईफा हमेशा अपने परिवार के साथ टीवी पर देखा है और जब मैं इसे आज अटैंड कर रही हूं तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। खास बात यह है कि यहां हमारी फिल्म 'लापता लेडीज' को कई कैटेगरी में नॉमिनेट भी किया गया।''लापता लेडीज' के बाद मिली पहचान और प्यार के बारे में पूछने पर नितांशी ने कहा- 'इस फिल्म मुझे खास पहचान मिली है। जिंदगी में बहुत खूबसूरत सा बदलाव आया है क्योंकि हर किसी को अच्छा लगता है, जब उन्हें लोगों

से प्यार मिलता है। आप सबने तो मुझे पूरी टोकरी भरकर दे दी है प्यार की तो यह मेरे लिए बहुत अच्छा है।''लापता लेडीज' के बाद इंडस्ट्री से मिले खास समर्थन के बारे में बात करते हुए नितांशी ने कहा कि उन्हें बहुत लोगों का समर्थन और प्यार मिला। इंडस्ट्री उनके साथ बहुत प्यार से व्यवहार करती है। उन्हें फिल्म की रिलीज के बाद इंडस्ट्री के कई लोगों से खूब तारीफें सुनने के लिए भी मिलीं। नितांशी ने कहा कि इंडस्ट्री से सबसे बेहतरीन सलाह उन्हें यह मिली कि वह जैसी हैं, वैसी ही रहें और उनका यह अंदाज इंडस्ट्री में काफी आगे लेकर जाएगा। वह इन बातों को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रही हैं।इसके साथ ही नितांशी ने यह भी कहा कि उन्हें किरण राव और आमिर खान के साथ दोबारा काम करने की उम्मीदें तो हैं, लेकिन मौका मिलेगा या नहीं, ये भविष्य में पता चलेगा। सितंबर 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'लापता लेडीज' में नितांशी के अलावा स्पर्श श्रीवास्तव, प्रतिभा रांटा और रवि किशन अहम भूमिका में नजर आए थे। इसे आमिर खान ने प्रोड्यूस और किरण राव ने डायरेक्ट किया था।

15 साल की उम्र में छोड़ा घर, खुद धोते हैं कपड़े, जानिए अक्षय के बेटे के बारे में दिलचस्प बातें

अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के बेटे आरव भाटिया इन दिनों सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्हें ईद के मौके पर हुमा कुरैशी के सेलिब्रेशन में अपनी कजिन सिमर भाटिया के साथ देखा गया। 22 साल के आरव ने हमेशा फिल्म इंडस्ट्री और मीडिया की चमक-

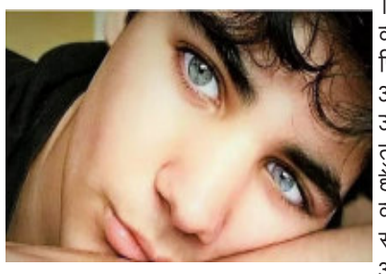

दमक से दूरी बनाए रखी है। हालांकि, लोगों को उनकी निजी जिंदगी के बारे में जानने की काफी उत्सुकता रहती है। तो चलिए जानते हैं उनके बारे में कुछ दिलचस्प बातेंआरव भाटिया की लाइफस्टाइल बॉलीवुड के ग्लैमर से बिल्कुल जुदा है। अक्षय कुमार ने क्रिकेटर शिखर धवन के साथ एक इंटरव्यू में अपने बेटे के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने साझा किया था कि आरव को फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है। उनकी दुनिया फैशन, खेल और मार्शल आर्ट्स के इर्द-गिर्द घूमती है। अक्षय ने कहा था, 'मुझे और ट्विंकल को इस बात की खुशी है कि आरव बहुत सादगी भरा लड़का है। मेरी बेटी को कपड़े पसंद हैं, लेकिन आरव को फैशन के अलावा कुछ और चाहिए। वह अपने कपड़े खुद धोता है, खाना बनाना जानता है, महंगे कपड़ों को न लेकर सेकंड हैंड स्टोर से कपड़े खरीदता है। हमने उस पर कभी कुछ नहीं थोपा। उसने खुद कहा कि उसे फिल्मों में नहीं आना। मैंने उससे कहा- ये तुम्हारी जिंदगी है, जो चाहो वो करो।'आरव की सादगी और अपने फैसले खुद लेने की चाहत उन्हें अलग राह पर ले गई। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने घर छोड़ दिया और अपनी मंजिल की तलाश में निकल पड़े। आज वो लंदन की एक यूनिवर्सिटी में फैशन की पढ़ाई कर रहे हैं। अक्षय ने उस बातचीत में यह भी कहा था कि इतनी कम उम्र में बेटे को दूर भेजना में उन्हें अच्छा नहीं लगा, लेकिन फिर उन्हें अपनी जिंदगी याद आई। अक्षय भी 14 साल की उम्र में अपने सपनों के पीछे घर से निकल गए थे।अक्षय के वर्क फ्रंट की बात करें तो 'स्काई फोर्स' के बाद वह वेलकम टू द जंगल, 'भूत बंगला' और 'हेरा फेरी 3' जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा उनके पास जॉली एलएलबी 3 भी है। फैंस को इन फिल्मों का लंबे समय से इंतजार है।

अजय देवगन के साथ काम कर चुके शरद केलकर इस एक्टर के बने कायल

अभिनेता शरद केलकर ने टीवी सीरियल के जरिए अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। फिल्मों में भी कई तरह के किरदार वह निभा चुके हैं। हाल ही में शरद केलकर ने ऐसे अभिनेता का जिक्र किया, जो अपने मस्तमौला अंदाज के लिए जाना जाता है लेकिन फिल्मों को लेकर उनकी टेक्निकल नॉलेज काफी अच्छी है। जानिए, कौन है वो कलाकार जिसको शरद केलकर सराह रहे हैं। फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में शरद केलकर ने अपने करियर से जुड़ी कई बातें साझा कीं। इस दौरान अभिनेता ने अजय देवगन के अलावा एक चर्चित अभिनेता का भी जिक्र किया जिनको अभिनय के अलावा फिल्मों की मेकिंग की टेक्निकल नॉलेज भी काफी है। शरद कहते हैं, 'मैंने अजय देवगन के साथ फिल्म 'ताण्हाजी' में काम किया, उन्हें फिल्मों से जुड़ी अच्छी टेक्निकल नॉलेज है। ऐसे ही अक्षय कुमार भी हैं। वह सेट पर जरूर कूल नजर आते हैं

होटल में एक्टर ने की थी ऐसी हरकत

मुसीबत में फंसी मलाइका अरोड़ा, सैफ अली खान से जुड़े मामले में फिर जारी हुआ वारंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा से जुड़ी कानूनी पचड़े में फंसती नजर आ रही हैं। मुंबई के कोर्ट ने एक्ट्रेस के खिलाफ वारंट जारी किया है। पूछताछ के लिए पेश नहीं होने पर उनके खिलाफ फिर से जमानती वारंट जारी किया गया है। इसका कनेक्शन एक्टर सैफ अली खान से है। सैफ अली खान के 2012 मारपीट मामले में मलाइका अरोड़ा को गवाह के तौर पर पेश होने के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह नहीं पहुंची।सैफ अली खान से जुड़ा ये मारपीट का मामला 13 साल बाद एक बार फिर सुर्खियों में हैं। होटल में डिनर करने गए सैफ की बिजनेसमैन इकबाल मीर शर्मा के साथ लड़ाई हो गई थी। बिजनेसमैन और उनके ससुर ने एक्टर पर धमकी देने और मारपीट का आरोप लगाया था। जिस वक्त ये घटना हुई वहां सैफ के साथ उनकी पत्नी करीना कपूर, करिश्मा कपूर, मलाइका अरोड़ा और मलाइका की बहन अमृता अरोड़ा समेत और भी कई एक्टर्स मौजूद थे।इससे पहले कोर्ट ने 15 फरवरी को मलाइका अरोड़ा के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था, लेकिन वह अदालत

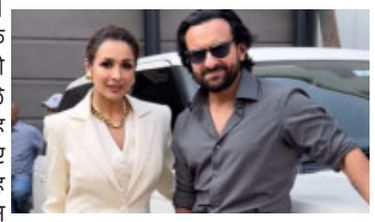

में पेश नहीं हुईं। इसके बाद सोमवार (7 अप्रैल) को फिर से वारंट जारी किया गया। मामले में आगे की सुनवाई 29 अप्रैल को होनी है। जान लें कि मामले में होटल में मौजूद गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहा हैं। हाल ही में अमृता अरोड़ा ने कोर्ट में पेश होकर अपना बयान दर्ज किया था। लेकिन मलाइका पेशी के लिए कोर्ट नहीं पहुंची।जान लें कि भारतीय मूल के साउथ अफ्रीकी बिजनेसमैन इकबाल मीर शर्मा ने जब इस मामले में शिकायत कराई थी, उसके बाद सैफ अली खान के साथ दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि बाद में तीनों को जमानत पर रिहा कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक होटल में बिजनेसमैन ने सैफ और उनके दोस्तों को शोर-शराबा करने को मना किया। इस पर एक्टर भड़क गए और उन्होंने उन्हें धमकाया। बाद में उनकी नाक पर मुक्का मारा जिससे उनकी नाक की हड्डी टूट गई थी। सैफ और उनके दोस्तों पर बिजनेसमैन ने अपने ससुर रमन पटेल को पीटने का भी आरोप लगाया।वहीं, सैफ इन आरोपों को नकारते हैं। एक्टर ने मामले को लेकर आरोप लगाया कि बिजनेसमैन ने उनके साथ आई महिलाओं को लेकर अभद्र बातें कही थीं, जिसके चलते विवाद हुआ।

दीपिका पादुकोण के को-स्टार धैर्य करवा ने गुपचुप रचाई शादी

दीपिका पादुकोण की फिल्म 'गहराइयां' में उनके पति की भूमिका निभाने के लिए मशहूर अभिनेता धैर्य करवा ने हाल ही में गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। अभिनेता की शादी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है, जिसमें वह अपनी दुल्हन के साथ मंडप में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि इस तस्वीर ने प्रशंसकों के बीच उत्सुकता जगा दी है, लेकिन धैर्य के साथी की पहचान गुप्त रखी गई है, जिसकी अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि या विवरण सामने नहीं आया है।

करीना ने कहा- जब मैं घर पहुंची तो हमलावर बेटे के कमरे में मौजूद था

सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में मुंबई पुलिस ने बांद्रा कोर्ट में 1613 से ज्यादा पेज की चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में कई खुलासे किए गए हैं। सैफ अली खान पर 15 जनवरी की रात करीब ढाई बजे चाकू से हमला किया गया था। चार्जशीट में सैफ की वाइफ करीना कपूर का भी बयान है। एक्ट्रेस ने स्टेटमेंट में कहा कि घटना वाले दिन मैं अपनी दोस्त रिया कपूर से मिलकर रात 1 बजे घर लौटी। करीब 2 बजे जहांगीर की नैनी उनके कमरे से चिल्लाते हुए बाहर आई। नैनी ने बताया था कि जेह बाबा (जहांगीर) के कमरे में एक आदमी है और उसके हाथ में चाकू है। वह पैसे मांग रहा है। इसके बाद करीना और सैफ जहांगीर के कमरे में पहुंचे और हमलावर को देखा। तभी हमलावर ने सैफ पर चाकू से वार किया। इस चार्जशीट में 35 गवाहों के स्टेटमेंट के साथ-साथ 25 सीसीटीवी फुटेज भी शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने चार्जशीट में कई सीसीटीवी फुटेज का जिक्र किया है, इस सीसीटीवी फुटेज में आरोपी शरीफुल इस्लाम पूरे रास्ते से लेकर सैफ के अपार्टमेंट तक जाते हुए नजर आ रहा है। पुलिस का कहना है कि उन्होंने मामले की जांच में करीब 300 सीसीटीवी फुटेज फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी भेजे थे, जिनमें से 25 फुटेज में शरीफुल दिखाई दे रहा है। पुलिस ने आरोपी शरीफुल इस्लाम के मोबाइल फोन की लोकेशन को भी सबूत के तौर पर चार्जशीट में दर्ज किया है। फोन की लोकेशन के साथ इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल्स रिपोर्ट को भी पुलिस ने चार्जशीट में शामिल किया। इसके अलावा पुलिस ने ये दावा किया है कि हमले के बाद आरोपी ने डेटा कॉल का इस्तेमाल कर बांग्लादेश में अपने घरवालों से बातचीत की थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी से बरामद टुकड़ा, वारदात की जगह से मिला हिस्सा और सैफ की रीढ़ की हड्डी से निकला टुकड़ा, तीनों एक ही चाकू के हैं। पुलिस ने चार्जशीट में क्राइम सीन रिक्रिएशन की रिपोर्ट का भी जिक्र किया है, इसमें उन्होंने पूरी घटना के बारे में बताया। चार्जशीट में आरोपी के बाएं हाथ के फिंगरप्रिंट की रिपोर्ट का भी जिक्र है। सैफ अली खान पर 15 जनवरी को उनके घर सतगुरु शरण अपार्टमेंट में घुसकर हमला हुआ था। इसके बाद सैफ खुद अस्पताल पहुंचे थे। उन्हें हाथ, रीढ़ की हड्डी और पीठ पर चोटें आई थीं। इलाज के बाद एक्टर को 21 जनवरी को डिस्चार्ज किया गया। पुलिस ने 2 दिन बाद बांग्लादेशी नागरिक शरीफुल इस्लाम को गिरफ्तार किया था। करीना ने कहा- जब मैं घर पहुंची तो हमलावर बेटे के कमरे में मौजूद था

सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में मुंबई पुलिस ने बांद्रा कोर्ट में 1613 से ज्यादा पेज की चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में कई खुलासे किए गए हैं। सैफ अली खान पर 15 जनवरी की रात करीब ढाई बजे चाकू से हमला किया गया था। चार्जशीट में सैफ की वाइफ करीना कपूर का भी बयान है। एक्ट्रेस ने स्टेटमेंट में कहा कि घटना वाले दिन मैं अपनी दोस्त रिया कपूर से मिलकर रात 1 बजे घर लौटी।

करीब 2 बजे जहांगीर की नैनी उनके कमरे से चिल्लाते हुए बाहर आई। नैनी ने बताया था कि जेह बाबा (जहांगीर) के कमरे में एक आदमी है और उसके हाथ में चाकू है। वह पैसे मांग रहा है। इसके बाद करीना और सैफ जहांगीर के कमरे में पहुंचे और हमलावर को देखा। तभी हमलावर ने सैफ पर चाकू से वार किया।

इस चार्जशीट में 35 गवाहों के स्टेटमेंट के साथ-साथ 25 सीसीटीवी फुटेज भी शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने चार्जशीट में कई सीसीटीवी फुटेज का जिक्र किया है,

32 साल बाद इस एक्टर के साथ काम करना चाहते हैं सनी देओल, बोले- 'हमने साथ में सिर्फ एक ही फिल्म की

सनी देओल फिल्म 'जाट' के जरिए जल्द ही दर्शकों के बीच पहुंचेंगे। फिल्म की रिलीज डेट एकदम नजदीक है। इस फिल्म के प्रमोशन में जोर-शोर से जुटे सनी देओल ने इंडस्ट्री के एक एक्टर के साथ फिर से काम करने की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने उस एक्टर का नाम लिया है, जिसके साथ करीब 16 साल तक उन्होंने बात तक नहीं की थी। मगर, अब वे एक और फिल्म उनके साथ करना चाहते हैं और वो एक्टर कोई और नहीं, बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान हैं।शाहरुख खान और सनी देओल ने फिल्म 'डर' में साथ काम किया। साल 1993 में आई इस फिल्म की शूटिंग के दौरान ही दोनों के बीच अनबन हो गई थी और यह अनबन ऐसी रही कि 16 साल तक दोनों ने एक-दूसरे से बात तक नहीं की। हालांकि, अब इनके बीच सबकुछ नॉर्मल हो चुका है। यहां तक कि सनी देओल ने हाल ही में शाहरुख खान के साथ फिर से काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने पिंकविला के साथ एक इंटरव्यू में यह खुलासा किया है।दरअसल, बातचीत में सनी देओल से पूछा गया कि वे दो हीरो वाली फिल्म में किस अभिनेता के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना चाहेंगे? इस पर सनी देओल ने बेझिझक होकर कहा, 'ऐसे फैसला करना किसके साथ करूंगा नहीं...मेरा मतलब है, मुझे यह करना अच्छा लगेगा। मुझे लगता है कि जो कोई भी...शाहरुख के साथ एक ही फिल्म की थी।

हम पी.एस.एल में अच्छा खेले तो वे आई.पी.एल देखना बंद कर देंगेः पाक बॉलर हसन

नई दिल्लीः पाकिस्तान के गेंदबाज हसन अली ने दावा किया है कि अगर पाकिस्तानी क्रिकेट लीग में उनके खिलाड़ी

अच्छा खेलते हैं, तो उन्हें देखने के लिए फैंस इंडियन प्रीमियर लीग छोड़ देंगे। 30 साल के मीडियम फास्ट बॉलर पाकिस्तान क्रिकेट लीग शुरू होने से पहले जियो टीवी से बात कर रहे थे। उन्होंने पी.एस.एल के भारतीय लीग आई.पी.एल से क्लैश के सवाल पर कहा- 'फैंस ऐसे टूर्नामेंट देखते हैं, जहां मनोरंजन के साथ अच्छा क्रिकेट होता है। अगर हम पी.एस.एल में अच्छा खेलते हैं, तो दर्शक हमें देखने के लिए आई.पी.एल छोड़ देंगे।' पाकिस्तान के इंटरनेशनल शेड्यूल के कारण पी.एस.एल की शुरुआत 11 अप्रैल से हो रही है। इसी समय भारत में आई.पी.एल चल रहा है। आमतौर पर पी.एस.एल का आयोजन फरवरी-मार्च के बीच होता है। हसन अली ने अभी तक पी.एस.एल में कुल 82 मैच खेलें है। जिसमें उन्होंने 8.03 की इकॉनमी से 108 विकेट झटके हैं। अपने पी.एस.एल करियर में वो पेशावर जाल्मी, इस्लामाबाद यूनाइटेड और कराची किंग्स की तरफ से खेल चुके हैं। पी.एस.एल भारतीय लीग आई.पी.एल के जैसा टी-20 टूर्नामेंट है। इस साल टूर्नामेंट का 10वां सीजन होगा। टूर्नामेंट चार शहरों कराची, मुल्तान, रावलपिंडी और लाहौर में आयोजित होगा। इसमें 6 टीमें हिस्सा लेंगी। हसन इसमें कराची किंग्स की तरफ से खेलेंगे। यह टूर्नामेंट पिछले साल इस्लामाबाद यूनाइटेड ने जीता था। उससे पहले के दोनों सीजन लाहौर कलंदर्स ने जीते थे। इस सीजन में खेलने वाली टीमों में इस्लामाबाद यूनाइटेड, लाहौर कलंदर्स, क्वेटा ग्लैडिएटर्स, पेशावर जाल्मी, कराची किंग्स और मुल्तान सुल्तांस शामिल हैं।

क्रिकेटर प्रियांश आर्य को लेकर सिद्धू की भविष्यवाणी

नई दिल्लीः मोहाली के मुल्लांपुर स्थित स्टेडियम में पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के हीरो रहे प्रियांश आर्य को लेकर पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने बड़ी भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा है कि आर्य भारत के लिए खेलेगा ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक खेलेगा।वहीं, उन्होंने कहा कि सचिन तेंदुलकर के बाद यह दूसरा खिलाड़ी है जो चमत्कार है। इससे जुड़ा एक वीडियो उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर शेयर किया है। उन्होंने कहा डिब्बी में पड़े हीरे का पता नहीं चलता है, जब वह हाथ में आता है तो उसकी कीमत पता चलती है।नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, 'जब डिब्बी में हीरा पड़ा हो, तो उसका पता नहीं चलता। जब वह हाथ में आता है, तो उसकी असली कीमत समझ में आती है। प्रियांश आर्य के बारे में मैं ठोक कर दावा करता हूं कि वह भारत के लिए लंबे समय तक खेलेगा। सचिन तेंदुलकर के बाद यह दूसरा खिलाड़ी है जो चमत्कार है।'उन्होंने आगे कहा, 'आज उसने 42 गेंदों में शतक जड़ा है।सिद्धू ने कहा कि किन परिस्थितियों में आर्य ने शतक जड़ा है, यह देखना जरूरी है। सामने कौन से गेंदबाज थे और उसने 250 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उस परिस्थिति में, जहां टीम को नैया पार लगाने की जरूरत थी। श्रेयस अय्यर आउट हो चुके थे। बड़ेरा और प्रभसिमरन सिंह भी वापस जा चुके थे।'सिद्धू ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'आपने गाना सुना होगा 'गोरी है कलाइयां', लेकिन यह तकड़ी कलाइयां हैं। जैसे मोहम्मद अजहरुद्दीन या गुंडप्पा विश्वनाथ की थीं। प्रियांश ने हर प्वाइंट पर छक्का मारा, कवर पर छक्का मारा और उन्हीं कलाइयों को घुमाकर मिड विकेट पर भी छक्के मारे। उसने पूरी रेंज दिखा दी।'उन्होंने कहा, 'सामने गेंदबाज कौन थे? रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन (500 विकेट लेने वाले गेंदबाज) और मथीशा पथिराना। नूर अहमद जैसे गेंदबाज, जो बल्लेबाजों को घुमा देते हैं। उनके सामने ऐसा प्रदर्शन करना और एक हारा हुआ मैच पंजाब की झोली में डाल देना गजब है।'

राहुल ने सिक्स से दिलाई शानदार जीत

विपराज ने सॉल्ट को रनआउट किया

आई.पी.एल -18 के 24वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने चौथी जीत दर्ज करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हरा दिया। गुरुवार को आर.सी.बी के 164 रन के जवाब में डी.सी ने केएल राहुल के नाबाद 93 रन की बदौलत 4 विकेट खोकर 169 रन बनाए और 13 बॉल रहते जीत हासिल कर ली। चिन्नास्वामी स्टेडियम में रोचक लम्हे देखने को मिले। विपराज निगम ने फिल सॉल्ट को रनआउट किया। मिचेल स्टार्क के डाइविंग कैच से विराट कोहली आउट हुए। रजत पाटीदार ने राहुल का कैच छोड़ा। उन्होंने सिक्स लगाकर मैच जिताया। बेंगलुरु ने आई.पी.एल में अपनी दूसरी सबसे तेज फिफ्टी बनाई।चौथे ओवर की पांचवीं बॉल पर फिल सॉल्ट रनआउट हुए। अक्षर पटेल के ओवर की पांचवीं बॉल पर सॉल्ट ने शॉर्ट कवर पर शॉट खेला और रन के लिए भागे, लेकिन विराट कोहली ने मना कर दिया। यहां खड़े विपराज निगम ने विकीटकीपर केएल राहुल के पास थ्रो किया और उन्होंने सॉल्ट को 37 रन पर आउट कर दिया।बेंगलुरु की पारी के 7वें ओवर में विराट कोहली कैच आउट हुए।

विपराज के ओवर की आखिरी बॉल पर कोहली ने सामने की तरफ शॉट खेला, लेकिन बॉल को टाइम नहीं कर पाए। लॉन्ग ऑफ पर खड़े मिचेल स्टार्क ने सामने की तरफ भागकर डाइव लगाई और कैच लपक लिया। कोहली ने 22 रन बनाए।कप्तान रजत पाटीदार ने केएल राहुल को 5 रन पर जीवनदान दिया। तीसरे ओवर की दूसरी बॉल यश दयाल ने सामने की तरफ फेंकी। राहुल ने बड़ा शॉट खेला। मिड ऑफ पर खड़े रजत ने पीछे की तरफ भागकर डाइव लगाई, लेकिन बॉल उनके हाथ से लगकर ग्राउंड पर गिर गई।18वें ओवर की आखिरी बॉल पर केएल राहुल ने सिक्स लगाकर मैच दिल्ली के नाम कर दिया। यश दयाल ने ओवर की पांचवीं बॉल फुल टॉस फेंकी। राहुल ने फ्लिक शॉट खेला और बॉल डीप फाइन लेग के ऊपर से सिक्स के लिए चली गई। आर.सी.बी ने कल 3 ओवर में अपने पचास रन पूरे किए। यह टीम के आई.पी.एल इतिहास की दूसरी सबसे तेज फिफ्टी थी। इसके पहले उन्होंने 2011 में बेंगलुरु में ही कोच्चि टस्कर्स करेल के खिलाफ 2.3 ओवर में यह मुकाम हासिल किया था।बेंगलुरु आई.पी.एल के एक ही मैदान पर सबसे ज्यादा हारने वाली टीम बनी। टीम को बेंगलुरु में 45 बार हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स का नंबर आता है, जिन्होंने दिल्ली में 44 हारें झेली हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स को कोलकाता में 38 हार मिली हैं, जबकि मुंबई इंडियंस ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 34 बार हार का सामना किया।विकेट भी शामिल था। 2. वैभव अरोड़ा ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मेडन ओवर फेंका, जिसमें एक विकेट भी था। 3. मुकेश कुमार ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ मेडन ओवर फेंका, जिसमें भी एक विकेट था। आई.पी.एल 2022 से अब तक 16 से 20 ओवरों में सबसे ज्यादा रन टिम डेविड ने बनाए हैं। वे अब तक 630 रन बना चुके हैं और उनका स्ट्राइक रेट 195.04 है। इसके बाद शिमरॉन हेटमायर 609 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जिनका स्ट्राइक रेट 177.03 है। तीसरे नंबर पर दिनेश कार्तिक हैं, जिन्होंने 607 रन बनाए हैं, और उनका स्ट्राइक रेट 195.17 है। केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स ने दिल्ली कैपिटल्स के 5वें विकेट या उससे नीचे के लिए सबसे बड़ी साझेदारी की। दोनों ने मिलकर नाबाद 111 रन जोड़े। इससे पहले 2014 शारजाह में रॉस टेलर और जेपी डुमिनी ने आर.सी.बी के खिलाफ 110 रन की नाबाद साझेदारी की थी।

बचपन में मोटापे से परेशान,अब विश्व चैंपियन

हरियाणाः हरियाणा के झज्जर जिले के गांव जहांगीरपुर का बेटा हितेश गुलिया राष्ट्रीय चैंपियन के बाद वर्ल्ड चैंपियन में खिताब जीतने वाला पहला खिलाड़ी बन गया है। बचपन में हितेश का वजन अधिक होने के कारण परिवार ने अकादमी में भेज दिया था। अब उन्होंने ब्राजील में आयोजित वर्ल्ड कप मुक्के बाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। वहीं हितेश के सम्मान में गांव जहांगीरपुर में पंचायत की ओर से समारोह का आयोजन किया गया। ब्राजील के फोझ डो इगुआकु में हाल ही में आयोजित हुई विश्व मुक्केबाजी प्रतियोगिता में झज्जर के गांव जहांगीरपुर के हितेश गुलिया ने स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश व देश का नाम रोशन किया है। हितेश की जीत की खुशी में उसका स्वागत करने के लिए उसका परिवार और गांव के लोग बड़ी ही धूमधाम से स्वागत किया।हितेश का गांव की तरफ से बड़ी ही शान और शौकत से स्वागत किया गया। हितेश के पिता ने बताया कि उन्होंने बताया कि हितेश का गांव में स्वागत किया गया। हर कोई हितेश के आने का इंतजार कर रहा था। गांव में समारोह को लेकर उसके पदक जीतते

ही तैयारियां शुरू कर दी गई थी। पेश से ठेकेदार रहे हितेश के पिता सत्यवान के अनुसार हितेश को दाल चूरमा बहुत पसंद है और उसके यहां गांव में आने पर दाल चूरमा खिलाया जाता है। जब वह गांव आता है तो उसकी स्पेशल डिमांड सिर्फ दाल चूरमा की ही होती है। हितेश की जीत की खुशी की चमक उसके पिता सत्यवान, मां शर्मिला और बहन चेतना के चेहरे पर अलग तरह से दिखाई दी।हितेश के पिता सत्यवान कहते हैं कि बचपन में हितेश का वजन बहुत ज्यादा था। उन्होंने उसका वजन कम करने और शारीरिक अभ्यास करने के लिए ही हितेश को झज्जर में अकादमी के अंदर भर्ती कराया था। यहां उसके कोच हितेश की मेहनत का ही परिणाम है कि उसने यह मुकाम हासिल किया।उन्होंने कहा कि ब्राजील में स्वर्ण जीतना एक तरह से हितेश के खेल की शुरुआत है। अभी हितेश को देश के लिए ओलिम्पिक खेलना है और इसकी तैयारी में वह जुटा हुआ भी है। मौजूदा समय में उनका टारगेट कॉमनवैल्थ और एशियन गेम खेलने का प्रयास है। अभी हितेश को बहुत ज्यादा खेलना है और देश के लिए पदक हासिल करना है।मां शर्मिला बोली कि बेटे के गोल्ड जीतने की खुशी पूरे परिवार के चेहरे पर है। दाल चूरमा खिलाकर हितेश का स्वागत किया जाएगा।

रिव्यू लेने के कारण आउट हुए बटलर

गुजरात टाइटंस ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स को 58 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। आई.पी.एल में बुधवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात ने 217 रन बनाए। जवाब में रॉयल्स की टीम 159 रन ही बना सकी। गुजरात के जोस बटलर रिव्यू लेने के कारण आउट हुए। शुभम दुबे और अरशद खान ने आसान कैच छोड़े। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 ओवर में 2 विकेट लिए।गुजरात टाइटंस के जोस बटलर डी.आर.एस के चलते आउट हुए। 10वें ओवर की आखिरी बॉल महीश तीक्षणा ने गुड लेंथ पर फेंकी, गेंद बटलर के पैड्स पर लगी। राजस्थान ने एल.बी.डब्लू की अपील की, लेकिन अंपायर ने नॉटआउट का फैसला दिया। बॉलर से डिस्कशन के बाद कप्तान संजू सैमसन ने रिव्यू लिया। रिप्ले में नजर आया कि बॉल बटलर के लेग स्टंप को लग रही थी। अंपायर ने अपना फैसला बदला और बटलर को 25 गेंद पर 36 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके लगाए।19वें ओवर में यशस्वी जायसवाल ने राशिद खान का बेहतरीन कैच पकड़ा। ओवर की

आखिरी बॉल तुषार देशपांडे ने गुड लेंथ पर फेंकी, राशिद ने फ्लिक किया और बॉल स्क्वेयर लेग की ओर जाने लगी। अंपायर के पास खड़े यशस्वी ने अपने दाएं तरफ डाइव लगाई और बेहतरीन कैच पकड़ लिया। राशिद 12 रन बनाकर आउट हुए।राजस्थान रॉयल्स के शुभम दुबे ने आसान कैच छोड़ा। 18वें ओवर की आखिरी बॉल जोफ्रा आर्चर ने बाउंसर फेंकी, सुदर्शन ने पुल शॉट खेला और गेंद स्क्वेयर लेग की ओर चली गई। बाउंड्री पर खड़े दुबे गेंद को जज नहीं कर सके और कैच उनके हाथ से छूट गया। हालांकि, सुदर्शन अगले ही ओवर में आउट हो गए। उन्होंने 82 रन बनाए।गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 ही ओवर में 2 विकेट झटक लिए। उन्होंने 16वें ओवर की तीसरी गेंद पर जोफ्रा आर्चर और छठी गेंद पर शिमरोन हेटमायर को पवेलियन भेजा। प्रसिद्ध ने 13वें ओवर में राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन का बड़ा विकेट भी लिया था।गुजरात के अरशद खान ने 16वें ओवर में शिमरोन हेटमायर को जीवनदान दिया। ओवर की पहली बॉल साई किशोर ने ऑफ स्टंप के बाहर फेंकी। अरशद एक्स्ट्रा कवर्स से दौड़ते हुए आए और कैच लेने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से छूट गई।

लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट खेला जाएगा

नई दिल्लीः ओलिंपिक गेम्स 2028 में क्रिकेट के मेंस और विमेंस दोनों ही कैटेगरी में कुल 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी। इसका ऐलान इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी ने बुधवार को किया। दोनों कैटेगरी में सभी छह टीमें अपने-अपने स्क्वॉड में 15 मेंबर्स चुन सकती हैं। ओलिंपिक में क्रिकेट को पिछले साल शामिल किया गया था। इसमें क्रिकेट के टी-20 फॉर्मेट को चुना गया है।ओलिंपिक में क्रिकेट केवल एक बार शामिल हुआ था। ओलिंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी होगी। इससे पहले क्रिकेट 1900 के पेरिस ओलिंपिक में शामिल हुआ था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस की टीमों ने इसमें हिस्सा लिया था। ग्रेट ब्रिटेन ने गोल्ड और फ्रांस ने सिल्वर मेडल जीता था। दोनों टीमों के बीच केवल एक ही मैच खेला गया था और इसी मैच को फाइनल घोषित कर दिया गया था। क्रिकेट इवेंट्स किस वेन्यू पर खेले जाएंगे, फिलहाल इसका ऐलान नहीं हुआ है। हालांकि न्यूयॉर्क मैचों की मेजबानी करने की रेस में है। अभी तक 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रोसेस के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें मेजबान कोटे का फायदा मिलेगा। इसका मतलब होगा कि अमेरिका के अलावा पांच और टीमें हिस्सा ले सकेंगी और उन्हें क्वालिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा। क्रिकेट कॉमनवेल्थ गेम्स में भी 2 बार 1998 और 2022 में शामिल किया गया है। वहीं एशियन गेम्स में 2010, 2014 और 2023 में तीन बार क्रिकेट को जगह मिली। 2023 एशियन गेम्स में भारत ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में अपनी टीमें भेजीं और दोनों में भारत ने गोल्ड मेडल जीता। 2028 ओलिंपिक में कुल 351 मेडल इवेंट्स होंगे, जो पेरिस 2024 के 329 इवेंट्स से 22 ज्यादा हैं। कुल एथलीटों की संख्या 10,500 रखी गई है। इनमें 5,333 विमेंस और 5,167 मेंस एथलीट शामिल हैं।

राजस्थान रॉयल्स पर स्लोओवर के लिए दूसरी बार फाइन

नई दिल्लीः राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और उनकी

टीम पर स्लोओवर रेट के लिए जुर्माना लगाया गया है। आई.पी.एल के नियम 2.22 के तहत राजस्थान टीम का इस सत्र में दूसरा अपराध था। इसलिए सैमसन पर 24 लाख का जुर्माना लगाया गया है। वहीं टीम की प्लेइंग इलेवन और इम्पैक्ट प्लेयर पर भी 6 लाख रुपया या मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया है।अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बुधवार (9 अप्रैल) को खेले गए मैच में राजस्थान को 58 रन से हार का सामना करना पड़ा।गुजरात टाइटंस से मिले 218 रन के बड़े टारगेट के सामने राजस्थान रॉयल्स बिखर गई। टीम 159 रन ही बना पाई। गुजरात से साई सुदर्शन ने 82 रन बनाए। राजस्थान से शिमरोन हेटमायर ने 52 और संजू सैमसन ने 41 रन बनाए। महीश तीक्षणा और तुषार देशपांडे को 2-2 विकेट मिले। गुजरात के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 विकेट लिए। साई किशोर और राशिद खान को 2 विकेट मिले।इस सीजन में राजस्थान रॉयल्स का स्लोओवर का दूसरा अपराध है। इससे पहले 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच में लगाया गया था। उस समय टीम की कप्तानी रियान पराग कर रहे थे। उन पर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया था। सीजन में स्लोओवर के लिए पांचवीं बार जुर्माना लगाया गया है। राजस्थान रॉयल्स पर दो बार, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में एक-एक बार जुर्माना लगाया जा चुका है।

जिसपर धोनी हुए थे मेहरबान..आउट होने के बाद भी बैटिंग के लिए बुलाया

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर इयान बेल

आज 43 साल के हो गए. बेल का पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से भी खास कनेक्शन रहा है. धोनी ने एक मुकाबले के के दौरान अंपायर के आउट देने के बावजूद भी बेल को मैदान पर वापस बुला लिया था.इयान बेल का शुमार आधुनिक दौर के बेहतरीन इंग्लिश क्रिकेटरों में होता है. इयान बेल ने इंग्लैंड को अपने दम पर कई मुकाबले जितवाए. इंटरनेशनल क्रिकेटर में बेल ने 13000 हजार से ज्यादा रन बनाए थे.

चंडीगढ़ की काशवी का भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन

चंडीगढ़ की युवा ऑलराउंडर काशवी गौतम को भारतीय महिला क्रिकेट टीम में पहली बार जगह मिली है। उन्हें श्रीलंका में 27 अप्रैल से शुरू होने जा रही भारत,

श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाली 3 देशों की सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। उनके चयन की पुष्टि बीसीसीआई द्वारा यु.टी.सी.ए को भेजे गए आधिकारिक पत्र के माध्यम से हुई। यूटीसीए के अध्यक्ष संजय टंडन ने बताया काशवी गौतम भारतीय टीम की जर्सी पहनने वाली यूटीसीए (यूनियन टेरिटरी क्रिकेट एसोसिएशन) की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत करियर के लिए, बल्कि चंडीगढ़ और यूटीसीए के लिए भी ऐतिहासिक मानी जा रही है।यह त्रिकोणीय श्रृंखला 27 अप्रैल से शुरू होकर 11 मई तक चलेगी। भारत अपने पहले मुकाबले में मेजबान श्रीलंका से भिड़ेगा। हर टीम चार-चार मैच खेलेगी और शीर्ष दो टीमें फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।काशवी को 2025 वीमेंस प्रीमियर लीग में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के चलते भारतीय टीम में चुना गया है। उन्होंने गुजरात जायंट्स की ओर से खेलते हुए 9 मैचों में 11 विकेट झटके थे और वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज रहीं। इसके अलावा, वह इस समय देहरादून में चल रहे सीनियर महिला मल्टी डेज टूर्नामेंट में खेल रही हैं। जहां उन्होंने तीन मैचों में 194 रन बनाए हैं, जिसमें एक नाबाद शतक (106 रन) भी शामिल है। तेज गेंदबाजी, सटीक नियंत्रण और मैच विनिंग स्पेल्स की बदौलत उन्होंने चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा।यूटीसीए के ज्वाइंट सेक्रेटरी रविंद्र सिंह बिल्ला ने कहा चयन ऐसे समय पर हुआ है जब भारतीय महिला टीम अपने घर में सितंबर-अक्टूबर 2025 में होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप की तैयारी में जुटी है।

100+ मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान हैं धोनी, गायकवाड पूरे सीजन से बाहर

नयी दिल्लीः एमएस धोनी चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी करते नजर आएंगे। टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड इंजरी के कारण आई.पी.एल के 18वें सीजन से बाहर हो गए हैं। यह जानकारी टीम के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने दी। चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी गायकवाड की इंजरी के बारे में बताया।गायकवाड की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स बहुत खराब दौर से भी गुजर रही है। टीम पिछले सीजन प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी और अब शुरुआती 5 मैचों में से 4 हार चुकी है। टीम फिलहाल 10 टीमों में 9वें नंबर पर हैं।कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा, 'जहां तक ?रिप्लेसमेंट की बात है तो हमारे पास टीम में कुछ ही विकल्प हैं। हमने अभी तक किसी पर फैसला नहीं किया है। धोनी कमान संभालने के लिए तैयार थे। इसलिए उन्हीं का नाम फाइनल किया गया।'गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान गायकवाड को तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे की गेंद कोहनी पर लगी थी।उन्होंने मैच में अर्धशतक जरूर जड़ा था, लेकिन चेन्नई मुकाबला हार गई थी। गायकवाड ने मैच के बाद कुछ दिन ट्रेनिंग नहीं की थी। अब वे टूर्नामेंट से बाहर ही हो गए।चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच ने धोनी की

फिटनेस को लेकर अपडेट दिया था। उन्होंने बताया कि धोनी के घुटने पहले जैसे नहीं रहे और इसी वजह से वे 10 ओवर तक लगातार भाग कर बल्लेबाजी नहीं कर सकते। इसी कारण मुकाबले के अनुसार उनकी बैटिंग पोजिशन का फैसला किया जाता है।100 से ज्यादा आई.पी.एल मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान धोनी ने 2023 तक आई.पी.एल में कप्तानी करने के बाद ऋतुराज गायकवाड को जिम्मेदारी सौंप दी थी। इसी सीजन उन्होंने टीम को आखिरी बार चैंपियन भी बनवाया था। धोनी ने 226 मैचों में कप्तानी की और 133 में टीम को जीत दिलाई। वे कप्तानी करते हुए 100 से ज्यादा आई.पी.एल मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान हैं। उनके बाद रोहित शर्मा ने 158 मैचों में कप्तानी की, उन्होंने 87 मैचों में टीम को जीत दिलाई।सबसे ज्यादा आई.पी.एल मैच खेलने वाले प्लेयर धोनी आई.पी.एल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले प्लेयर भी हैं। उन्होंने 18 साल के करियर में 2 टीमों के लिए 269 मैच खेले हैं। इनमें उनके नाम करीब 137 के स्ट्राइक रेट से 5342 रन रहे। उन्होंने इनमें 24 फिफ्टी लगाईं। उनके नाम 368 चौके और 257 छक्के हैं। धोनी के बाद मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा ने 260 मैच खेले।दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच के दौरान धोनी के पैरेंट्स भी मैदान में मौजूद थे। इससे उनके संन्यास की अटकलें तेज हो गई थीं। क्योंकि धोनी के इंटरनेशनल करियर में कभी भी उनके पैरेंट्स उनका मैच देखने स्टेडियम में नहीं पहुंचे थे। हालांकि, धोनी ने मैच के बाद संन्यास नहीं लिया, अब वे टीम की कप्तानी भी करेंगे।

प्लाट या सरकारी नौकरी नहीं ली विनेश फोगाट ने 4 करोड़ रुपए का ऑफर स्वीकारा

कांग्रेस एम.एल.ए रेसलर विनेश फोगाट ने हरियाणा की बी.जे.पी सरकार का 4 करोड़ रुपए लेने का ऑफर स्वीकार कर लिया है। सरकार की तरफ से उन्हें तीन च्वाइस दी गई थी- सरकारी नौकरी या प्लाट या 4 करोड़ कैश। इसमें से विनेश ने 4 करोड़ कैश अवॉर्ड को लेकर सहमति दी है। हालांकि विनेश फोगाट ओलिंपिक से बिना मेडल ही देश लौटी थीं। बाद में वे कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़कर विधायक बन गई हैं। कैश अवॉर्ड को लेकर विनेश फोगाट का सहमति का पत्र खेल विभाग को मिल चुका है। उन्हें राशि देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बता दें कि विनेश 2024 के पेरिस ओलिंपिक में फाइनल मुकाबले तक पहुंची थीं। हालांकि 100 ग्राम बढ़े वजन की वजह से वह फाइनल मुकाबला खेलने से पहले ही बाहर हो गईं। जिसके बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विनेश का सिल्वर मेडलिस्ट जैसा सम्मान करने का ऐलान किया था। हालांकि जब कुछ नहीं मिला तो विनेश ने विधानसभा के बजट सत्र में कहा था कि सरकार ने उन्हें सिल्वर मेडल के बराबर सम्मान देने घोषणा की थी। 8 माह बीत गए लेकिन कुछ नहीं मिला। जिसके बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कैबिनेट मीटिंग के बाद राज्य की 2019 की कैश अवॉर्ड की खेल पॉलिसी के अनुसार विनेश को सरकारी नौकरी या एच.एस.वी.पी का प्लाट या 4 करोड़ का कैश अवॉर्ड में से कोई एक विकल्प चुनने का ऑफर दिया था।इसी साल मार्च में विधानसभा का बजट सत्र था। तब विनेश ने कहा- 'जब मैं पेरिस गई तो फाइनल में पहुंची। उसके बाद जो हुआ वो

परमात्मा की मर्जी थी, और मैंने उसे स्वीकार कर लिया है। उस समय हमारे सीएम ने ऐलान किया था कि विनेश हमारी बेटी है और उसे सिल्वर मेडल का सम्मान दिया जाएगा। आज सदन में आप भी बैठे हैं, मैं भी बैठी हूं। लोगों को पता होना चाहिए कि सच्चाई क्या है। आपने अपना वादा पूरा नहीं किया है। सर, आपके सभी विधायक बोल रहे हैं कि आपकी जुबान मतलब वादा पक्का। मैं आपको वही दिखा रही हूं कि आपका वादा अधूरा है और आपको पूरे सदन के सामने यह बताना चाहिए। आपने जो सम्मान देने की बात की थी वह हमें अच्छा लगा था। सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा था। यह बात पैसे की नहीं है, सम्मान की है। प्रदेश में मुझे कई लोग बोलते हैं कि आपका तो कैश अवॉर्ड आ गया, तो मैंने उन्हें कहती हूं कि न आपका आया, न मेरा आया। हम मिलकर लड़ाई लड़ेंगे।'विनेश के मुद्दा उठाए जाने के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बजट सत्र के बीच 25 मार्च को कैबिनेट मीटिंग की। जिसके बाद विनेश फोगाट को सिल्वर मेडलिस्ट जैसे सम्मान के तौर पर 3 चॉइस दी थीं। जिसमें नौकरी के साथ 4 करोड़ कैश या हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से प्लॉट का भी ऑफर दिया गया। हालांकि विनेश ने इसको लेकर कभी खुलकर कुछ नहीं कहा। इसके बाद खेल मंत्री गौरव गौतम ने भी विनेश फोगाट को चुप्पी तोड़ सरकार के दिए ऑफर में जल्द से जल्द किसी एक का चयन करने की सलाह दी थी।विनेश फोगाट ने 50 किग्रा वेट कैटेगरी में 6 अगस्त 2024 को 3 मैच खेले। प्री-क्वार्टर फाइनल में टोक्यो ओलिंपिक की चैंपियन यूई सुसाकी, क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन और सेमीफाइनल में क्यूबा की रेसलर को पटखनी दी। विनेश फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर बनी थीं। सेमीफाइनल तक 3 मैच खेलने के दौरान उन्हें प्रोटीन और एनर्जी के लिए खाना-पानी दिया गया। जिससे उनका वजन 52 किलो 700 ग्राम हो गया। विनेश के पास वेट वापस 50कि.ग्रा लाने के लिए सिर्फ 12 घंटे थे। रातभर विनेश वजन कम करने की कोशिश में लगी रहीं। मगर, 7 अगस्त की सुबह उनका वजन ज्यादा निकला। उन्हें 15 मिनट मिले, लेकिन आखिरी बार वजन में भी वह 100 ग्राम अधिक निकलीं। जिसके बाद उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया था।इसके बाद विनेश ने अयोग्य करार देने पर खेल कोर्ट में अपील की। इसमें विनेश ने फाइनल मुकाबला खेलने देने की अपील की। यह संभव नहीं था तो विनेश ने अपील बदलकर कहा कि सेमीफाइनल तक उनका वजन नियमों के अनुरूप था। उन्हें जॉइंट सिल्वर मेडल दिया जाए। उनकी याचिका पर खेल कोर्ट में सुनवाई चली। हालांकि पेरिस ओलिंपिक खत्म होने के बाद इसका फैसला आया, जिसमें उनकी याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद विनेश बिना मेडल के ही देश वापस लौटीं। दिल्ली एयरपोर्ट से लेकर पैतृक गांव बलाली तक उनका स्वागत किया गया।ओलिंपिक मेडल से चूकने के बाद विनेश फोगाट ने 8 अगस्त 2024 को कुश्ती से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया। उन्होंने सुबह 5.17 बजे सोशल मीडिया पोस्ट लिखी। विनेश ने लिखा- 'मां कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024, आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी।इसके बाद विनेश फोगाट ने दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की। बजरंग पूनिया के साथ मिलकर कांग्रेस जॉइन कर ली।

राशिफल

मेष-ःएक समय पर कई कार्य एकसाथ करने की चेष्टा के बजाय एक ही कार्य हाथ में लें। मित्र द्वारा छला गया व अकारण ही आहत महसूस कर सकते हैं। आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ें।

वृष-ःजीवन में सुख व सौहार्द रहेगा। आत्मविश्वास से परिपूर्ण व ऊर्जावान रहेंगे। तनाव लिए बगैर सफलता प्राप्त करेंगे। रचनात्मक कार्यों से आय में वृद्धि होगी।

मिथुन-ःपरिवार व प्रियजनों संग सुखद समय बिताएंगे। अर्थपूर्ण संबंध व खास अवसर निर्मित होंगे। अभिरुचि की गतिविधियों में भाग लेंगे व विश्राम से स्वयं को तरोताजा करेंगे।

कर्क-ःविकल्प मौजूद होने पर आप अधीर हो सकते हैं,कोई भी निणर्य लेने से पहले प्राथमिकताओं पर ध्यान दें। विनोदप्रिय रवैया कठिन परिस्थितियों से निकलने में मदद करेगा।

सिंह-ःधैर्य, परिश्रम व चतुराई से व्यावसायिक व वित्तीय मामलों का प्रबंधन करेंगे। प्राकृतिक व वैकल्पिक चिकित्सा से आपकी व परिवार की स्वास्थ्य समस्याएं हल हो सकती हैं।

कन्या-ःस्वास्थ्य व व्यावसायिक मामलों में सुधार होगा। व्यावसायिक व निजी जीवन में कुछ अप्रत्याशित घटनाक्रम घटित हो सकते हैं। भाग्य आपके साथ है। व्यावसाय में तेजी आएगी।

तुला-ःखानपान, काम, व विश्राम में संतुलन बिठाने की आवश्यकता है। कार्यस्थल पर परिवर्तनों के बावजूद प्रतिष्ठा कायम रखेंगे। वित्तीय व संपत्ति से जुड़े मामले थोड़े से प्रयास से हल होंगे।

वृश्चिक-ःअंतर्द्वंद्व महसूस करेंगे। कई भावनात्मक व व्यावसायिक निणर्य लेने पड़ सकते हैं। जब कई विकल्प मौजूद हों तो अत्यधिक विश्लेषण के बजाय त्वरित निणर्य सफलता की ओर ले जाएंगे।

धनु-ःअपने भीतर छिपी क्षमताओं का साक्षात्कार करेंगे। धैर्य, सतत प्रयासों व सकारात्मक ऊर्जा के साथ जड़ता व विरोध का सामना करें। विभिन्न गतिविधियों में व्यस्तता के मध्य सुरक्षा का भाव हृदय में रहे

मकर-ःपूरी ऊर्जा के साथ योजनाओं पर अमल आरंभ करेंगे। अक्सर कार्यव्यवहार में आप चरम पर पहुंच जाते है, किसी भी प्रकार के अतिरेक से बचें। बाधक परिस्थितियों से निराश होने के बजाय उनपर जीत का प्रयास

कुंभ-ःनए अवसर प्रस्तुत होंगे व व्यावसायिक मामलों को कुशलता से हल करेंगे। व्यावसायिक बैठक में अपनी बेहतरीन योजनाओं व विचारों से लोगों को प्रभावित करेंगे।

मीन-ःसंबंधों में समझदारी व वित्तीय लेनदेन में सजगता अपेक्षित है। अपनी भावनाओं, विचारों व योजनाओं को ईर्ष्यालु लोगों से सुरक्षित रखें, वे उन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं।

ममता ने महुआ मोइत्रा को दी पार्टी से निलंबित करने की चेतावनी

नई दिल्लीः तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पार्टी की सांसद महुआ मोइत्रा को कड़ी चेतावनी जारी की है। सूत्रों के मुताबिक, सीएम ममता ने महुआ मोइत्रा को पार्टी से निलंबित करने की चेतावनी दी है। जानकारी के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस के ही दो सांसदों महुआ मोइत्रा और कल्याण बनर्जी के बहस हुई थी। इसी के बाद महुआ को ये चेतावनी दी गई है। आइए जानते हैं इस पूरे मामले के बारे में।सूत्रों की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता डेरेक ओबेरियन ने ममता बनर्जी को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी है। इसके

बाद एक महिला राज्यसभा सांसद के माध्यम से महुआ मोइत्रा को सीएम ममता बनर्जी का संदेश पहुंचाया गया है। सीएम ममता के संदेश में सांसद महुआ मोइत्रा को कड़ी कार्रवाई और निलंबन की चेतावनी दी गई है।सूत्रों के मुताबिक, महुआ मोइत्रा और कल्याण बनर्जी के बीच कई मुद्दों को लेकर तनाव है। महुआ मोइत्रा कथित तौर कल्याण बनर्जी से इसलिए नाराज हैं क्योंकि उन्हें लोकसभा में बोलने का पर्याप्त समय नहीं दिया गया। कल्याण बनर्जी कई सांसदों के बीच फ़्लोर टाइम को मैनेज करने के लिए ज़िम्मेदार हैं। महुआ मोइत्रा सदन में ज़्यादातर मुद्दों पर अपनी राय रखना चाहती हैं। हालांकि, उन्हें कथित तौर पर कई मौकों पर इससे वंचित किया गया जिससे वे निराश हैं। जानकारी के मुताबिक, महुआ ने कथित तौर पर कल्याण बनर्जी और उनकी बेटी के खिलाफ़ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। एक बार उन्होंने कल्याण बनर्जी को 'छोटो लोक' (बंगाली में नीच व्यक्ति) कहा था जिस कारण बनर्जी बहुत आहत हुए थे।तृणमूल कांग्रेस के एक और सांसद सौगत रॉय ने इस पूरे मामले में कल्याण बनर्जी पर हमला बोला है। उन्होंने कल्याण बनर्जी पर एक महिला सांसद के साथ दुर्व्यवहार का आरोप भी लगाया है। सौगत रॉय ने कहा- 'उनका असभ्य व्यवहार कई बार हमारे सामने आया है। कल्याण को पार्टी के मुख्य सचेतक पद से तुरंत हटा दिया जाना चाहिए। मैं इस निर्णय को ममता बनर्जी के पर छोड़ता हूं।' वहीं, कल्याण बनर्जी ने सौगत रॉय को जवाब देते हुए कहा- 'सौगत रॉय ने पार्टी की छवि बहुत पहले ही खराब कर दी थी। याद कीजिए 2016 के वे दिन जब नारदा स्टिंग के दौरान हमारे खिलाफ चोर चोर के नारे लगाए गए थे। उनमें से किसी को भी इसका सामना नहीं करना पड़ा। मुझे अकेले ही इसका सामना करना पड़ा। इसलिए छवि को सौगत रॉय ने खराब किया, मैंने नहीं।'

पढ़ाई-लिखाई वाली चीजों पर जी.एस.टी नहीं..!

नई दिल्ली। संसदीय पैनल ने कई शैक्षिक वस्तुओं और सेवाओं पर 18प्रतिशत तक जीएसटी लगाए जाने को गंभीर बताया है। कहा है कि 'इससे छात्रों के लिए पढ़ाई पूरी कर पाना आर्थिक रूप से मुश्किल हो रहा है। केंद्र सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह शिक्षा पर कर लगाने के बजाए इसे सभी के लिए सुलभ बनाए।' समिति ने सिफारिश की है कि 'स्कूल शिक्षा विभाग को स्कूल की पढ़ाई को जीएसटी फ्री बनाना चाहिए। इसके लिए विभाग को जल्द से जल्द वित्त मंत्रालय और जीएसटी काउंसिल के साथ सक्रिय रूप से कदम उठाने चाहिए।' समिति ने सिफारिश की है कि 'विभाग को अगले तीन महीनों के अंदर वित्त मंत्रालय व जीएसटी परिषद के साथ ट्यूशन फीस और किताबें जीएसटी फ्री करने के मुद्दे को सक्रिय रूप से उठाना चाहिए।' समिति ने अपनी रिपोर्ट में यह कहा है कि 'उच्च शिक्षा संस्थानों को उनके द्वारा खरीदी जा रही वस्तुओं और सेवाओं पर भी जीएसटी की उच्च दर है। इसमें भवनों के निर्माण पर 18प्रतिशत जीएसटी और लैब रिसर्च के लिए उपकरणों और केमिकल पर जीएसटी शामिल है। लैब केमिकल पर सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) में 10 से 150प्रतिशत की बढ़ोतरी के कारण साइंटिफिक रिसर्च और लैबोरेटरी

के लिए उपकरणों की लागत बढ़ गई है।' समिति का कहना है कि साल में दो बोर बोर्ड एग्जाम्स के लिए सीबीएसई की ड्राफ्ट पॉलिसी में परीक्षा शुल्क में योजनाबद्ध बढ़ोतरी की बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा है कि परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी सभी छात्रों के लिए नहीं, बल्कि केवल उन छात्रों के लिए की जानी चाहिए, जो बोर्ड परीक्षाओं में अतिरिक्त प्रयास दे रहे हैं। इसके अलावा सीबीएसई के सरप्लस रेवेन्यू की अच्छी मात्रा को देखते हुए छात्रों से परीक्षा के लिए ली जाने वाली फीस को कम करने का अवसर भी हो सकता है। 2023 और 2024 के दौरान केवल 23 और 20 पद ही भरे गए हैं, जबकि समिति के 349वें प्रतिवेदन में यह सिफारिश की गई थी कि स्थायी पदों के साथ रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया को 2023 के अंत तक पूरा किया जाए। समिति अपनी सिफारिशो के संबंध में विभाग और सीबीएसई के लापरवाह रवैये को गंभीरता से लेती है। स्कूल शिक्षा विभाग और सीबीएसई को निर्देश देती है कि वे मिशन मोड में और समयबद्ध तरीके से बैकलॉग रिक्तियों सहित खाली पदों को जल्द से जल्द और 2025 के अंत तक भर लें। समिति ने कहा है कि 'यह जानकर निराशा हुई कि हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट ने अपने जवाब में कहा है कि उसने एजुकेशनल मैटीरियल्स और सर्विसेस पर टैक्स के संबंध में डेटा एकत्र नहीं किया है। इसी तथ्य के कारण सरकार इन वस्तुओं और सेवाओं पर कर की दर कम करने के लिए कोई पहल नहीं कर पा रही है।'समिति ने कहा है कि गणित विषय में खराब अंक छात्रों के पढ़ाई छोड़ने का सबसे बड़ा इंडिकेटर यानी संकेतक है।

भारत में यहां मिला सोने का इतना बड़ा खजाना कि आंखें चौंधिया गईं...

नई दिल्लीः सोना हर किसी को पसंद है चाहे वो भारतीय हों या विदेशी। सोना हमेशा से ही सबसे भरोसेमंद संपत्ति माना जाता रहा है। किसी भी देश की आर्थिक स्थिति उसके सोने के भंडार पर निर्भर करती है। कागजी मुद्रा की कीमत कई वजहों से घट-बढ़ सकती है। लेकिन सोने की कीमत स्थिर रहती है। यह पूरी दुनिया में स्वीकार किया जाता है। हाल ही में ओडिशा में स्वर्ण भंडार मिले हैं। वैज्ञानिकों ने राज्य में सोने के बड़े भंडार खोजे हैं। इससे यह स्वर्ण खनन का एक बड़ा केंद्र बन गया है। फरवरी, 2025 में भारत के पास 840.76 टन सोने का भंडार था। यह भंडार भारतीय रिजर्व बैंक के पास है। साल 2024 की चौथी तिमाही में भारत का गोल्ड रिजर्व 876.20 टन हो गया था। यह 2000 से 2024 के बीच का सर्वकालिक उच्च स्तर था। नवंबर 2024 म आर.बी.आई ने 8 टन सोना खरीदा था। साल 2024 में भारत ने कुल 73 टन सोना खरीदा था। भू-राजनीतिक तनाव को देखते हुए भारत जैसे विकासशील देश अपने गोल्ड रिजर्व में बढ़ोतरी कर रहे हैं।सोने का इस्तेमाल पुराने समय से ही पैसे के रूप में होता आया है। इसलिए इसे महंगाई से बचने और आर्थिक संकट के समय में सुरक्षित निवेश माना जाता है। यह सिर्फ एक कीमती धातु नहीं है। यह दुनिया के वित्तीय सिस्टम का एक जरूरी हिस्सा है। ओडिशा हमेशा से ही प्राकृतिक संसाधनों और खनिजों का केंद्र रहा है। अब यह फिर से सोने के भंडार के लिए चर्चा में है। यहां सोने के भंडार कई जिलों में मिले हैं। राज्य के खान मंत्री बिभूति जेना के अनुसार, कई जगहों पर सोने की खोज चल रही है। जल्द ही इनकी नीलामी की जाएगी।वैज्ञानिकों को ओडिशा सुंदरगढ़, नबरंगपुर, क्योंझर और देवगढ़ जैसे जिलों में सोने के बड़े

भंडार मिले हैं। बौध, मलकानगिरी, संबलपुर जैसे इलाकों में भी खोज जारी है। मरेडिही, सुलेईपत और बादामपहाड़ जैसे क्षेत्र भी रिसर्च प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं।देवगढ़ जिले में भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में जबरदस्त संभावनाएं दिखी हैं। यहां पहले से ही आदासा-रामपल्ली में सोने के भंडार की पहचान की गई थी। (जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया) तांबे के लिए खोज कर रहा है। इससे पता चलता है कि इस क्षेत्र में कई तरह के खनिज संसाधन मौजूद हैं। गोपुर-गाजीपुर, मनकाडचुआन, सलेईकाना और दिमिरीमुंडा क्षेत्रों में सोने की खोज चल रही है। ये सभी खोज राज्य की खनन क्षेत्र को बढ़ाने की योजना का हिस्सा हैं। ओडिशा सरकार देवगढ़ में अपने पहले सोने के खनन ब्लॉक की नीलामी करने की योजना बना रही है।भारत समेत दुनिया के कई देश अपने स्वर्ण भंडार का बड़ा हिस्सा विदेशी तिजोरियों में रखते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है, ताकि राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा के लिहाज से स्थिरता कायम रहे और इनके जोखिम कम किया जा सके। लंदन, न्यूयॉर्क और ज्यूरिख जैसे प्रमुख वित्तीय केंद्रों में रखे गए सोने को अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत का स्वर्ण भंडार का एक बड़ा हिस्सा बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स में रखा जाता है। इसकी वजह ब्रिटेन और अमेरिका के साथ ऐतिहासिक संबंध भी हैं, जिनसे इन पर भरोसा बढ़ा है।अमेरिका के पास दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार है। यह 8,133.46 टन है। इससे अमेरिका की असल ताकत का पता चलता है। डॉलर लंबे समय से ग्लोबल करेंसी के तौर पर चलन में है। फिर भी अमेरिका ने सोने को अपनी अर्थव्यवस्था की रीढ़ बना रखा है। इससे मुश्किल हालात में अर्थव्यवस्था को संभालने में सोना ही काम आता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी की हालत बेहद खराब हो चुकी थी। मगर, एक सोना ही था, जिसने उसे उबार दिया। उसने लगातार अपने गोल्ड रिजर्व को संगठित रूप से बढ़ाया। अब जर्मनी दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार रखने वाला देश है। उसका कुल स्वर्ण भंडार 3,351.53 टन हो चुका है।

कांग्रेस का 84वां अधिवेशन

खड़गे ने महाराष्ट्र चुनाव धोखे से जीतने का लगाया आरोप

अहमदाबाद। गुजरात केअहमदाबाद में दो-दिवसीय कांग्रेस के 84वां अधिवेशन का आज दूसरा दिन है। अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल मौजूद है, लेकिन प्रियंका गांधी नहीं पहुंची।इस दौरान खड़गे ने ईवीएम पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने ऐसी तकनीक बनाई है, जिससे उन्हें फायदा हो। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव भी धोखे से जीता। महाराष्ट्र में 150 सीटों पर लड़कर 138 पर जीत हासिल की गई, जो 90 प्रतिशत जीत है। ऐसा पहले कभी नहीं देखा। खड़गे ने आगे कहा- सब कुछ पता लगा लिया जाएगा, क्योंकि चोर चोरी करता है और आज नहीं तो कल पकड़ा जाएगा।

वक्फ़ मामले में सुप्रीम कोर्ट के ये 3 फैसले जिनपर हो रही चर्चा

नई दिल्ली।राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद वक्फ संशोधन विधेयक 2025 अब कानून बन चुका है। इसमें वक्फ संपत्तियों की पारदर्शिता सर्वेक्षण और दुरुपयोग रोकने समेत कई अहम अहम बदलाव किए गए हैं। संशोधित कानून को लागू करने की अहम जिम्मेदारी राज्यों की है क्योंकि जमीन राज्यों का विषय है। राज्य सरकारें कानून की मूल भावना के साथ इसके प्रावधानों को कितने प्रभावी तरीके से लागू कर पाएंगी? आईये समझते हैं सुप्रीम कोर्ट में नए वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ याचिका दायर कर इसे अदालत के पुराने फैसलों का उल्लंघन माना है. साथ ही, इसे मुसलमानों के मौलिक और धार्मिक अधिकारों को छीनने की साजिश कहा गया है. इस स्टोरी में अदालत के तीन फैसलों की बात.अल्लाह के नाम दान की गई संपत्ति - वक्फ को लेकर भारत सरकार की तरफ से लाए गए नए कानून की संवैधानिकता का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है. एआईएमआईएम के मुखिया असहुदीन ओवैसी, आम आदमी पार्टी विधायक अमानतुल्लाह खान, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी समेत कम से कम दस लोगों या संगठनों ने कानून के खिलाफ देश की सर्वोच्च अदालत में याचिका दायर की है, याचिका दायर करने वालों की दलीलों में सबसे अहम इस कानून को सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का उल्लंघन और मुसलमानों के मौलिक और

धार्मिक अधिकारों को छीनने की साजिश कहा गया है. याचिकाकर्ता बारबार उस एक कथन को दोहरा रहे हैं जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि-वंस अ वक्फ़, आलवेज़ अ वक्फ़ एक बार वक्फ हो गया तो फिर बात खत्म. इनमे सुप्रीम कोर्ट के 3 फैसले अहम हैं.पहला - रतीलाल पानाचंद गांधी बनाम बॉम्बे स्टेट (1954). दूसरा - सय्यद अली बनाम आंध्र प्रदेश वक्फ बोर्ड (1998), तीसरा - के. नागराज बनाम आंध्र प्रदेश. सय्यद अली फैसले ही में अदालत ने वक्फ की बालादस्ती की बात की थी. हम स्टोरी में इन्हीं तीनों फैसलों को विस्तार से बताएंगे।भारत में वक्फ का इतिहास दिल्ली सल्तनत के जमाने का है. देश भर में करीब 8 लाख 70 हजार संपत्ति वक्फ के नियंत्रण में हैं. जिसकी अनुमानित कीमत करीब सवा लाख करोड़ रुपये है. इन्हीं को कुछ बदलावों के साथ नियंत्रित करने को लेकर लाए गए कानून को पारित करने वक्त लोकसभा में पक्ष में 288 जबकि विरोध में 232 वोट पड़े थे. वहीं, राज्यसभा में इस बिल के पक्ष में 132 और इसके खिलाफ 95 वोट पड़े थे. समूचे विपक्ष ने एक सुर में कानून का विरोध किया था. अब अदालत में कानून को संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 26, 29, 30 और 300-ए का उल्लंघन बताया जा रहा है.तीनो में से पहला फैसला सुप्रीम कोर्ट का साल 1954 का ये फैसला देश में धार्मिक स्वायत्ता की अहमियत को रेखांकित करने वाला था. इस फैसले में अदालत ने 1950 के बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट कानून के कुछ प्रावधानों को अंवैधानिक करार दिया था. अदालत ने तब कहा था कि धार्मिक संपत्ति का नियंत्रण किसी धर्मनिरपेक्ष संस्था को देना, उस धर्म विशेष के लोगों के धार्मिक और संपत्ति से जुड़े अधिकारों का अतिक्रमण है. इस फैसले को आधार बनाते हुए सुप्रीम कोर्ट में दलील दी जा रही है कि वक्फ की संपत्ति पर सरकार का नियंत्रण बढ़ाना और उसमें बड़े पैमाने पर छानबीन की व्यवस्था 1954 के इस फैसले की अवहेलना है.फिर तीनो में से दूसरा फैसला। 1998 के इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ को इस्लाम धर्म के मातहत की जाने वाला एक दान का तरीका माना था. अदालत ने पाया था कि ये व्यवस्था कुरान से आती है. इसी फैसले में अदालत ने वक्फ की बालादस्ती को कुबूल किया था. अदालत ने कहा था कि वक्फ मुस्लिम कानूनों में पवित्र और धार्मिक दान का तरीका है. अदादल ने वक्फ को परमानेंट यानी स्थाई माना था. अदालत ने तब कहा था कि एक बार अगर वक्फ संपत्ति घोषित हो गई तो फिर वो वक्फ ही रहेगी.और आखरी तीसरा फैसला ये मामला आंध्र प्रदेश सरकार के कर्मचारियों के रिटायरमेंट के उम्र से संबंधित था. ये सीधे तौर पर वक्फ से जुड़ा तो नहीं था मगर इसे आधार जरुर बनाया जा रहा है. सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले में कहा था कि ऐसे कोई भी संशोधन जो मूल कानून के मकसद को अप्रभावी करते हों, उन्हें असवैंधानिक माना जाएगा. अब अदालत में इसे आधार बनाया जा रहा है कि नए कानून का कम से कम 35 संशोधन 1995 के वक्फ कानून के प्रावधानों के असल मकसद का उल्लंघन कर रहा है.

मुंबई हमले का मास्टरमाइंड तहब्बुर लाया गया भारत

कोर्ट ने 18 दिन की कस्टडी सौंपी

नई दिल्लीः 2008 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा से आज एन.आई.ए पूछताछ कर सकती है। एन.आई.ए के एस.पी और डी.एस.पी रैंक के अधिकारी एन.आई.ए के इंटेरोगेशन रूम में सीसीटीवी के सामने उससे सवाल-जवाब करेंगे, जिसकी पूरी रिकॉर्डिंग की जाएगी। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने राणा को 18 दिन की एन.आई.ए कस्टडी में भेजा है। कस्टडी के दौरान एन.आई.ए रोजाना राणा से पूछताछ की एक डायरी तैयार करेगी। आखिरी दौर की पूछताछ के बाद डिस्कलोजर स्टेटमेंट में उसे रिकॉर्ड पर लिया जाएगा। यह केस डायरी का हिस्सा होता है। 64 साल के राणा को कल ही स्पेशल विमान

से अमेरिका से लाया गया था। देर रात पटियाला हाउस कोर्ट के स्पेशल एन.आई.ए जज चंद्रजीत सिंह ने बंद कमरे में मामले की सुनवाई की और रात 2 बजे फैसला सुनाते हुए एन.आई.ए को उसकी कस्टडी दी। कल रात राणा की पहली तस्वीर भी सामने आई, जिसमें नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी एन.आई.ए के अधिकारी उसे पकड़े हुए नजर आए। आज यूएस डिपार्मेंट ऑफ जस्टिस ने एक और तस्वीर जारी की है। इसमें अमेरिकी मार्शल उसे एन.आई.ए के अफसरों को सौंप रहे हैं। राणा को दिल्ली की तिहाड़ जेल में हाई सिक्योरिटी वार्ड में रखा जाएगा। हालांकि, उसे कब और किस वार्ड में रखा जाएगा, इसका जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है।

मस्क ने ट्रम्प के सलाहकार को बताया बेवकूफ़

टेस्ला को कार असेंबलर बताने पर भड़के

वाशिंगटन। टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सीनियर ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो को बेवकूफ बताया। नवारो ने एक इंटरव्यू कहा था कि मस्क की टेस्ला कंपनी कार निर्माता नहीं बल्कि कार असेंबलर है। नवारो ने कहा था कि टेस्ला ने बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और टायर बाहर से इंपोर्ट किए थे। मस्क सस्ते विदेशी पार्ट्स चाहते हैं। नवारो के मुताबिक विदेशों पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगने से ये सभी पार्ट्स महंगे हो जाएंगे। मस्क नवारो के इस बयान से भड़क गए। उन्होंने कहा कि टेस्ला के बारे में नवारो के दावे साफ तौर पर झूठे है।

केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद फ्रांस के साथ 26 राफेल-मरीन जेट के लिए 64,000 करोड़ रुपये की डील

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने फ्रांस के साथ 26 राफेल-मरीन लड़ाकू विमानों की सीधी खरीद के लिए लगभग 64,000 करोड़ रुपये के बड़े सौदे को मंजूरी दे दी है। ये विमान स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के डेक से संचालित होंगे। सूत्रों ने बताया कि 22 एकल सीट वाले राफेल-एम जेट और चार दोहरे सीट वाले प्रशिक्षक विमानों के लिए सरकार से सरकार के बीच समझौते पर अगले कुछ दिनों में हस्ताक्षर हो जाएंगे, जिसमें

हथियार, सिमुलेटर, चालक दल का प्रशिक्षण और पांच साल का प्रदर्शन आधारित लॉजिस्टिक सपोर्ट शामिल है।इस डील में सितंबर 2016 में किए गए 59,000 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट के तहत भारतीय वायुसेना में पहले से शामिल किए गए 36 राफेल के लिए अपग्रेड, उपकरण और पुर्जे भी शामिल हैं।नौसेना के लिए 'स्पेसिफिक इनहेंसमेंट' के साथ 26 राफेल-एम लड़ाकू विमानों को कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने के 37 से 65 महीनों में डिलिवर किया जाएगा। एक सूत्र ने कहा कि नया अंतर-सरकारी समझौता भारतीय वायुसेना के सौदे में किए गए समझौते जैसा ही है।सभी 26 जेट 2030-31 तक वितरित किए जाने हैं।

गुरमीत राम रहीम जेल से 13वीं बार आया बाहर

तीन हफ्ते की फरलो मिली, हनीप्रीत पहुंची लेने

रोहतक। हरियाणा में रोहतक की सुनारिया जेल में रेप और हत्या

के मामले में 20 साल की सजा काट रहा डेरा मुखी गुरमीत राम रहीम एक बार फिर जेल से बाहर आया है। उसे 21 दिन की फरलो मिली है। इस दौरान राम रहीम पूरे 21 दिन सिरसा डेरे में ही रहेगा। बुधवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे उसे कड़ी सुरक्षा के बीच जेल से सिरसा पहुंचाया गया। राम रहीम की मुख्य शिष्या हनीप्रीत उसे लेने रोहतक जेल आई थी। सिरसा पहुंचे राम रहीम ने वीडियो जारी कर कहा, 'फिर से श्रद्धालुओं की सेवा में हाजिर हूं। सभी अपने-अपने घरों में रहें और डेरे के जिम्मेदार लोग जो कहें, वही करें।' राम रहीम डेरे के स्थापना दिवस के 77वें समारोह में शामिल होगा। डेरा सच्चा सौदा की स्थापना 29 अप्रैल 1948 को संत शाह मस्ताना ने की थी। इसी में शामिल होने राम रहीम को फरलो मिली है।

डोमिनिकन देश में क्लब की छत गिरने से 98 की मौत,150 से ज़्यादा घायल

नई दिल्ली। कैरेबियन देश डोमिनिकन रिपब्लिक में एक नाइट क्लब की छत गिरने से 98 लोगों की मौत हुई है, जबकि 150 से ज्यादा लोग घायल है। घटना राजधानी सैंटो डोमिंगो के जेट सेट नाइट क्लब में स्थानीय समय के मुताबिक मंगलवार सुबह हुई, जब एक सिंगर का कॉन्सर्ट चल रहा था।

ट्रम्प ने की दवाओं पर टैरिफ लगाने की घोषणा, भारत निर्यात करने वाले टॉप-5 देशों में शामिल

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया है कि हम जल्द ही दवाइयों पर भारी टैरिफ लगाने जा रहे है। अगर अमेरिका दवाओं पर भी टैरिफ लगाने का फैसला लेता है तो इसका भारत पर भी असर पड़ेगा। भारतीय फार्मास्यूटिकल कंपनियां हर साल अमेरिका को 40प्रतिशत जेरेनिक दवाएं भेजती है। यूएस ट्रेड डेटा के मुताबिक भारत, अमेरिका को सबसे ज्यादा दवा बेचने वाले टॉप-5 देशों में शामिल है। ट्रम्प ने अपने सम्बोधन में कहा कि उनका मकसद विदेश में दवा बना रही कंपनियों को अमेरिका में वापस लाना और घरेलू दवा इंडस्ट्री को बढ़ावा देना है। ट्रम्प ने कहा कि दूसरे देश दवाओं की कीमतों को कम रखने के लिए बहुत ज्यादा दबाव बनाते हैं। वहां ये कंपनियां सस्ती दवा बेचती है, लेकिन अमेरिका में ऐसा नहीं होता है। एक बार जब इन दवा कंपनियों पर टैरिफ लग जाएगा तो ये सारी कंपनियां अमेरिका वापस आ जाएंगी। ट्रम्प ने कहा कि दवाएं दूसरे देशों में बनती है और इसके लिए आपको ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। अमेरिकी राष्ट्रपति बोले कि टैरिफ लगाने से फार्मा कंपनियां वापस आएंगी, क्योंकि अमेरिका बहुत बड़ा बाजार है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो विदेशी दवा कंपनियों को भारी टैक्स चुकाना पड़ेगा। ट्रम्प दवाओं पर कब से और कितना टैरिफ लगाएंगे, इसकी तारीख उन्होंने नहीं बताई है। अमेरिका दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खरीदने वाला देश है। रिपोर्ट का अनुमान है कि अगर टैरिफ का 50 प्रतिशत बोझ मरीजों तक पहुंचाया गया, तो फार्मा कंपनियों की कमाई पर 1 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक का असर हो सकता है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अमेरिका में ज्यादातर सस्ती जेनेरिक दवाएं भारत और चीन से आती है। मंहगी दवा मिलने का नुकसान मरीजों को उठाना पड़ेगा जिससे अमेरिका के लोगों की ही मुश्किलें बढ़ेंगी।

पुराने नाम से जानी जाएगी संभल जामा मस्जिद अब जामा की जगह जुमा लिखा जाएगा

नई दिल्लीः भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने मंगलवार (8 अप्रैल) को संभल में 16वीं सदी की मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद का नाम बदलकर 'जुमा मस्जिद' कर दिया और मस्जिद के बाहर कई दशकों से लगे हरे रंग के साइनबोर्ड की जगह एक नया नीला साइनबोर्ड तैयार कर लिया गया है जिसे जल्द ही हरे साइनबोर्ड की जगह लगाया जाएगा.इस ऐतिहासिक मस्जिद को अभी तक हरे रंग के साइनबोर्ड से चिह्नित किया गया है, जिस पर 'शाही जामा मस्जिद' लिखा है.एएसआई अधिकारियों ने कहा है कि हाल ही में हुए कानूनी विवाद और सांप्रदायिक अशांति के बाद इस स्थल को एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक के रूप में चिह्नित करने के लिए जल्द ही एक नया साइनबोर्ड लगाया जाएगा.एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'नया नीला साइनबोर्ड केवल

औपचारिक पहचान नहीं है, यह लोगों को यह भी बताएगा कि यह इमारत एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक है. यह कदम इस स्थल की ऐतिहासिक पहचान और कानूनी स्थिति को स्पष्ट करता है, जो अब एएसआई की निगरानी में है.' एएसआई के वकील विष्णु कुमार शर्मा ने कहा, 'मस्जिद एएसआई द्वारा [redacted] के मूल नाम को लेकर कुछ लोगों ने कथित तौर पर एएसआई के मूल बोर्ड को हटा दिया था और उसकी जगह दूसरा बोर्ड लगा दिया.' उन्होंने बताया कि नए साइनबोर्ड पर 'जुमा मस्जिद' नाम लिखा गया है, जो एएसआई के 'ऐतिहासिक दस्तावेज' से मेल खाता है.एएसआई के एक अधिकारी ने, 'भारत सरकार और मस्जिद समिति के बीच 1927 में हुए समझौते में इसे जुमा मस्जिद कहा गया था और एएसआई के रिकॉर्ड में भी इस संरचना को इसी नाम से जाना जाता है. हम संरचना को उसके मूल नाम से ही पुकार रहे हैं, किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए.'एएसआई ने बताया कि हाल ही में इलाहाबाद हाईकोर्ट में रमजान से पहले मस्जिद पर पुताई करने को लेकर एक याचिका पर सुनवाई के बहस छिड़ गई थी.मस्जिद समिति का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता तौसीफ अहमद ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, 'जुमा मस्जिद और जामा मस्जिद का मतलब एक ही है. एएसआई ने बोर्ड का रंग हरे से नीला कर दिया है, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि यह हमारी पूजा स्थली बनी रहेगी.' गौरतलब है कि शाही जामा मस्जिद का निर्माण साल 1526 में मुगल बादशाह बाबर के शासनकाल के दौरान हुआ था. आज यह सबसे पुराने मुगलकालीन स्मारकों में से एक है. वर्तमान में यह मस्जिद एएसआई द्वारा संरक्षित है. इस मस्जिद को लेकर हिंदू पक्षों द्वारा दावा किया जाता है कि इस मस्जिद को हरिहर मंदिर को तोड़कर उसकी जगह पर बनवाया गया था.इसको लेकर बीते वर्ष 19 नवंबर को स्थानीय अदालत में याचिका दायर की गई. याचिका पर सुनवाई करते हुए उसी दिन मस्जिद के सर्वेक्षण के आदेश दे दिए गए और उसी दिन मस्जिद परिसर का सर्वेक्षण भी किया गया. हालांकि सर्वेक्षण उस दिन पूरा नहीं हो पाया और 24 नवंबर को सर्वे करने के लिए टीम फिर से वहां आती है, इस दौरान हिंसा होती है जिसमे पांच लोगों की जान चली जाती है. तब से संभल अशांत है, और वहां आए दिन नए घटनाक्रम सामने आ रहे हैं. सरकार और स्थानीय प्रशासन पर आरोप है कि संभल में मंदिर मस्जिद के विवाद को वह अयोध्या के तर्ज पर खड़ा करना चाहते हैं ताकि राजनीतिक लाभ ले सके. ऐतिहासिक जमा मस्जिद के साइनबोर्ड को हरे से नीला करना इसी घटनाक्रम का अगला पड़ाव है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008
से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी, प्रयागराज 211008 (उ.प्र.)
से प्रकाशित
सम्पादक-डा. दीपक अरोरा
मो 0 न0 -919415608783
RNI No.UPHIN/2012/41154

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

पाकिस्तान में नेताओं-सैन्य अधिकारियों के बच्चों की रेव पार्टी पर रेड पुलिस टीम निलंबित, 55 आरोपी रिहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कसूर जिले में एक

हाई-प्रोफाइल रेव पार्टी पर सोमवार रात पुलिस ने छापेमारी की, जिसमें 55 युवाओं को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने ड्रग्स और शराब भी बरामद किया। इसके चलते जिला पुलिस अधिकारी एसा खान को दखल देकर एण्ध सकलैन खान और जांच अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया। इन अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने वीडियो जानबूझकर लीक कर दिया। युवाओं को कोर्ट में पेश किया गया, लेकिन सबूतों के अभाव में उन्हें रिहा कर दिया गया। छापे के दौरान 30 लड़के और 25 लड़कियां पकड़े गए थे। यह घटना कसूर के मुस्तफाबाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र में घटित हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि पार्टी में नशीले पदार्थों और शराब का भारी इस्तेमाल हो रहा था।